A Daily News Magazine
भोपाल
बुधवार, 19 फरवरी, 2025

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष -22 अंक-170 नगर संस्करण, पृष्ठ -8, मूल्य रू.- 2

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

सुप्रभात

एक मन है कि यहीं रह जायें
एक मन है कि कहीं और रहें
एक मन है कि यहां रहना क्या
एक मन है कि अभी और रहें
साथ आने के लिए कोई न था
साथ जाने के लिए कोई नहीं
एक मन है कि खूब ख़ाली हों
एक मन है कि अभी और भरें
मौत हर पल उठा रही हम को
फिर भी जीना-सा लगा रहता है
एक मन है कि कुछ किया ही नहीं
एक मन है अभी कुछ और करें।

- ध्रुव शुक्ल

प्रसंगवश

भारतीय डिजाइनरों को रजाई बेच रहे हैं पाकिस्तानी हिंदू शरणार्थी

अलमिना खातून

छह साल पहले पाकिस्तान छोड़ने के बाद पहली बार धानी ठाकुर के पास अपने और अपनी दो बेटियों के लिए भारत में बने कपड़े खरीदने के लिए पैसे थे। दिल्ली के आदर्श नगर में रहने वाली हिंदू शरणार्थी के रूप में यह उनकी ज़िंदगी का एक बेहतरीन पल था। वक्त गुज़ारने के लिए वे जो रज़ाई सिलती हैं, उनकी अब मांग है जिसके लिए उन्हें हज़ारों रुपये मिलते हैं।

उस ऐतिहासिक खरीदारी यात्रा को दो साल हो चुके हैं। आज, रज़ाई की बाज़ार में काफी डिमांड है और धानी आदर्श नगर की छह महिला शरणार्थियों में से एक हैं जिन्होंने यह शिल्प करना शुरू किया है। अपने ससुराल वालों सहित 20 परिवार के सदस्यों के साथ कच्चे घर के बगल में एक खुले कमरे में, वे लाल और पीले फूलों की कढ़ाई वाली हरे रंग की रल्ली रज़ाई खोलती हैं। इसे सिलने में उन्हें तीन महीने से ज़्यादा का वक्त लगा और उन्हें इसके लिए लगभग 4 हजार रुपये मिलने की उम्मीद है।

धानी जो 2018 में आदर्श नगर शरणार्थी कैंप में चली गई थीं, ने कहा, 'यह काम सिंध की संस्कृति का प्रतिनिधित्व करता है, जिसे हमने वहां सीखा और पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ाया। सिंध की हर महिला को इसमें महारत हासिल है।' ठाकुरों जैसे परिवारों के लिए जिन्होंने बिजली के लिए लगभग एक दशक तक इंतज़ार किया, ये रज़ाई सम्मान की ज़िंदगी जीने का ज़रिया देती है।

स्थानीय बाज़ार में खरीदारी की उस यात्रा को याद करते हुए धानी का चेहरा चमक उठा। उस दिन, सब कुछ बहुत चमकीला, जीवंत लग रहा था। उन्होंने फूलों वाले पैटर्न वाला एक नेवी ब्लू कपड़ा चुना और उससे अपने लिए स्कर्ट, टॉप और दुपट्टा सिल लिया। उन्होंने कहा, 'इससे मुझे उम्मीद मिलती है।'

मिट्टी के एक बड़े से कमरे में महिलाओं का एक ग्रुप एक साथ बैठा है, हर कोई अपनी अलग रज़ाई पर काम कर रहा है। यह एक सामुदायिक मामला है। दादी, मां और बेटियां सिलाई मशीनों के चारों ओर इकट्ठा होती हैं, ठहाके लगाती हैं, मज़ाक करती हैं और एक-दूसरे से बातें शेयर करती हैं। बच्चे जब स्कूल में नहीं होते हैं या अपने दोस्तों के साथ नहीं खेलते हैं, तो वो भी मदद करते हैं।

धानी की सास, गुलाल, हर आकार की बेलों और फूलों से ढंकी एक चटकीली नीली रज़ाई खोलती हैं। महिलाओं ने पैचवर्क, एप्लिक और कढ़ाई समेत चार से ज़्यादा डिज़ाइन टेम्पलेट बनाए हैं। हर रज़ाई को बनाने में तीन महीने से ज़्यादा वक्त लगता है, जिसमें फूलों, पत्तियों और कभी-कभी हाथियों और ऊंट जैसे जानवरों के डिज़ाइन शामिल होते हैं। धानी के साथ, पांच अन्य महिलाएं ये रज़ाई बनाती हैं, जिन्हें अब रूबल नागी आर्ट फाउंडेशन द्वारा स्टूडियो सक्षम, एक ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर बेचा जाता है। कुछ की कीमत ऑनलाइन 15,000 रुपये तक है। कोई भी दो रज़ाई एक जैसी नहीं होती। धानी ने लाल फूलों से कढ़ाई की गई एक पीली सूती रज़ाई की ओर इशारा किया। उन्होंने कहा, 'मुझे सिर्फ एक फूल बनाने में एक हफ्ता लगा। मैंने रज़ाई को लगभग तीन महीने में पूरा किया और अब मुझे कुछ बॉर्डर जोड़कर इसे पूरा करना है।'

रज़ाई बनाने का कारोबार लगभग संयोग से शुरू हुआ। 2022 में विजुअल आर्टिस्ट रूबल नागी आदर्श नगर में थीं, जहां वे बच्चों को स्कूल में दाखिला दिलाने और एजुकेशन प्रोग्राम चलाने में मदद कर रही थीं। एक यात्रा के दौरान, उन्होंने धानी के बिस्तर पर एक रज़ाई देखी। इस पैटर्न की कढ़ाई और सटीकता से प्रभावित होकर, उन्होंने महिलाओं से बात करना शुरू किया और उनके साथ सौदा किया। अब, वे तैयार रज़ाई एक निश्चित कीमत पर खरीदती हैं और उन्हें अपने ई-स्टोर स्टूडियो सक्षम पर बेचती हैं, जो उनके एनजीओ के ज़रिए से स्थानीय हस्तशिल्प को बढ़ावा देता है। नागी ने कहा, 'इन रज़ाईयों पर धागे का काम, डिज़ाइन और कढ़ाई भारतीय डिज़ाइन और काम से बिल्कुल अलग है, जो एक अनूठी संस्कृति को दर्शाता है। यह अलग है, जो कुछ ऐसा है जिसे लोग काफी पसंद कर रहे हैं।' हालांकि, उनके बढ़ते आत्मविश्वास के बावजूद, महिलाओं का कहना है कि उनके काम को कम आंका जाता है। इन रज़ाइयों के लिए इस्तेमाल होने वाले धागे अभी भी पाकिस्तान से आते हैं।

पाकिस्तान में अल्पसंख्यक होने के कारण, ठाकुरों को ज़मीन खरीदने, कारोबार शुरू करने या अपने धर्म का स्वतंत्र रूप से पालन करने से रोक दिया गया था। धानी के रज़ाई बनाने के काम ने उन्हें दिखाया है कि भारत में ऐसे मौके हैं, जिनका वो लाभ उठा सकती हैं। आज, 300 से अधिक हिंदू परिवार दिल्ली के आदर्श नगर शरणार्थी कैंप में रहते हैं, जिन्होंने पाकिस्तान में उत्पीड़न और जबरन धर्मांतरण वाली ज़िंदगी को पीछे छोड़ दिया है। ठाकुरों ने आज़ादी, सुरक्षा और अपना घर ढूंढने के लिए 2018 में सिंध छोड़ दिया। उनमें से किसी को भी पाकिस्तान में पीछे छोड़ी गई ज़िंदगी की याद नहीं आती।

गुलाल ने कहा, 'मुश्किलें, डर और मौकों की कमी थी।' इस बीच धानी की भाभी माली ने कहा, 'हम पाकिस्तान से अपना हुनर अपने साथ लाए हैं, लेकिन कोई पुरानी यादें नहीं हैं।'

आदर्श नगर में आधार कार्ड सबसे कीमती चीज़ है। इसके बिना, स्कूल में एडमिशन जैसी बुनियादी चीज़ भी पहुंच से बाहर है। धानी की बड़ी बेटी नंदिनी अब 15 साल की हैं, वे 2021 में अपना आधार कार्ड मिलने के बाद ही आदर्श नगर के मजलिस पार्क में सरकारी गर्ल्स सेकेंडरी स्कूल में दाखिला ले पाई। नंदिनी आखिरी बेंच पर अलग बैठती है, जब कोई उनसे आंख मिलाने की कोशिश करता है तो वे अपना सिर नीचे कर लेती हैं। हालांकि, वे छठी क्लास से स्कूल जा रही है, फिर भी वे 'पाकिस्तानी लड़की' हैं।

धानी की छोटी बेटी, 13-वर्षीय एश्वरिया, उसी स्कूल में पढ़ती हैं। वे बताती है कि कैसे स्टूडेंट्स हमेशा उनसे पूछते थे कि वो कहां से आई है और क्यों और 'पाकिस्तान' सुनने के बाद, वो दूरी बना लेते थे। ज़्यादातर हिंदू शरणार्थियों की तरह, वो सिंधी और उर्दू में पारंगत थी, लेकिन हिंदी में नहीं। लेकिन अब, वो धाराप्रवाह हिंदी बोलती हैं। 24-वर्षीय माली ने अपने दुपट्टे को सिर पर ठीक करते हुए कहा, 'जब भी हम बाहर जाते हैं, हम साड़ी पहनते हैं।' शरणार्थी कैंप को भाजपा पार्टी के झंडों से सजाया गया है और निवासी भारत में उन्हें भविष्य देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नागरिकता संशोधन अधिनियम के आभारी हैं।

(दि प्रिंट हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

राष्ट्रपति भवन में कतर के अमीर का जबर्दस्त स्वागत

● गार्ड ऑफ ऑनर मिला, राष्ट्रपति के साथ पीएम रहे मौजूद ● हैदराबाद हाउस में प्रधानमंत्री मोदी से की द्विपक्षीय बातचीत

नई दिल्ली (एजेंसी)। कतर के अमीर तमीम बिन हमाद अल-थानी का मंगलवार को राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और पीएम मोदी ने स्वागत किया। इस दौरान उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। कतर अमीर ने सरकार के वरिष्ठ मंत्रियों से भी मुलाकात की। अमीर अल-थानी और पीएम मोदी के बीच हैदराबाद हाउस में बैठक हुई। केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी, पीयूष गोयल, निर्मला सीतारमण, मनसुख मंडाविया और पीके मिश्रा इस बैठक का हिस्सा थे। दोनों पक्षों ने व्यापार, प्रौद्योगिकी और निवेश में कई समझौता ज्ञापनों का भी आदान-प्रदान किया। अमीर अल-थानी कल रात यानी 17 फरवरी को भारत पहुंचे थे। खुद पीएम मोदी प्रोटोकॉल तोड़कर उन्हें रिसीव करने दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पहुंचे थे। इस दौरान विदेश मंत्री एस जयशंकर भी मौजूद थे। कतर के अमीर 17 फरवरी को दो दिन की भारत यात्रा पर पहुंचे हैं। यह अमीर की कतर की दूसरी भारत यात्रा है। इससे पहले वे मार्च 2015 में भारत आए थे। कतर अमीर अल-थानी की इस यात्रा का मकसद द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करना है। साल 2024 के अंत में विदेश मंत्री एस जयशंकर कतर पहुंचे थे। यहां उन्होंने कतर के प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री मोहम्मद बिन अब्दुल रहमान अल थानी से मुलाकात की थी। यह एक साल में उनकी चौथी कतर यात्रा थी। भारत और कतर के बीच सोमवार को दिल्ली में 2 समझौता ज्ञापन पर साइन हुए।

कतर में 15 हजार भारतीय कंपनियां

कतर चैंबर ऑफ कॉमर्स के मुताबिक कतर में 15 हजार के करीब भारतीय कंपनियां काम कर रही हैं। इनमें लार्सन एंड टुब्रो, टीसीएस और महिंद्रा जैसे बड़ी कंपनियां शामिल हैं। कतर में लगभग 8 लाख 35 हजार भारतीय नागरिक हैं, जो मेडिकल, इंजीनियरिंग, एजुकेशन, फाइनेंस और लेबर जैसे अलग-अलग क्षेत्रों में योगदान दे रहे हैं। साल 2022 में भारत-कतर बीच तनाव पैदा हो गया था।

महाकुंभ में कम नहीं हो रहा श्रद्धालुओं का 'रेला'

● रोड पर गाड़ियां तो संगम में लगा नावों का जमघट
● जेटी ओवरलोड हुई तो पुलिस ने कर दी बेरिकेडिंग

प्रयागराज (एजेंसी)। महाकुंभ में अब सिर्फ 8 दिन बचे हैं, लेकिन श्रद्धालुओं की भीड़ कम नहीं हो रही है। एक ओर सड़कों पर गाड़ियां रेंग रही हैं तो दूसरी ओर संगम में नावों का जाम लग गया। शाम 4 बजे तक 99 लाख श्रद्धालुओं ने स्नान किया। 37 दिनों में 55.31 करोड़ श्रद्धालु स्नान कर चुके हैं। संगम आने वाले रास्तों पर लंबा जाम लगा है। पुलिस डायवर्जन के लिए टीन शेड लगा रही है। अरैल घाट पर वीआईपी जेटी में मानक (40) से ज्यादा लोग चढ़ गए हैं। ये सभी वीआईपी कोटे से दाखिल हुए थे। पुलिस ने कुछ लोगों को उतारा। बेरिकेडिंग कर भीड़ को जेटी की ओर आने से रोका। वहीं, महाकुंभ आ रही एक कार में आग लग गई। घटना बैरहना मुहल्ले की है। कार काफी जल गई। अभिनेत्री जूही चावला ने भी संगम में स्नान किया और कहा कि मेरी जिंदगी की सबसे अच्छी सुबह थी। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी संगम में डुबकी लगाने पहुंचे। अरैल घाट पर मधुमक्खी का छत्ता टूट गया। इससे घाट पर स्नान कर रहे श्रद्धालु बचते हुए संगम से बाहर निकलते नजर आए। पुलिस बाहर से आने वाली गाड़ियों को शहर में एंट्री से पहले ही रोक रही है। वहां से शटल बस और ई-रिक्शा चल रहे हैं, लेकिन भीड़ ज्यादा होने के चलते श्रद्धालुओं को संगम तक पहुंचने के लिए पैदल चलना पड़ रहा है।

जीआईएस में पीएम मोदी लॉच करेंगे प्रदेश की विभिन्न औद्योगिक नीतियां : सीएम

अफसरों ने दी तैयारियों की प्रोग्रेस रिपोर्ट; कमेटी मेंबर्स को जिम्मेदारियां सौंपी

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंगलवार को समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में 24 एवं 25 फरवरी को भोपाल के इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय परिसर में होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2025 के सुव्यवस्थित बेहतर आयोजन के लिए गठित शीर्ष समिति की बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 24 फरवरी को सुबह करीब 10 बजे दो दिवसीय जीआईएस का शुभारंभ कर मध्यप्रदेश की सभी नवीनतम औद्योगिक नीतियों की लॉन्चिंग भी करेंगे। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री श्री मोदी जीआईएस परिसर में स्थापित किये जाने वाले एमपी एक्सपीरियंस जोन का अवलोकन भी करेंगे। इस जोन में इमर्सिव डिजिटल वॉक-थ्रू के रूप में मध्यप्रदेश की विरासत, अब तक की प्रगति और भावी आकांक्षाओं का समन्वित संयोजन एवं प्रदर्शन किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जीआईएस को भव्य, सुव्यवस्थित और परिणामदायी बनाने के लिए सभी विभाग बेहतर समन्वय एवं सामंजस्य से कार्य करें।

आयोजन को बनाएं ऐतिहासिक

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निर्देशित किया कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट मध्यप्रदेश की अर्थव्यवस्था को मजबूती देने और देश-विदेश के निवेशकों को आकर्षित करने के उद्देश्य से की जा रही है। इसीलिए आयोजन को ऐतिहासिक बनाने के लिए सभी तैयारियां व्यापक स्तर पर की जायें। जीआईएस के आयोजन में प्रबंधन संबंधी कोई भी कमी न रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट की तैयारियों की विस्तार से समीक्षा की और अधिकारियों को निर्देश दिए कि निवेशकों को सहज आकर्षित करने के लिए राज्य की सभी निवेशक हितैषी औद्योगिक नीतियों, म.प्र. में उद्योगों के लिए उपलब्ध व्यापक अधोसंरचनाओं और संभावनाओं को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया जाए।

देश-विदेश से आने वाले निवेशक हमारे विशेष अतिथि

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जीआईएस में देश-विदेश से भोपाल आने वाले निवेशक हमारे विशेष अतिथि हैं, इसलिए उनका स्वागत व अभिनंदन विशुद्ध भारतीय आतिथ्य परम्परा से किया जाए। इन दो दिनों को स्मरणीय बनाने के लिए मध्यप्रदेश की संस्कृति, यहां की सत्कार परम्परा, विभिन्न कला उत्पादों सहित यहां के ख़ान-पान, व्यंजन आदि का विशेष रूप से प्रदर्शन किया जाए, जिससे निवेशक दो दिन मध्यप्रदेश में रहने के शानदार अनुभव लेकर जाएं। मुख्यमंत्री ने भोपाल के तालाबों एवं पूरे शहर का आकर्षक सौंदर्यीकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बड़ी झील में पाल-नौकायन और ई-बैटरी से चलित नौकाओं का संचालन किया जाए, जिससे निवेशक और दूसरे प्रतिभागी भोपाल के अनुपम प्राकृतिक सौंदर्य का लुत्फ ले सकें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अधिकारियों से कहा कि इस समिट से प्रदेश में औद्योगिक विकास को नया आयाम मिलेगा और रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। उन्होंने निवेशकों को बेहतर सुविधाएं देने और सुगम प्रक्रियाओं को लागू करने के लिए विशेष प्रयास करने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि जीआईएस में 60 से अधिक देश के प्रतिभागी शामिल होंगे। इसमें जिम्बाब्वे के उप मंत्री सहित 10 देशों के राजदूत, 8 देशों के उच्चायुक्त, 7 देशों के काउंसलेट जनरल सहित कुल 133 विदेशी प्रतिभागी शामिल होंगे। जीआईएस में देश के प्रमुख उद्योगपतियों सहित भारत की अग्रणी कंपनियों को 300 से अधिक अध्यक्ष, एमडी और सीईओ भी प्रतिभागी के रूप में शामिल होंगे।

दिल्ली सरकार का शपथ ग्रहण कल, समय बदला

अब रामलीला मैदान में सुबह 11 बजे होगा समारोह, आज विधायक दल की बैठक में चुना जाएगा सीएम

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा चुनाव रिजल्ट के 12 दिन बाद 20 फरवरी को नए मुख्यमंत्री रामलीला मैदान में शपथ लेंगे। सूत्रों के मुताबिक शपथ ग्रहण समारोह के समय में बदलाव हुआ है। शपथ समारोह 4.30 बजे की जगह अब 11 बजे होगा। हालांकि, भाजपा ने अब तक सीएम फेस तय नहीं किया है। पार्टी विधायक दल की बैठक 19 फरवरी को 3.30 बजे बुलाई गई है, जिसमें सीएम की घोषणा होगी। भाजपा सूत्रों के मुताबिक शपथ ग्रहण कार्यक्रम दिल्ली के रामलीला मैदान में होगा। इसमें प्रधानमंत्री मोदी, केंद्रीय मंत्री, भाजपा और एनडीए शासित 20 राज्यों के मुख्यमंत्री और डिप्टी सीएम शामिल होंगे। इसके अलावा उद्योगपति, फिल्म स्टार, क्रिकेट खिलाड़ी, साधु-संत और राजनयिक भी आएंगे। भाजपा सूत्रों के मुताबिक, दिल्ली के 12 से 16 हजार लोगों को भी बुलाने की तैयारी की गई है। कार्यक्रम की व्यवस्था की देखरेख के लिए भाजपा महासचिव विनोद तावड़े और तरुण चुघ को प्रभारी बनाया गया है।

'मृत्यु कुंभ' में बदल गया है प्रयागराज महाकुंभ : ममता

कोलकाता (एजेंसी)। प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा, यह महाकुंभ मृत्यु कुंभ में बदल गया है। मैं महाकुंभ का और पवित्र गंगा मां का सम्मान करती हूं। उन्होंने कहा कि महाकुंभ के लिए कोई प्लानिंग नहीं की गई है।

भगदड़ में कई लोग मारे गए लेकिन कितने उनके बारे में कुंछ पता नहीं चल रहा है। कई लोग मिले ही नहीं। ममता ने कहा- महाकुंभ में अमीरों और वीआईपी लोगों के लिए 1 लाख रुपए तक के टेंट मौजूद हैं। गरीबों के लिए कोई व्यवस्था नहीं है। मेले में भगदड़ की स्थिति आम है, लेकिन व्यवस्था करना जरूरी है। आपने (यूपी सरकार) क्या योजना बनाई है। ममता ने यह बयान विधानसभा में बजट सत्र के दौरान दिया।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 22°c न्यूनतम 16°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ बुधवार, 19 फरवरी 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है, हमें नष्ट भी कर सकती है; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

एमपी और राजस्थान में एक्सीडेंट, 10 की मौत

● डंपर ने लोडिंग वाहन को टक्कर मारी, 5 की गई जान ● महाकुंभ से लौट रही कार ट्रेलर में जा घुसी, 5 की मौत

भिंड (एजेंसी)। भिंड के जवाहरपुरा गांव के पास तेज रफ्तार डंपर ने सड़क किनारे खड़े लोडिंग वाहन को टक्कर मार दी। हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई। 20 घायल हैं। लोडिंग वाहन को टक्कर मारने के बाद डंपर ने बाइक को भी चपेट में ले लिया। एक्सीडेंट नेशनल हाईवे क्रमांक 719 पर मंगलवार सुबह करीब 5 बजे हुआ। हादसे के शिकार सभी लोग जवाहरपुरा गांव में शादी से अपने गांव भवानीपुरा लौट रहे थे। सभी आपस में रिश्तेदार हैं। डंपर ड्राइवर मौके से भाग निकला। हादसे के बाद ग्रामीणों ने जाम लगा दिया। हाईवे को सिक्सलेन बनाने की मांग करते हुए कलेक्टर, एसपी और सांसद समेत अन्य जनप्रतिनिधियों के खिलाफ नारेबाजी

की। मौके पर मौजूद पुलिस अधिकारियों ने उन्हें समझाने की कोशिश की लेकिन वे नहीं माने। उधर दौसा राजस्थान में हुए भीषण सड़क हादसे में पति-पत्नी समेत 5 लोगों की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार महाकुंभ से लौट रहे यात्रियों की कार सड़क किनारे खड़े ट्रेलर में पीछे से टकरा गई। हादसा मंगलवार सुबह करीब 11 बजे दौसा शहर के बाइपास पर हुआ। कार में 6 लोग सवार थे। गाड़ी में फंसे 5 शवों को निकालने में करीब एक घंटे का समय लगा। तीन घायलों को जिला हॉस्पिटल में एडमिट कराया गया। गाड़ी के कुछ हिस्से तोड़कर घायलों को निकाला गया। कार सवार 5 लोग टोंक के देवली के रहने वाले थे।

सऊदी में यूक्रेन युद्ध विराम के लिए शुरू हुई बातचीत

रियाद (एजेंसी)। अमेरिका और रूस के अधिकारियों ने सऊदी अरब में यूक्रेन युद्ध मुद्दे पर बैठक की है। रियाद में मंगलवार को हुई इस बैठक में रूस की तरफ से विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव और राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के विदेश

नीति सलाहकार यूरी उशाकोव शामिल हुए। अमेरिका की ओर से विदेश मंत्री मार्को रुबियो,राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार माइक वाल्ट्ज और पश्चिम एशिया के लिए डोनाल्ड ट्रंप के विशेष दूत स्टीव विट्कॉफ बैठक में मौजूद रहे। यूक्रेन को इस बैठक में नहीं बुलाया गया है, जिस पर यूरोप की ओर से फिक्र जाहिर की गई है।

अयोध्या राम मंदिर पर उड़ रहे ड्रोन को मार गिराया

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या में राम मंदिर परिसर में भीड़ के बीच उड़ रहे ड्रोन को मार गिराया है। सोमवार शाम गेट नंबर-3 पर ड्रोन उड़ता हुआ पहुंच गया था। उस वक्त रामलला के दर्शन के लिए जबरदस्त भीड़ थी। सूत्रों के मुताबिक, एंटी-ड्रोन सिस्टम ने ड्रोन को मार गिराया। इसके बाद सुरक्षा कर्मी अलर्ट हो गए। बम स्क्वॉड टीम को बुलाया गया। ड्रोन की जांच की गई। ड्रोन कैमरा उड़ाने वाले की तलाश की जा रही है। अयोध्या पुलिस को शक है कि यह भगदड़ मचाने की साजिश हो सकती है, क्योंकि राम मंदिर क्षेत्र में ड्रोन उड़ाना प्रतिबंधित है।

बीजेपी-शिवसेना में बढ़ती जा रही दूरी!

सुरक्षा में कटौती किए जाने से नाखुश हैं शिंदे के विधायक

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में हमेशा राजनीतिक हलचल मची रहती है। नवंबर महीने में महाराष्ट्र में महायुति गठबंधन की

प्रचंड बहुमत के साथ सरकार बनी। उसके बाद देवेंद्र फडणवीस को राज्य का मुख्यमंत्री बनाया गया। बताया जा रहा है कि इससे पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे नाराज हैं। गठबंधन में शिवसेना शामिल है। इस बीच एक बार फिर से बड़ी खबर आई है। शिवसेना के करीब 25 मौजूदा और पूर्व विधायकों की सिक्योरिटी में कटौती करने का फैसला महाराष्ट्र पुलिस ने किया है। इसको लेकर शिवसेना नेताओं ने नाराजगी जाहिर की है।

सत्येंद्र जैन पर चलेगा मनी लॉन्ड्रिंग का केस

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में एएपी नेता सत्येंद्र जैन के खिलाफ केस चलाने की परमीशन दे दी है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने 14 फरवरी को राष्ट्रपति से इस मामले में मंजूरी मांगी थी। दिल्ली के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री जैन के खिलाफ पीएमएलए की धारा 218 के तहत केस चलेगा। राष्ट्रपति से मंजूरी मिलने के बाद प्रवर्तन निदेशालय जल्द ही जैन की गिरफ्तारी कर सकती है। मंत्रालय ने ईडी की जांच और पर्याप्त सबूत होने के आधार पर यह अनुरोध किया था।

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में मंत्री परिषद की बैठक

जीआईएस से पहले कैबिनेट मीटिंग में सात और पॉलिसी को मंजूरी

भोपाल (नप्र)। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के पहले मोहन कैबिनेट की बैठक में मंगलवार को 7 पॉलिसीज को मंजूरी दी गई। जिन नीतियों को मंजूरी दी गई उसमें इंटीग्रेटेड टाउनशिप पॉलिसी के अलावा एमएसएमई, ईवी, स्टार्टअप, विमानन, नवीकरणीय ऊर्जा और अविकसित भूमि आवंटन नीति शामिल हैं। मॉडल इलेक्ट्रिक व्हीकल सिटी के रूप में पांच शहरों भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, उज्जैन को डेवलप किया जाएगा।

स्टार्ट अप के लिए मेगा इन्क्यूबेशन सेंटर खोले जाएंगे। एमएसएमई योजना में 40 प्रतिशत छूट और अनुदान दिया जाएगा। राज्य सरकार नई विमानन नीति के तहत हर 150 किमी पर एक एयरपोर्ट विकसित किया करेगी। वहीं राजधानी स्थित होटल अशोका लेक व्यू को पीपीपी मोड पर दिया जाएगा।

शाम 5 बजे से मंत्रालय में हुई बैठक में मुख्य फोकस ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के अंतर्गत मंजूर की जाने वाली नई पॉलिसीज पर रहा। इससे पहले पिछले मंगलवार को हुई कैबिनेट की बैठक में 7 नीतियों और 10 उप नीतियों को मंजूरी दी जा चुकी है। सभी नीतियां और उप नीतियां 24 -25 फरवरी को होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में निवेशकों को आकर्षित करने के लिए रखी जाएंगी। नगरीय विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कैबिनेट के फैसलों की जानकारी दी। इसके पहले मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने 82 पदक जीतने पर कैबिनेट के साथियों के साथ एमपी के खिलाड़ियों को बधाई दी है।

एमएसएमई के विकास संबंधित नीति को मंजूरी- एमएसएमई के विकास संबंधित नीति को मंजूरी दी गई है। एमएसएमई इंडस्ट्री में प्रदूषण कम होता है और रोजगार भी मिलता है। वर्ष 2047 को ध्यान में रखते हुए एमएसएमई की पालिसी बनाई गई है। संतुलित औद्योगिक विकास के लिए जो नीति तैयार की गई है उसमें पिछड़े क्षेत्रों में फोकस किया गया है। निजी क्षेत्रों के माध्यम से क्लस्टर बनाना, निवेश संवर्धन सहायता, निवेश पर 40 प्रतिशत तक सहायता दी जाएगी।

- दस करोड़ तक निवेश करने वाले अजा, जजा और महिला उद्यमियों को 48 प्रतिशत तक मदद का फैसला किया गया है।
- दस करोड़ से अधिक का निवेश करने वाले को 1.3 गुना प्रोत्साहन अनुदान दिया जाएगा।
- दस करोड़ के अधिक निवेश पर और 100 से अधिक लोगों को रोजगार देने पर 1.5 करोड़ का अनुदान दिया जाएगा।
- कौशल प्रशिक्षण के लिए एमएसएमई में काम करने वाले युवाओं के लिए 13 हजार रुपए प्रति वर्ष पांच साल तक देने का फैसला किया गया है। इसमें विशेष पैकेज भी रखे गए हैं। इसमें चिकित्सा उपकरण, फार्मास्युटिकल लैब समेत अन्य कार्यों के लिए सहायता की बात कही है।
- फूड प्रोसेसिंग के लिए निवेश प्रोत्साहन 1.5 करोड़ अनुदान देंगे। बिजली के टैरिफ में भी राहत देंगे और एक रुपए प्रति यूनिट पांच साल तक देंगे।
- परिधान, टेक्सटाइल, लाजिस्टिक समेत अन्य कई उप नीतियों को भी एमएसएमई नीति में मंजूरी दी गई है। रिसर्च और पेटेंट के लिए भी सहयोग सरकार करेगी।

स्टार्ट अप के लिए मेगा इन्क्यूबेशन सेंटर खोलेंगे- कैबिनेट में स्टार्ट अप नीति को भी मंजूरी दी गई है। मेगा इन्क्यूबेशन सेंटर खोले जाएंगे। अभी 5 हजार स्टार्ट अप हैं। इसे आने वाले समय में दस हजार स्टार्ट अप तक ले जाने का काम किया जाएगा। इसके लिए इन्क्यूबेशन सेंटर की स्थापना की जाएगी। प्राप्त निवेश पर ऋण सहायता दी जाएगी। बाजार तक पहुंच, ऋण सहायता, हैक थान, रोजगार सृजन सहायता, कौशल सहायता, संस्थागत सहायता, नवाचार और प्रोत्साहन योजना, अधोसंरचना सहयोग, लीज रेंट में सहायता कर ऋण देने का काम किया जाएगा। स्टार्ट अप सलाहकार परिषद की स्थापना की जाएगी।

इंटीग्रेटेड टाउनशिप नीति 2025- अभी तक टाउनशिप काटने का काम बिल्डर, कॉलोनाइजर करते हैं। इस पालिसी में समूह यह काम कर सकता है। किसान अगर मिलकर एक एकड़ में टाउनशिप बनाना चाहते हैं तो सरकार इसमें सहयोग करेगी। इसके जरिए इन्वेस्टमेंट लाने और नियोजित विकास को बढ़ावा देंगे। किफायती आवास बनाने वालों को अलग से सब्सिडी देंगे।

एमपी इलेक्ट्रिक वाहन नीति को मंजूरी

वाहनों के चार्जिंग स्टेशन बनाने सब्सिडी दी जाएगी। पेट्रोल पम्प पर ही चार्जिंग स्टेशन बनाने की अनुमति दी जाएगी। दो साल के भीतर प्रदेश के सभी सरकारी वाहन को ईवी में कन्वर्ट किया जाएगा। इस अवधि में 80 फीसदी वाहन ईवी में बदले जाएंगे। मॉडल इलेक्ट्रिक व्हीकल सिटी के रूप में पांच शहरों भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, उज्जैन को डेवलप किया जाएगा। यहां ज्यादा से ज्यादा इलेक्ट्रिक वाहन संचालन पर जोर दिया जाएगा। इसके लिए छूट देंगे।

विमानन नीति; हर 150 किमी पर एक एयरपोर्ट विकसित किया जाएगा

पर्यटन को आकर्षित करने और धार्मिक पर्यटन को बढ़ाने के लिए नगर विमानन नीति बनाई गई है। हर 150 किमी पर एक एयरपोर्ट विकसित किया जाएगा। 45 किमी दूरी पर एक हेलीपैड भी बनाया जाएगा।

नवीकरणीय ऊर्जा में बायो फ्यूल को जोड़ेंगे

प्रदेश के बाहर बिजली बेचने पर 10 प्रतिशत हरित ऊर्जा टैक्स लगता था। इस ऊर्जा टैक्स को खत्म करने का फैसला किया गया है। विद्युत परियोजनाओं को बायो फ्यूल से जोड़ने पर भी विचार किया जा रहा है। नवीकरणीय ऊर्जा में बायो फ्यूल को जोड़ने का काम किया जाएगा।

अविकसित भूमि आवंटन नीति

एमएसएमई को बढ़ावा देने के लिए अविकसित भूमि आवंटन नीति भी मंजूर की गई है। पात्र, मध्यम और विशेष परिस्थिति में यह आवंटन किया जाएगा। औद्योगिक क्षेत्र का संधारण उद्योग संगठन करना चाहेंगे तो सरकार उन्हें इसे देगी और आवश्यक मार्गदर्शन और सहायता सरकार देगी।

पीपीपी मोड पर दिया जाएगा होटल अशोका लेक व्यू

भोपाल के लेक व्यू अशोका होटल को जन निजी भागीदारी के आधार पर देने का निर्णय लिया गया है। पीपीपी मोड पर दिए जाने के बाद सरकार को इससे दस करोड़ रुपए हर साल फायदा होगा। यहां काम के लिए कुछ शर्तें भी तय की गई हैं।

भारत और अमेरिका के बीच कुछ बड़ा होने वाला है!

बस, 6 से 8 महीनों की बात है, पीयूष गोयल ने दिए संकेत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और अमेरिका के बीच अगले 6 से 8 महीने में कुछ बड़ा होने वाला है। यह संकेत कॉमर्स और इंडस्ट्री मिनिस्टर पीयूष गोयल ने दिए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हाल ही में अमेरिकी दौरे से लौटे हैं। भारत और अमेरिका के बीच कई मुद्दों पर सहमति बनी है। आने वाले दिनों में कुछ पर और बन सकती है। पीयूष गोयल ने बताया कि भारत और अमेरिका जल्द ही व्यापार के मामले में बड़ा कदम उठाने वाले हैं। पीयूष गोयल ने संकेत दिए कि 6 से 8 महीने में यह नया व्यापारिक समझौता हो सकता है। इसके लिए दोनों देश बातचीत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। दोनों देशों का लक्ष्य द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ाकर 500 बिलियन डॉलर तक पहुंचाना है। मतलब, दोनों देशों के बीच व्यापार को दोगुने से भी ज्यादा

करना है। पीएम मोदी के हाल ही में अमेरिकी दौरे के दौरान भारत और अमेरिका ने साल 2030 तक अपने द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना से भी अधिक करने की घोषणा की थी। यह एक बड़ा लक्ष्य है जिससे दोनों देशों को फायदा होगा। दोनों देशों ने जल्द ही एक पारस्परिक रूप से लाभकारी, बहुक्षेत्रीय द्विपक्षीय व्यापार समझौते के शुरुआती चरण पर बातचीत शुरू करने पर भी सहमति व्यक्त की। इस समझौते से कई क्षेत्रों में व्यापार को बढ़ावा मिलेगा। गोयल ने कहा कि समझौते के बारे में बातचीत उनके अमेरिकी समकक्ष के कार्यभार संभालने के बाद शुरू होगी।

उन्होंने कहा कि दोनों देशों के व्यवसायी इस आगामी समझौते को लेकर उत्साहित हैं। इससे नए रोजगार और व्यापार के नए अवसर पैदा होंगे। हालांकि अभी यह तय नहीं है कि समझौते में क्या-क्या शामिल होगा। साल 2021 से 2024 तक अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार रहा है।

यूपी की जीडीपी में 3.50 लाख करोड़ रुपए जोड़ेगा महाकुंभ

● हिट हो गया सीएम योगी का स्प्रिचुअल टूरिज्म वाला फंडा

लखनऊ (एजेंसी)। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि स्नानार्थियों की संख्या 60 करोड़ तक पहुंचती है तो अनुमान है कि यूपी की जीडीपी में 3.15 से 3.50 लाख करोड रुपये की अतिरिक्त बढ़ोतरी होगी। महाकुंभ का विरोध करने वालों से हमारी इकॉनमिक्स बेहतर है। अगर केंद्र-राज्य की तरफ से मिलकर 7500 करोड़ रुपये खर्च करके

अर्थव्यवस्था में तीन से साढ़े तीन लाख करोड़ की अतिरिक्त वृद्धि हो सकती है तो कौन सा सौदा सही है। अपनी संस्कृति और परंपराओं को सम्मान देकर किस तरह देश की एकता और आर्थिकी को प्रोत्साहित किया जा सकता है, यह महाकुंभ के अवसर पर सहज ही अनुभव किया जा सकता है। योगी सोमवार को अपने सरकारी आवास पर महाराष्ट्र से आए युवा उद्यमियों से संवाद कर रहे थे। युवा भारत संस्था के तत्वावधान में मुंबई के औद्योगिक घरानों से जुड़े उद्यमी संवाद में शामिल हुए।

● 14 करोड़ लगाने वाले ने 21 दिन में मुनाफा कमा लिया- योगी ने महाकुंभ के आर्थिक पक्ष से जुड़ा एक किस्सा साझा करते हुए कहा कि आस्था को सम्मान देने के साथ इसका इकॉनमिक आस्पेक्ट भी अहम है। एक निवेशक प्रयागराज में निवेश करना चाहते थे। उन्होंने बताया कि आस्था के अनुरूप द्वादश ज्योतिर्लिंग की रिप्लिका बनाएंगे। उनसे कहा गया कि रॉ मटीरियल (पुराना लोहा, फाइबर, टायर, स्टील) का इस्तेमाल करते हुए इसे बनाओ। उन्होंने कहा कि पैसा मैं लगाऊंगा, प्रॉफिट 50-50 होगा। इसके लिए नगर निगम ने 11 एकड़ लैंड भी दिया।

रमजान में 4 बजे ही मुस्लिम कर्मचारियों को मिलेगी छुट्टी

तेलंगाना सरकार के आदेश से बीजेपी आगबबूला

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना की रेवंत रेड्डी सरकार ने रोजेदारों को रमज़ान के महीने में बड़ा तोहफा दिया है। कांग्रेस सरकार ने रमजान के दौरान मुस्लिम कर्मचारियों के काम के घंटे कम करने का ऐलान किया है। इसके बाद से तेलंगाना की राजनीति पारा अचानक गरम भी हो

गया है। इस फैसले पर बीजेपी ने तीखी प्रतिक्रिया दी है और इसे कांग्रेस का तुष्टिकरण करार दिया है। बीजेपी ने सवाल उठाते हुए कहा है कि नवरात्रि के व्रत के दौरान हिंदुओं को ऐसी कोई छूट नहीं दी जाती है। इस बीच, तेलंगाना का अल्पसंख्यक कल्याण विभाग रमजान के पवित्र महीने के लिए ऐतिहासिक मक्का मस्जिद और शाही मस्जिद में व्यापक इंतजाम कर रहा है।

म्यांमार के गृह युद्ध ने बढ़ाई भारत की चिंता

चीन का डबल गेम, अमेरिकी प्लान और बांग्लादेश कर रहे 'खेला'

नेपीडा (एजेंसी)। म्यांमार बीते चार साल से गृहयुद्ध से जूझ रहा है। म्यांमार में जुंटा कहने वाले सैन्य शासक और विद्रोही गुट आमने-सामने हैं। म्यांमार में चुनावों में धांधली का आरोप लगाकर सेना ने आंग सान सू की सरकार का तख्तापलट किया था। जनरल मिन आंग ह्लाइंग के नेतृत्व में हुए इस तख्तापलट के बाद बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन और सशस्त्र प्रतिरोध शुरू हो गया, जो एक भीषण गृहयुद्ध में बदल गया। जुंटा को हालिया दिनों में पीपुल्स डिफेंस फोर्सेज, अराकान आर्मी, कचिन इंडिपेंडेंस आर्मी और करेन नेशनल यूनियन के विद्रोही लड़ाकों के खिलाफ लड़ाई में म्यांमार पर अपनी पकड़ खोनी पड़ी है। इस सब में भारत समेत पड़ोसी देशों की नजर म्यांमार पर है। भारत के सामने खासतौर से चुनौती है

क्योंकि चीन म्यांमार में दोहरा खेल खेल रहा है तो अमेरिका भी नियंत्रण बढ़ाना चाहता है। एक अन्य पड़ोसी बांग्लादेश भी म्यांमार में भूमिका रखता है। इस सबमें भारत को अपने हितों को बचाना है। भारत म्यांमार और बांग्लादेश की स्थिति को लेकर चिंतित है लेकिन भारत सीधे सैन्य हस्तक्षेप से बचना चाहता है। भारत अमेरिका, सऊदी अरब और यूएई जैसे देशों के साथ मिलकर काम कर रहा है। भारत बांग्लादेश को फिर से धर्मनिरपेक्ष बनाने के लिए दबाव बना रहा है।

सिविल अस्पताल गोविंदपुरा-हथाईखेड़ा के सुदृढ़ीकरण की आवश्यक व्यवस्थाएँ शीघ्र करें पूर्ण : उप मुख्यमंत्री

शुक्ल से राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती गौर ने की सौजन्य भेंट

भोपाल (नप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने निर्देश दिए हैं कि सिविल अस्पताल गोविंदपुरा (हथाईखेड़ा) के लिये सभी आवश्यक नियुक्तियाँ एवं संसाधनों की व्यवस्था प्राथमिकता के आधार पर पूरी की जाए जिससे अस्पताल जल्द से जल्द पूर्ण रूप से कार्यरत हो सके। उन्होंने अस्पताल का पूर्व मुख्यमंत्री स्व. बाबूलाल गौर के नाम से पुनर्नामकरण किये जाने की औपचारिक प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण करने के भी निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार और सुदृढ़ीकरण के लिए संकल्पबद्ध है और इस दिशा में सभी आवश्यक कदम शीघ्र उठाए जाएंगे। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल से पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री

(स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने मंत्रालय, भोपाल में सौजन्य भेंट की। उन्होंने सिविल अस्पताल गोविंदपुरा (हथाईखेड़ा) की स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के विषय पर विस्तृत चर्चा की।

राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने सिविल अस्पताल (हथाईखेड़ा) में स्पेशलिस्ट डॉक्टर, मेडिकल ऑफिसर और नर्सिंग ऑफिसर्स के स्वीकृत पदों पर शीघ्र नियुक्ति का अनुरोध किया। उन्होंने बताया कि इस अस्पताल से लगभग 5 लाख की आबादी को लाभ मिलेगा। प्रमुख सचिव लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा श्री संदीप यादव, आयुक्त श्री तरुण राठी सहित विभागीय वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

सड़क पर फूटा 30 फीट ऊंचा फव्वारा कोलार लाइन से जुड़े इलाकों में असर

भोपाल (नप्र)। भोपाल के कोलार रेस्ट हाउस तिराहे पर मंगलवार को पाइप लाइन फूट गई। इससे पानी का 30 फीट ऊंचा फव्वारा निकलने लगा। पानी के प्रेशर से सड़क आधा घंटा तक तालाब बनी रही। कोलार रेस्ट हाउस तिराहा चार इमली और कोलार इलाके को जोड़ता है, यहां ट्रैफिक का दबाव अधिक रहता है। दोपहर 12 बजे

अचानक पाइप लाइन लीकेज हो गई, करीब आधा घंटा तक पानी बहता रहा। जिससे राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

निगम ने बंद कराई सप्लाई, कई इलाकों में असर पड़ेगा- पाइप लाइन के लीकेज होने के बाद नगर निगम की टीम मौके पर पहुंची और दुरुस्त करने में जुट गई। कोलार लाइन से शहर के आधे हिस्से में पानी की सप्लाई होती है। जब लीकेज हुआ, तब भी सप्लाई हो रही थी। ऐसे में कई इलाकों में पानी की सप्लाई पर असर पड़ सकता है।

अफसर जानकारी देने से बच रहे- कोलार लाइन को करीब 2 साल पहले ही बदला गया है। इसके बाद पहली बार मंगलवार को यह पाइप लाइन फूट गई। इससे जिम्मेदार अफसर भी जानकारी देने से बच रहे हैं, क्योंकि पाइप लाइन के लीकेज होने से कई सवाल भी खड़े हो गए हैं। नगर निगम के अधीक्षण यंत्री उदित गर्ग ने सिर्फ इतना बताया कि साढ़े 3 एमएम की पाइप लाइन लीकेज हुई। बाकी जानकारी देने से बचते रहे।

ग्वालियर-चंबल में हल्की बारिश का अलर्ट

एमपी में फिर बदला मौसम, भोपाल-इंदौर में तेज धूप, मुरैना-भिंड में बूंदाबांदी

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में मौसम फिर से बदल गया है। भोपाल, इंदौर-उज्जैन में सुबह से ही तेज धूप खिली है, जबकि ग्वालियर-चंबल संभाग में कहीं-कहीं हल्की बारिश हो रही है। सुबह भिंड और मुरैना में बौछारें गिरीं। वहीं, दोपहर में ग्वालियर, दतिया, श्योपुर और निवाड़ी जिलों में हल्की बारिश होने का अलर्ट है।

मुरैना में बादलों के बीच सुबह 11.30 बजे हल्की बूंदाबांदी शुरू हो गई। इससे मौसम में ठंडक घुल गई। भिंड में भी बादल छाए रहे। इधर, भोपाल में सुबह से ही तेज धूप खिली हुई है। इस कारण लोग धूप से बचने के जतन कर रहे हैं।

मौसम विभाग के अनुसार, मध्यप्रदेश के ऊपर एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन एक्टिव है। इसका हल्का असर ग्वालियर-चंबल में दिखाई दे रहा है। इससे पहले सोमवार को नर्मदापुरम, खंडवा, मंडला और सिवनी सबसे गर्म रहे।

वहीं, भोपाल-उज्जैन में भी तापमान 31 डिग्री से अधिक रहा ठंड का असर खत्म होते ही भोपाल समेत प्रदेश के कई शहरों में स्कूलों की टाइमिंग बदल गई है। अब स्कूल सुबह 9 बजे की बजाय 7.30 बजे से लग रहे हैं। वहीं, दिन में जल्दी छुट्टी हो रही है।

एमपी के कई शहरों में 2 से 3 डिग्री बढ़ा पारा- मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश के सभी शहरों में पारे में 2 से 3 डिग्री की बढ़ोतरी हुई। बड़े शहरों की बात करें तो भोपाल में 31.8 डिग्री, इंदौर में 30.8 डिग्री, ग्वालियर में 29.6 डिग्री, उज्जैन में 31.5 डिग्री और जबलपुर में 30.4 डिग्री रहा। नर्मदापुरम में सबसे ज्यादा 33.6 डिग्री दर्ज किया गया।

मंडला में 33.5 डिग्री, खंडवा में 33.1 डिग्री और सिवनी में 33 डिग्री रहा। इसी तरह दमोह में 32 डिग्री, रतलाम में 32.2 डिग्री, दमोह में 32.0 डिग्री, सागर-उमरिया में 32.1 डिग्री दर्ज किया गया। रात के तापमान में भी बढ़ोतरी देखने को मिली है। ज्यादातर शहरों में तापमान 12 डिग्री से अधिक ही है।

22 फरवरी तक ऐसा ही मौसम- मौसम वैज्ञानिक रैकवार ने बताया, अगले 4 दिन तक ऐसा ही मौसम रहेगा। 19 फरवरी से एक वेस्टर्न डिस्टरबेंस जरूर एक्टिव हो रहा है। जिसके असर से 22-23 फरवरी से पारे में दो से तीन डिग्री की गिरावट हो सकती है।

मजमा लगाकर धर्म ग्रंथों का मजाक उड़ाते हैं धीरेंद्र शास्त्री

पूर्व मंत्री मुकेश नायक बोले- बागेश्वर धाम को वैदिक ज्ञान नहीं

भोपाल (नप्र)। कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष और पूर्व मंत्री मुकेश नायक ने धीरेंद्र शास्त्री पर निशाना साधा है। उन्होंने धीरेंद्र शास्त्री के हिंदू राष्ट्र और सनातन धर्म को लेकर दिए गए बयानों पर कहा- वो (धीरेंद्र शास्त्री) सनातन की बात कहां करते हैं? सनातन धर्म के बारे में उन्हें कुछ पता है ही नहीं। वे जिस प्रकार की भागवत बोल रहे हैं वह बिल्कुल बचकानी है। जिसको बुंदेलखंडी में कहा जाता है उचक्का।

मजमा लगाकर धर्म ग्रंथों का मजाक उड़ाते हैं- मुकेश नायक ने कहा- ना तो बागेश्वर वाले बाबा को रामचरितमानस का ज्ञान है, ना भागवत का ज्ञान है, ना वैदिक परंपराओं का ज्ञान है। वैदिक वांग्मय में ऋग्वेद, सामवेद, अथर्ववेद, स्थापत्य वेद, धनुर्वेद आयुर्वेद, गंधर्ववेद और उसके साथ शिक्षा, व्याकरण, छंद, न्याय, आरण्यक, ब्रह्मण्य, योग्य, दर्शन, कर्म मीमांसा इतने विषय हैं। क्या उनको इन सबका ज्ञान है? वह चिल्लाते भर हैं सनातन धर्म... सनातन धर्म।

कुंभ में मौतों पर शास्त्री ने कहा मोक्ष मिल गया- मुकेश नायक ने कहा- अभी कुंभ में लोगों की मृत्यु हो गई उसका उपहास कर रहे थे कि इनको मोक्ष मिलेगा। तुम आ जाओ तुम्हारे पिताजी को धकेल कर मोक्ष दे देते हैं। लोगों की सहायता करने के बजाय आप उनका मजाक उड़ा रहे हो। इनको कोई ज्ञान नहीं है। आज के समय में जो धर्म का अंधानुकरण है, ये धर्म के अंधेपन के मूर्त रूप हैं।

कांग्रेस नेता ने कहा- मैं बागेश्वर धाम को चुनौती देता हूं। कि वो मंच लगा लें मैं एक पूर्ण राजनैतिक व्यक्ति नहीं हूं। मौलिक रूप से

आध्यात्मिक व्यक्ति हूं। सनातन धर्म संस्कृति और परंपरा से जुड़ा हुआ हूं। वो मंच लगा लें रामचरित मानस पर, भागवत, गीता पूरे वैदिक वाङ्मय पर जिस पर भी चर्चा करना हो अगर मेरी चर्चा में मेरे प्रश्नों का उन्होंने जवाब दिया तो उसी मंच पर अपना सिर मुंडवाकर मैं राजनीति से संन्यास ले लूंगा। नहीं तो उनको अपना मुंडन करवाना पड़ेगा। राजनीतिक क्षेत्र में जो अध्यात्म की आड़ लेकर बकबक कर रहे हैं, उसको उन्हें छोड़ना पड़ेगा।

बागेश्वर धाम जाने वाले कांग्रेसियों पर कहा-वोटों के चक्कर में जा रहे- कांग्रेस नेताओं के बागेश्वर धाम जाने के सवाल पर मुकेश नायक ने कहा नेता इतना दया का पात्र है, वो जैसे ही देखता है कि किसी व्यक्ति के पास भीड़भाड़ लग रही है, तो उसको लगता है ये हमारे वोट हैं। सच कहने की क्षमता उसकी खत्म हो जाती है। उस भीड़ का वो उपयोग करना चाहता है। इसी धर्मांधता से प्रेरित होकर वो भी उनके पास जा रहे हैं। उनकी भी मैं आलोचना करता हूं।

मुकेश नायक के बयान पर बीजेपी प्रवक्ता नरेन्द्र सलूजा ने ट्वीट कर पलटवार किया है। सलूजा ने नायक का वीडियो बयान शेयर करते हुए एक्स पर लिखा- ये हैं मध्यप्रदेश कांग्रेस के खुद को महाज्ञानी समझने वाले मीडिया प्रभारी। ये किस प्रकार से बागेश्वर धाम का मजाक उड़ा रहे हैं। उनके लिए कितनी आपत्तिजनक टिप्पणी कर रहे हैं। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर को ये 'उचक्का' कह रहे हैं। उनके और उनके पिताजी के बारे में कितनी अशोभनीय टिप्पणी कर रहे हैं। बेहद शर्मनाक, बेहद निंदनीय।

बीजेपी ने कहा- कांग्रेस का यही सनातन विरोधी चेहरा- बीजेपी प्रवक्ता नरेन्द्र सलूजा ने आगे लिखा- ये है कांग्रेस का सनातन विरोधी चेहरा। संत - महात्माओं - कथा वाचकों का ये लोग किस तरह से अपमान करते हैं, यह उसका उदाहरण है। ये कांग्रेसी कभी महाकुंभ का मजाक उड़ाते हैं। कभी आस्था की डुबकी का। उससे बढ़कर ये अब संत, महात्माओं, कथावाचकों का अपमान कर रहे हैं। उन्हें उचक्का बता रहे हैं। कांग्रेस नेतृत्व ऐसे अपने मीडिया प्रभारी पर तत्काल कार्यवाही करे। उन्हें पद से हटाए। माफी मांगे। मध्यप्रदेश कांग्रेस ने एक दिन पूर्व ही बयान जारी कर कहा था कि उनके मीडिया प्रभारी द्वारा कही गई सारी बातें कांग्रेस की अधिकृत बात होगी। वह कांग्रेस की अधिकृत लाइन होगी। इससे यह स्पष्ट है कि उनका यह बयान कांग्रेस का ही अधिकृत बयान है। यही पूरी कांग्रेस के विचार है...।

टेलीग्राम ग्रुप्स से पेपर खरीदना पड़ सकता है भारी

साइबर क्राइम ने जारी की चेतावनी, कहा- परीक्षा के समय साइबर फ्रॉड गैंग सक्रिय

भोपाल (नप्र)। आगामी परीक्षाओं को ध्यान में रखते हुए साइबर क्राइम ब्रांच ने

एक महत्वपूर्ण एडवाइजरी जारी की है। छात्रों और नागरिकों को टेलीग्राम ग्रुप्स पर बिकने वाले फर्जी पेपरों से बचने की चेतावनी दी गई है। क्राइम ब्रांच के एडिशनल डीसीपी शैलेंद्र सिंह चौहान ने बताया कि परीक्षा के समय साइबर फ्रॉड गैंग सक्रिय हो जाता है। टेलीग्राम ग्रुप्स के माध्यम से नकली प्रश्न पत्र बेचकर बड़ी रकम की ठगी करते हैं। इन ग्रुप्स में हजारों लोग जुड़े होते हैं, जिनमें कई छात्र भी शामिल होते हैं।

फर्जी पेपर के जाल में न उलझें- साइबर क्राइम अधिकारियों का कहना है कि टेलीग्राम ग्रुप्स में जुड़कर पेपर खरीदना न केवल परीक्षा में फेल होने का खतरा बढ़ा सकता है, बल्कि छात्रों का करियर भी दांव पर लग सकता है। धोखाधड़ी करने वाले अपराधियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। भोपाल साइबर क्राइम के पास कई शिकायतें दर्ज की गई हैं, जिनमें टेलीग्राम ग्रुप्स के जरिए फर्जी पेपर बेचने की जानकारी सामने आई है। पिछले साल भी इस तरह की शिकायतों के आधार पर आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था। अब टेलीग्राम से संबंधित ग्रुप्स की जानकारी मांगी जा रही है, ताकि उन पर सख्त कार्रवाई की जा सके। साइबर टीम ने टेलीग्राम पर पांच एक्टिव ग्रुप्स के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज की है।

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट: दाल-बाफले समेत 70 डिश बनेंगी

मेन्यू में इंदौर की हींग कचौरी, उज्जैन की कुल्फी, थाई फूड और लिट्टी-चोखा भी शामिल

भोपाल (नप्र)। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में आने वाले मेहमानों का स्वागत वेलकम ड्रिंक के रूप में मसाला छाछ और सूप में टमाटर-धनिए के शोरबे से किया जाएगा। लंच और डिनर में 70 से अधिक व्यंजन परोसे जाएंगे। इनमें मध्यप्रदेश, राजस्थान, बिहार, पंजाब और दक्षिण भारतीय व्यंजन तो होंगे ही, साथ ही थाई और चाइनीज फूड भी शामिल रहेगा।

भोपाल में पहली बार 24-25 फरवरी को मानव संग्रहालय में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट आयोजित हो रही है। इसमें देश के प्रमुख उद्योगपति, जैसे अंबानी, अडाणी, महिंद्रा, टाटा और बिड़ला समेत 30,000 से अधिक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बिजनेस लीडर्स शिरकत करेंगे। जापान, स्पेन, हांगकांग सहित कई अन्य देशों से विदेशी निवेशक भी समिट में भाग लेंगे।

मेहमानों के स्वागत के लिए एमपी टूरिज्म बोर्ड ने एक खास मेन्यू तैयार किया है, ताकि विदेशी और भारतीय अतिथियों को मध्यप्रदेश के स्वादिष्ट पारंपरिक व्यंजन परोसे जा सकें। मेन्यू में बिहारी लिट्टी-चोखा और पंजाबी तड़का भी शामिल किया गया है।

23 फरवरी को होटल ताज में वीवीआईपी डिनर- समिट में शामिल होने वाले कई उद्योगपति 23 फरवरी को ही भोपाल पहुंच जाएंगे। उनके स्वागत के लिए एक वीवीआईपी डिनर आयोजित किया गया है, जिसमें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सहित लगभग 250 उद्योगपति शामिल होंगे। 24 और 25 फरवरी को मानव संग्रहालय में

लंच की व्यवस्था होगी, जबकि 24 फरवरी का गाला डिनर भी यहीं आयोजित किया जाएगा। यदि 25 फरवरी को उद्योगपति भोपाल में रुकते हैं, तो वे अपने संबंधित होटलों में डिनर करेंगे। गाला डिनर के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए जाएंगे।

जीआईएस के मेन्यू में एमपी का टेस्ट- ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के लिए ऐसा मेन्यू तैयार किया गया है, जो मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक और खानपान विरासत की पहचान को मजबूती देगा। इसे प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों की विशिष्ट व्यंजनों को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। जैसे- मालवा के दाल बाफले, निमाड़ की दाल-पानिया, बुंदेलखंड और बघेलखंड की पारंपरिक और लोकप्रिय डिशेज भी इसमें शामिल हैं।

5 तरह की चाट और 15 स्वीट्स- मेन्यू में 5 तरह की चाट शामिल की गई है। हींग, आलू और प्याज की कचोरी खाने को मिलेगी। मशरूम और ब्रोकली की खिचड़ी समेत आलू, गोभी, मूली और पनीर के पराठे भी परोसे जाएंगे। 15 तरह के स्वीट्स भी रहेंगे। इनमें सबसे खास मालपुआ, जलेबी-रबड़ी, मलाई सैंडविच, कुटकी की शुगर फ्री खीर सबसे खास है।

एमपी के साथ अन्य स्टेट की भी ब्रांडिंग- मेहमानों के लिए मध्यप्रदेश के अलावा बिहार, राजस्थान, पंजाब और दक्षिण भारतीय राज्यों के व्यंजनों की ब्रांडिंग भी की जाएगी। पंजाबी तड़का में अमृतसर का पनीर, दाल ढाबा और मेथी मटर मलाई शामिल होंगे।

मेहमानों के लिए तैयार किए जाने वाले 70 से अधिक व्यंजनों में भारतीय, कॉन्टिनेंटल और चाइनीज जैसे अंतरराष्ट्रीय व्यंजन भी शामिल होंगे। अंतरराष्ट्रीय व्यंजनों में वाइल्ड बेरी चीज़केक, थाई और चाइनीज फूड प्रमुख होंगे। विशेष रूप से थाई करी और जैस्मिन राइस भी परोसे जाएंगे।

मोटे अनाज का उपयोग ज्यादा- मेन्यू में मोटे अनाज से बने व्यंजन भी शामिल किए गए हैं। सरसों का साग मक्के की रोटी के साथ परोसा जाएगा। इसके अलावा, बाजरा, कोदो और ज्वार की गरमा-गरम रोटियां भी मेहमानों को परोसी जाएंगी। खास बात यह है कि ये रोटियां अंगारों पर ही बनाई जाएंगी।

खास मसाले भी होंगे इस्तेमाल- समिट के मेन्यू को खास बनाने के लिए कई मसाले और सामग्रियां मुंबई और पुणे से मंगाई जाएंगी। कुछ डिशेज में स्नो पी और ब्रसल स्प्राउट्स जैसे खास इंग्रीडिएंट्स का उपयोग किया जाएगा। इसके अलावा, इंटरनेशनल फूड्स के लिए कुछ जरूरी सामग्री और मसाले विदेशों से भी आयात किए जा सकते हैं।

प्रदेश में व्यापक तौर पर मनेगा महाशिवरात्रि और गुड़ी पड़वा का पर्व

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में 26 फरवरी को महाशिवरात्रि पर्व व्यापक स्तर पर मनाया जाएगा। इस अवसर पर विभिन्न मंदिरों की साज-सज्जा सहित विविध आयोजन होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 30 मार्च को गुड़ी पड़वा पर्व पर भी बड़े स्तर पर कार्यक्रमों की रूपरेखा बनाई जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि महाशिवरात्रि से विक्रमोत्सव प्रारंभ होगा। इस वर्ष भी जल गंगा अभियान संचालित किया जाएगा। इस वर्ष जल गंगा अभियान और वॉटर शेड कार्यक्रम के साथ दीर्घ अवधि तक चलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को मंत्रालय में मंत्रि-परिषद की बैठक प्रारंभ होने के पहले मंत्रीगण को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने भिंड की दुर्घटना पर दुख व्यक्त किया

प्रभावितों को 4-4 लाख रुपए की सहायता देने के निर्देश

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भिंड जिले के जवाहरपुरा गांव के नजदीक नेशनल हाईवे पर भीषण सड़क दुर्घटना पर दुख व्यक्त किया है। इस दुर्घटना में कुछ लोगों के असामयिक निधन का समाचार मिला है। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि दुर्घटना में काल कवलित मृतकों के सभी शोकाकुल परिजनों के साथ मेरी संवेदनाएं हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस दुर्घटना में घायल नागरिकों के समुचित उपचार की व्यवस्था के लिए भिंड जिला प्रशासन को निर्देशित किया गया है। सड़क दुर्घटना में दिवंगत नागरिकों के परिजन को मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान से 4-4 लाख की आर्थिक सहायता राशि और गंभीर घायलों को एक एक लाख एवं सामान्य घायलों को 50-50 हजार की राशि स्वीकृत करने के निर्देश दिए गए हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बाबा महाकाल से प्रार्थना की है कि दिवंगतों की आत्माओं को अपने श्री चरणों में स्थान और शोकाकुल परिजनों को इस दुःख को सहन करने की शक्ति दे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है।

महाकुंभ में जाने से पहले स्थिति पर नजर रखें, सामान्य स्थिति में ही यात्रा में आगे बढ़ें

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश सरकार प्रयागराज महाकुंभ में आने-जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए समुचित व्यवस्था कर रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में सरकार प्रयागराज महाकुंभ के मद्देनजर सीमावर्ती जिलों विशेष रूप से रीवांचल में कुंभ यात्रियों को सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। महाकुंभ यात्रा में श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की कठिनाई न हो एवं उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सीमावर्ती जिला कलेक्टर्स को सजग एवं सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जारी अपने संदेश में कुंभ यात्रियों, श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे अपनी यात्रा प्रारंभ करने से पहले भीड़/जाम की स्थिति पर नजर बनाए रखें और आवागमन के रास्तों की जानकारी पहले से ही जुटा लें। अगर सफर में कोई कठिनाई दिखाई दे, तो यात्रा कुछ दिन के लिए स्थगित करें और रोड क्लियर होने पर ही यात्रा पर आगे बढ़ें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि यद्यपि सरकार कुंभ यात्रियों, श्रद्धालुओं के लिए सभी चौक-चौबंद व्यवस्थाएं कर रही है, तथापि श्रृद्धालु कुछ जरूरी सामान साथ लेकर भी चलें, जिससे अगर रास्ते में कहीं रुकना पड़े, तो किसी परेशानी का सामना न करना पड़े।

डॉ. पंकज जैन बने केंद्रीय मंत्री के विशेष सहायक

पहले से चार आईएएस अफसर हैं प्राइवेट सेक्रेट्री, दो को पोस्टिंग का इंतजार

भोपाल (नप्र)। केंद्र में प्रतिनियुक्ति पर जाने वाले अफसरों में

एमपी के एक और अफसर का नाम तय हो गया है। वर्ष 2012 बैच के आईएएस अफसर और एमपी भवन कार्पोरेशन के एमडी पंकज जैन को केंद्रीय कोयला और खान मंत्री जी किशन रेड्डी के स्टाफ में विशेष सहायक बनाया गया है।

पंकज जैन के पहले एमपी कैडर के चार अधिकारी केंद्रीय मंत्रियों के यहां विशेष सहायक के रूप में काम कर रहे हैं। इसके पहले संकेत भोंडवे, नवनीत मोहन कोठारी, निकुंज श्रीवास्तव और विशेष गढ़पाले केंद्रीय मंत्रियों के यहां विशेष सहायक रह चुके हैं।

ये आईएएस अफसर हैं वर्तमान में विशेष सहायक

- तेजस्वी नायक विशेष सहायक केंद्रीय मंत्री भारी उद्योग विभाग नई दिल्ली।
- बी विजय दत्ता विशेष सहायक केंद्रीय शहरी विकास मंत्री।
- बक्की कार्तिकेयन विशेष सहायक केंद्रीय खान मंत्री जी किशन रेड्डी।
- हर्ष दीक्षित विशेष सहायक केंद्रीय लोक स्वास्थ्य और परिवार कल्याण व रसायन और उर्वरक मंत्री जेपी नड्डा।
- डॉ पंकज जैन केंद्रीय कोयला और खान मंत्री के विशेष सहायक बने हैं जिन्हें जल्दी ही रिलीव किया जाएगा।
- श्याम वीर जम्मू कश्मीर गए, आशीष और रूही को पोस्टिंग का इंतजार।

उधर एमपी कैडर के वर्ष 2018 के आईएएस अफसर श्याम वीर इंटर कैडर डिपार्टमेंट के जरिए जम्मू कश्मीर गए हैं। वे 31 जनवरी 2025 से यहां सेवाएं देने लगे हैं। दूसरी ओर केंद्र की प्रतिनियुक्ति और स्टडी लीव से लौटे दो आईएएस अफसर आशीष भार्गव और रूही खान को मोहन सरकार की ओर से पोस्टिंग दिए जाने का इंतजार है। भार्गव 5 दिसम्बर 2024 से जीएडी में ज्वॉइनिंग देने के बाद पदस्थापना का इंतजार कर रहे हैं। इसी तरह केंद्र में पदस्थ रहीं रूही खान 31 जनवरी 2025 से भोपाल में ज्वॉइनिंग देने के बाद नई पदस्थापना का इंतजार कर रही हैं।

आचार्य श्री शास्त्री के सामाजिक सरोकार के कार्य अत्यंत सराहनीय : शुक्ल

भोपाल (नप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि बागेश्वर धाम में कैंसर अस्पताल का शिलान्यास बुंदेलखंड के लिये बहुत बड़ी सौगात है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 23 फ़रवरी को कैंसर अस्पताल का शिला-पूजन करेंगे। यह प्रधानमंत्री श्री मोदी की संवेदनशीलता का परिचायक है। इसके साथ ही महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर बागेश्वर धाम में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू की गरिमामय उपस्थिति में 26 फ़रवरी को 251 जोड़े परिणय सूत्र में बंधेंगे। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि अल्प आयु में आचार्य श्री धीरेन्द्र शास्त्री जी सनातन संस्कृति के संवाहक के रूप में अपना योगदान देने के साथ-साथ सामाजिक सरोकार से जुड़ा इतना बड़ा कार्य कर रहे हैं, जो अत्यंत सराहनीय और अनुकरणीय है।

संपादकीय

सैम को झेलने की मजबूरी!

ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष और कांग्रेस के तीन प्रधानमंत्रियों के तकनीकी सलाहकार रहे सत्यनारायण गंगाराम पित्रोदा उर्फ सैम पित्रोदा को ढोने की कांग्रेस की क्या मजबूरी है, समझना मुश्किल है। न्यूज एजेंसी आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में सैम पित्रोदा ने कहा कि चीन को दुश्मन मानने के बजाय उसे सम्मान देना चाहिए। मुझे समझ नहीं आता कि भारत को चीन से क्या खतरा है। हम सभी को साथ आकर काम करना चाहिए। भारत को चीन के प्रति अपने नजरिए को बदलने की जरूरत है। पित्रोदा ने कहा कि अब सभी देशों को एक साथ आने का समय है। हमें सीखने, संवाद बढ़ाने, सहयोग करने और मिलकर काम करने की जरूरत है, हमें कमांड और कंट्रोल की मानसिकता से बाहर निकलना होगा। चीन चारों ओर है, चीन बढ़ रहा है, हमें इसे पहचानना और समझना होगा। भारत और चीन के तनावपूर्ण रिश्ते की जमीनी हकीकत से वाकिफ होने के बाद भी सैम पित्रोदा ने चीन की पैरवी करने वाली यह टिप्पणी क्यों की, यह समझना मुश्किल है। ऐसा करके वो क्या सिद्ध करना चाहते हैं? क्या उन्हें पता नहीं है कि चीन भारत की हजारों एकड़ जमीन दबाए बैठा है। उसे वापस करना तो दूर उसकी गिद्ध निगाहें भारत की और जमीन पर भी लगी हैं। यही नहीं वह भारत को अपना आर्थिक उपनिवेश भी बनाना चाहता है। शुरूआती गलबहियों के बाद मोदी सरकार को भी सच्चाई समझ आ गई और उसने चीन के साथ जैसे को तैसा नीति पर काम शुरू कर दिया। कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर चीन के आगे झुकने का आरोप लगाते रहे हैं। उन्हीं की पार्टी का एक वरिष्ठ नेता भारत सरकार को यह सलाह दे रहा है कि उस चीन से सम्बंध सुधारे, जिसका इतिहास ही मुंह में राम बगल में छुरी का रहा है। पित्रोदा के इस विवादित बयान के बाद भाजपा ने तुरंत कांग्रेस पर हमला करते हुए उसकी और चीन की साठ-गांठ के आरोप लगाए। उधर कांग्रेस ने भी इस बयान के राजनीतिक खतरों के मद्देनजर पित्रोदा के बयान से खुद को अलग कर लिया और कहा कि यह उनकी निजी राय है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि चीन हमारी सुरक्षा के लिए बड़ी चुनौती है। कांग्रेस पार्टी ने चीन के प्रति मोदी सरकार के दृष्टिकोण पर बार-बार सवाल उठाए हैं। जिसमें 19 जून 2020 को प्रधानमंत्री द्वारा सार्वजनिक रूप से चीन को दी गई क्लीन चिट भी शामिल है। बावजूद इसके पित्रोदा को ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष पद से नहीं हटाया गया है तो इसका मतलब यह है कि कांग्रेस के लिए 83 वर्षीय पित्रोदा की अहमियत बनी हुई है। गौरतलब है कि पित्रोदा पहले भी ऐसे विवादित बयान देकर कांग्रेस को मुश्किल में डालते रहे हैं। पित्रोदा ने पिछले साल लोकसभा चुनाव के दौरान भी भारतीयों पर ऐसी अभद्र नस्ली टिप्पणी कर दी थी कि कांग्रेस को उनके बयान से खुद को अलग करना पड़ा था। इस बयान से होने वाले राजनीतिक नुकसान के मद्देनजर पार्टी ने उन्हें पद से भी हटा दिया था। लेकिन जैसे ही लोकसभा चुनाव खत्म हुए पित्रोदा को फिर से ओवरसीज कांग्रेस, जो विदेशों में कांग्रेस पार्टी का संगठन है, की कमान फिर से सौंप दी गई। इसके पहले वो अमेरिका में विरासत कर की वकालत करते हुए इसे भारत में भी लागू करने, मंदिर रोजगार पैदा नहीं करते, बालाकोट एयरस्ट्राइक के सबूत मांगने, जैसे बयानों से विवादों में घिर चुके हैं और अपनी पार्टी कांग्रेस को मुश्किल में डाल चुके हैं। अगर कांग्रेस सैम पित्रोदा पर लगाम नहीं कसती, उन्हें पार्टी से पृथक नहीं करती तब तक कांग्रेस को दुश्मनों की जरूरत नहीं है।

क्या लंबित होगा वक्फ बोर्ड एक्ट संशोधन बिल?

नजरिया

अशोक भाटिया
लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं।

बीते दिनों संसद में एक नया विधेयक लाया गया जो 1995 के वक्फ कानून में बदलाव करेगा। इस संबंध में संयुक्त समिति की रिपोर्ट पर संसद के सदनों में चर्चा चल रही है। इसका मकसद वक्फ बोर्ड के कामकाज में पारदर्शिता लाने के साथ महिलाओं को इन बोर्ड में शामिल करना है। सरकार के अनुसार मुस्लिम समुदाय के भीतर से उठ रही मांगों को देखते हुए यह कदम उठाया जा रहा है। हाल ही में कैबिनेट की ओर से समीक्षा किए गए इस विधेयक का उद्देश्य मौजूदा वक्फ अधिनियम के कई खंडों को रद्द करना है। ये रद्दीकरण मुख्य रूप से वक्फ बोर्डों के मनमाने अधिकार को कम करने के उद्देश्य से हैं, जो वर्तमान में उन्हें अनिवार्य सत्यापन के बिना किसी भी संपत्ति को वक्फ संपत्ति के रूप में दावा करने की अनुमति देता है। राजनीतिक दलों के बीच इस बिल को लेकर तीखी बहस छिड़ी है।

मोदी सरकार वक्फ बोर्ड एक्ट में संशोधन करने की आहट से ही बिहार में राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई। माना जा रहा है कि इस बिल के जरिए केंद्र सरकार वक्फ बोर्ड के अधिकारों को कम करना चाहती है। जिससे वक्फ बोर्ड को वक्फ बोर्ड की संपत्ति घोषित करने की शक्ति कम हो जाएगी। इस बिल को लेकर जहां जेडीयू नेता नीरज कुमार ने बिहार सरकार के मॉडल की तारीफ की है, वहीं आरजेडी नेता मृत्युंजय तिवारी ने सरकार पर धर्म विशेष को निशाना बनाने का आरोप लगाया है।

जेडीयू नेता नीरज कुमार का यह भी कहना है कि इस बिल की पूरी जानकारी तो अभी नहीं है, लेकिन बिहार में वक्फ संपत्तियों के संरक्षण के लिए एक मॉडल तैयार किया गया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने वक्फ की संपत्ति की सुरक्षा के लिए भू-राजस्व विभाग के अपर मुख्य सचिव और जिलों में डीएम को अधिकार दिए हैं।

बताया जाता है कि मुस्लिम संगठनों को वक्फ बोर्ड विधायक के 44 बिंदुओं में से 33 पर आपत्ति है। जेपीसी में जो विरोधी दल है, वह बहिष्कार कर रहे हैं। तो ऐसे में बिहार में क्या स्थिति बनेगी। इस पर मंत्री जमा खान ने कहा कि मुख्यमंत्री ने सभी संगठनों को आश्वासन दिया है कि बिहार में हम लागू नहीं होने देंगे, जिससे किसी तरह का कोई नुकसान हो। मुस्लिम संगठनों को मुख्यमंत्री ने विश्वास दिलाया है। हमारे नेता ने ही जेपीसी में मामले को रखा है। मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड की तरफ से धमकी देने की भी बात भी आ रही थी, इस सवाल पर मंत्री जमा खान ने कहा वैसी कोई बात नहीं है। कुछ लोग बोलते रहते हैं, उनकी बात का कोई मतलब नहीं है। नीतीश कुमार वोट का लालच नहीं करते हैं। वोटरों का सम्मान करते हैं। सबके लिए काम करते हैं, सबके विकास की बात करते हैं। माइनॉरिटी समाज के साथ हमेशा खड़े रहे हैं। उनके साथ कोई परेशानी आएगी तो खड़े रहेंगे।

मुक्तलिफ़ मुस्लिम तंजीमों के ओहदेदार 'वक्फ़ बोर्ड संशोधन बिल' के सिलसिले में मिले और वाज़ेह और तफ़्सील-वार गुफ़्तुगू हुई थी उनका कहना था कि राष्ट्रीय अध्यक्ष आदरणीय लालू प्रसाद जी शुरू से ही अक्लियत के हरेक मुद्दे पर संवेदनशील रहे हैं और किसी भी धार्मिक मामलों में सरकार के दख़ल-अंदाज़ी के खिलाफ़ हैं। इन संशोधनों से ना सिर्फ़ मुस्लिम बल्कि दीगर मज़हबों के मज़हबी, सकाफ़ती और जायदाद के हुक़ूक़ पर असर पड़ेगा और एक ग़लत नज़ीर क़ायम होगी। हमारी पार्टी मोदी-नीतीश एनडीए की इस ग़ैर संवैधानिक, ग़ैर ज़रूरी प्रस्तावित संशोधन बिल जो की मुल्क के सेक्युलर ताने-बाने को तोड़ने और धार्मिक उन्माद फैलाने के मक़सद से लाया गया है उसका पुरज़ोर विरोध करती है। हमने आये हुए डेलीगेशन को तसल्ली दिलाया कि हम उनके साथ हैं और किसी क़ीमत पर इसको संसद से पारित नहीं होने देंगे और इस लड़ाई को सभी फोरम पर लड़ेंगे। अफ़सोस है कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार इस बिल के समर्थन में हैं

गौरतलब है की इस समय वक्फ बिल को लेकर सभी राजनीतिक दलों का निशाना बिहार विधानसभा चुनाव की तरफ भी है। तो वहीं, विपक्ष की कोशिश है कि जेडीयू के ऊपर दबाव डालकर इस बिल को ज्यादा से ज्यादा लंबे समय तक खींचा जाए। जिसे कहीं ना कहीं विपक्ष अपनी जीत मानकर उसे विधानसभा चुनाव में जोर-शोर से प्रचारित करेगा। तो दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी की कोशिश है कि मुस्लिम समाज में सुधार हो और जरूरत के हिसाब से लोगों को उनके अधिकार सुनिश्चित हो सकें।आगे उन्होंने बताया कि वक्त बिल को लेकर राजनीतिक चर्चाएं चुनाव के दौरान ही जोर पकड़ते हैं, यह एक प्रकार का ट्रेंड बन चुका है। जो हमें महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव, हरियाणा चुनाव और दिल्ली विधानसभा चुनाव में भी दिख चुका है और इसी प्रकार की कोशिश बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर भी हो रही है। इसके

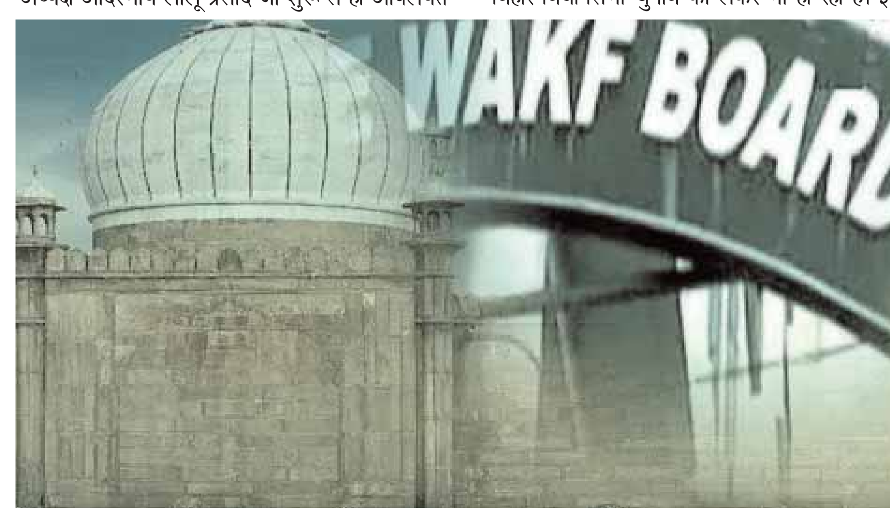

अलावा भी आगे असम और बंगाल विधानसभा चुनावों को भी सभी राजनीतिक दल जीतने की कोशिश करेंगे और यही लाभ उठाने के लिए भारतीय जनता पार्टी ने ना तो जेपीसी का कार्यकाल बढ़ाया और ना ही इसे इस मानसून सत्र में भी लागू नहीं किया। एडिटर नीरज कुमार दुबे ने इस बिल को लेकर अपनी राय देते हुए बताया कि यह बिल वर्तमान समय की मांग है। तो वहीं, इसके प्रावधानों को और भी अधिक सख्त किया जा सकता है।

भाजपा का मानना है कि इसके लिए सभी समुदायों से बात करना जरूरी है इससे मुस्लिम समाज में लोगों को उनके अधिकार निश्चित रूप से मिलेंगे। आगे उन्होंने बताया कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने नागरिकता संशोधन अधिनियम के दौरान हुए आंदोलन से सबक लिया है। इसीलिए सरकार एक-एक कदम फूंक-फूंक कर रख रही है। जिससे इस विधेयक को लेकर कोई बड़ा जनांदोलन आकर ना ले सके। तो वहीं, इसी प्रकार केंद्र सरकार छोटे-छोटे टुकड़ों में राज्यों में यूसीसी लागू करके लोगों के मन में जो संदेह व्याप्त है, उसे दूर करने की कोशिश कर रही है। जब यूसीसी से सभी समुदायों के अंदर का डर खत्म हो जाएगा तो कहीं ना कहीं सरकार इसे राष्ट्रीय स्तर पर लागू करने का विचार जरूर करेगी। उन्होंने आशंका जताई कि अगर कोविड ना आया होता तो शायद नागरिकता संशोधन अधिनियम के खिलाफ आंदोलन अभी भी चल रहे होते और इस एक्ट को लेकर पूरी दुनिया में सरकार की आलोचना हुई थी। इसी प्रकार का सबक सरकार ने किसान आंदोलन से भी लिया है। यह एक गठबंधन की सरकार है। इसीलिए मोदी सरकार सभी दलों और संगठनों के साथ सामंजस्य से ही आगे बढ़ने का विचार कर रही है।

माना जा रहा है कि इस बिल के जरिए मोदी सरकार वक्फ बोर्ड की उस शक्ति पर अंकुश लगाना चाहती है, जिसके तहत वक्फ बोर्ड किसी भी संपत्ति को वक्फ बोर्ड की संपत्ति घोषित कर सकता है। इस बिल के पास होने के बाद वक्फ बोर्ड के कई अधिकारों पर रोक लग सकती है। वर्तमान में देशभर में 28 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 30 वक्फ बोर्ड कार्यरत हैं। ये देखना दिलचस्प होगा कि संसद में इस बिल को लेकर क्या बहस होती है और इसका बिहार समेत पूरे देश पर क्या असर पड़ता है।

इसके अलावा प्रमुख मुस्लिम संगठन जमीयत उलेमा-ए-हिंद के प्रमुख मौलाना अरशद मदनी ने वक्फ (संशोधन) विधेयक को असंवैधानिक और अलोकतांत्रिक करार देते हुए हाल में ही कहा कि मुस्लिम समुदाय इसे स्वीकार नहीं कर सकता। उन्होंने यह भी कहा कि संसद से इस विधेयक के पारित होने पर इसे उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी जाएगी। मदनी ने यह बयान उस वक्त दिया जब बृहस्पतिवार को वक्फ (संशोधन) विधेयक पर विचार करने वाली संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) की रिपोर्ट को लोकसभा और राज्यसभा के पटल पर रखा गया। मुस्लिम संगठन की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, मदनी ने कहा कि शंकाएं व्यक्त की जा रही थीं, वे सही साबित हुईं। इन संशोधनों के जरिए केंद्र सरकार वक्फ संपत्तियों की स्थिति और प्रकृति को बदलना चाहती है, ताकि उन पर कब्जा करना आसान हो जाए और उनका मुस्लिम वक्फ का दर्जा खत्म हो जाए।''

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यदि यह कानून पारित हो जाता है तो जमीयत उलेमा-ए-हिंद इसके खिलाफ उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटाएगी और साथ ही जमीयत उलेमा-ए-हिंद वक्फ संपत्तियों को बचाने के लिए मुसलमान और अन्य अल्पसंख्यकों और न्यायप्रिय लोगों के साथ मिलकर सभी लोकतांत्रिक और संवैधानिक अधिकारों का भी उपयोग करेगी।

यैंग की यात्रा आयतन सुरक्षा परिषद में भारत की सदस्यता

विश्व राजनीति

प्रो. कन्हैया त्रिपाठी
लेखक भारत के राष्ट्रपति के विशेष कार्य अधिकारी रह चुके हैं। संप्रति पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय, बठिंडा के डॉ. आंबेडकर चेयर में चेयर प्रोफेसर।

भारत के लिए यह एक ऐतिहासिक पल था जब संयुक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष फ़िलेमॉन यैंग ने बीते सप्ताह भारत यात्रा की। यह यात्रा ऐसे समय में शुरू हुई है जब विश्व में भविष्य के लिए शिखर सम्मलेन के बाद कई तरह से परिवर्तन का दौर शुरू हुआ है। सतत विकास लक्ष्य-2030 के लिए पूरी पृथ्वी के राष्ट्राध्यक्ष सतत प्रयत्न कर रहे हैं कि वे इस लक्ष्य के अधिकतम करीब पहुँच जाएँ। यद्यपि भारत ने इस वर्ष यह नीति आयोग की रिपोर्ट से यह दावा कर चुका है कि उसने 71 प्रतिशत एसडीजी-2030 का लक्ष्य हासिल कर लिया है। महासभा के अध्यक्ष फ़िलेमॉन यैंग यह जानते हैं कि भारत संयुक्त राष्ट्र सिक्योरिटी काउंसिल में अपनी जगह बनाने के लिए प्रयत्नशील है और उसे वीटो पॉवर वाली जगह मिलनी चाहिए। भारत दुनिया के बड़े लोकतांत्रिक देशों में शुमार किया जाता है और इसकी आबादी ही ताकत है। इसे डेविडेंट के रूप में भारत मानता है।

भारत ने आईटी, डिजिटलाइजेशन और मानव कल्याण की योजनाओं के लिए प्रतिबद्धतापूर्वक काम किया है। इसकी ग्रोथ रेट इकॉनॉमिकली बढ़ी है और दुनिया की अर्थव्यवस्थाओं में अब भारत का बहुत ही महत्वपूर्ण स्थान है। भारत के मजबूत आर्थिक प्रदर्शन और पड़ोसी देशों में सुधार के कारण इस क्षेत्र की जीडीपी 2025 में 5.7% बढ़ने का अनुमान लगाया गया है। संयुक्त राष्ट्र की प्रमुख आर्थिक रिपोर्ट विश्व आर्थिक स्थिति एवं संभावनाएँ 2025 के अनुसार, भारत की अर्थव्यवस्था 2025 में 6.6% की दर से बढ़ने के लिए तैयार है, जो उस समय वैश्विक विकास के प्रमुख चालक के रूप में अपनी स्थिति बनाए रखेगी जब समग्र विश्व अर्थव्यवस्था अपेक्षाकृत स्थिर रहने का अनुमान है। दक्षिण एशिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में, मजबूत निजी खपत और निवेश के कारण भारत में इस साल 6.6% और 2026 में 6.8% की वृद्धि होने की उम्मीद है। इस दृष्टि से भी यह आज कहा जा सकता है कि भारत अपने आर्थिक पक्ष से मजबूत देश है।

संयुक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष फ़िलेमॉन यैंग, भारत सरकार के निमंत्रण पर आए थे। भारत की आधिकारिक यात्रा के दौरान वे राजधानी दिल्ली, भारत की सिलिकॉन वैली माने जाने वाले शहर बैंगलुर गए। उनकी इस यात्रा से अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के साथ-साथ भविष्य के समझौते सहित प्रमुख वैश्विक मुद्दों पर भारत के साथ बहुपक्षीय सहयोग को मजबूत करने के प्रयत्न हुए। वैसे आज देखा जाए तो भारत की वैश्विक भूमिका को रेखांकित करके संयुक्त राष्ट्र व संयुक्त राष्ट्र महासभा के लिए जो बेहतर हो सकता है, उसे मूर्त रूप दिया जा सके। फ़िलेमॉन यैंग मूलतः कैमरून गणराज्य के हैं। उन्होंने कैमरून गणराज्य के प्रधान मंत्री के रूप में कार्य किया है। जून 2024 में, उन्हें संयुक्त राष्ट्र महासभा के 79वें सत्र के अध्यक्ष के रूप में चुना गया और वह संयुक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष के रूप सितंबर 2025 तक सुशोभित करेंगे। उनकी प्राथमिकताएं यदि देखी जाएँ तो 79वें सत्र में, अध्यक्षता संभालते हुए, यांग ने अपने वक्तव्य में विभाजित विश्व को एकजुट होने और सीमाहीन वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने के लिए एक स्पष्ट आह्वान किया था, जिसमें सूडान, हैती, यूक्रेन और गाजा के कठिन संघर्षों के साथ-साथ जलवायु परिवर्तन से निपटने की भी पहल शामिल रही है।

उन्होंने अपने ध्येय वाक्य विविधता में एकता, शांति की उन्नति, सतत विकास और हर जगह सभी के लिए मानव सम्मान के माध्यम से संयुक्त राष्ट्र के तीन स्तंभ शांति एवं सुरक्षा, सतत विकास, मानवाधिकार और मानवीय सहायता को रेखांकित किया था। इस दृष्टि से देखा जाए तो अभी उनके पास विजन भी है और अभी एक लंबा वक्त है जब वह संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के विस्तार के लिए पहल कर सकते हैं। इस मुद्दे पर बैठक हेतु देशों को आमंत्रित कर सकते हैं। इस दृष्टि से अध्यक्ष फ़िलेमॉन यैंग की यात्रा भारत के लिए बहुत महत्वपूर्ण है और भारत भी फ़िलेमॉन यैंग के लिए महत्वपूर्ण है। वह खुद एक स्टेट के पूर्व में नेतृत्वकर्ता के रूप में 10 वर्षों तक लगभग योगदान दिए हैं तो यह समझ सकते हैं कि भारत के लिए संयुक्त राष्ट्र वीटो पॉवर कितना अहम् है और उसकी अहमियत वैश्विक बदलाव में क्या हो सकती है।

भारत सरकार स्वयं यह चाहती है कि भारत संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य बने। विगत 10 वर्षों से अधिक समय से उसके अभूतपूर्व प्रयास में कोई कमी नहीं है। कूटनीतिक तौर पर भारत के लिए रणनीति बहुत मजबूत है लेकिन कुछ देशों का प्रतिरोध जारी है। चीन के प्रतिरोध के बावजूद यदि कुछ और देशों को सम्मिलित करने की पहल तेज होगी और उस पर वैश्विक रायशुमारी होगी तो भारत आज इस स्थिति में है कि उसे विश्व के देशों को शामिल करना ही होगा। अब तक हमारे प्रयास फलीभूत क्यों नहीं हुए, इसका आंकलन यदि किया जाये तो पहली बात यह समझ आती है कि भारत को अब वैश्विक चुनौतियों को रेखांकित करके लड़ने की रिश्क लेना ज़रूरी है, यह तो आज स्वीकार करने की आवश्यकता है। दूसरी बात, भारत की पहल और महासभा अध्यक्ष की पहल में आज अंतर समझना होगा। आज फ़िलेमॉन यैंग उस महासभा को चेयर कर रहे हैं जहाँ से बात बन सकती है, जहाँ से वह रायशुमारी के लिए देशों को एकत्रित कर अपने कार्यकाल को ऐतिहासिक बना सकते हैं, इसे चिन्हित करना ज़रूरी है।आज यदि भारत की उपलब्धियां और उसके वैभव का आकलन किया जाए तो भारत अपनी नयी-नयी पहल से भी विश्व को अपनी ओर आकर्षित करता है। वैश्विक शांति हो या गरीबी और भुखमरी के खिलाफ वैश्विक आवाज़ उठाने के लिए आगे आने में कहाँ संकट है, समझ नहीं आता। भारत को चाहिए कि संयुक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष फ़िलेमॉन यैंग की यात्रा के बाद ऐसे अवसर के एक-एक पल को ऐसे मानस बनाने में व्यतीत हों कि वे स्वयं भारतीय गरिमा, शक्ति, सभ्यतागत वैशिष्ट्य को विश्व के समक्ष रखें और भारत की सुरक्षा परिषद् में स्थायी सदस्यता के लिए पैरोकार बनें। उनकी ओर से यह पहल होनी ही चाहिए कि विकासशील देशों का भी सुरक्षा परिषद में प्रतिनिधित्व स्थायी रूप से होना ज़रूरी है।

तीसरे विश्व युद्ध के मोहाने पर खड़े विश्व हेतु सुरक्षा परिषद में विस्तार इसलिए भी आवश्यक है क्योंकि पाँच वीटो देश परमाणु हथियारों के भय से सशंकित हैं और सच में वे कुछ कहने की स्थिति में नहीं हैं और न कुछ रोकने के पक्ष में। ऐसे में यदि सुरक्षा परिषद में विस्तार होता है तो निश्चय ही किसी बड़े संकट से निपटने में आसानी होगी। फ़िलेमॉन यैंग की इस यात्रा से निःसंदेह कुछ रचनात्मक हो सकता है लेकिन यह सब तब होगा जब भारत और फ़िलेमॉन यैंग के बीच विश्व के बदलाव की इच्छाशक्ति होगी।

आरोपित जनप्रतिनिधिः एक पहलू यह भी

दृष्टिकोण

राजेंद्र बज
लेखक स्तंभकार हैं।

विगत दिनों न्यायिक सूत्रों के हवाले से यह समाचार आया कि अधिकांश सांसदों पर कुछ न कुछ आपराधिक प्रकरण दर्ज होकर विचाराधीन है। यह खबर राजनीति में व्याप्त तमाम विकृतियों की ओर साफ तौर पर इशारा तो करती है लेकिन चौंकाती नहीं है। यूं भी राजनीति में दबंग, कद्दावर, जुझारू और संघर्षशील शख्सियत का ही बोलबाला रहा करता है। ऐसे में जाहिर है कि विभिन्न दलों के नेताओं तथा कार्यकर्ताओं को जनहित के नाम पर कानून और व्यवस्था को अपने हाथ में लेकर अपना 'पराक्रम' दर्शाने की आए दिन नौबत आ ही जाती है। सत्ता के मद में सत्तापक्ष के नेता भी कभी-कभी अपनी संवेदनशीलता को ताक पर रख दिया करते है।

इसके चलते जब तक कोई जन आंदोलन धारदार नहीं हो जाता, आम नागरिकों की वाजिब समस्या का भी संज्ञान नहीं लिया जाता। बीते समय में होने वाले तमाम छोटे बड़े आंदोलन का भरपूर संज्ञान लिया जाता था। वैसे उस दौर की राजनीति में शुचिता और पवित्रता का वातावरण व्याप्त था। लेकिन वर्तमान दौर की राजनीति में सत्तापक्ष और प्रशासन तंत्र आमतौर पर आम नागरिकों के प्रति निष्ठुर रवैया ही अख्तियार करता रहा है। राजनीति की बहती गंगा में कुछ प्रशासनिक पुर्जे तो राजनेताओं की छत्रछाया और संरक्षण में भरपूर मनमानी भी करते दिखाई देते हैं। ऐसे में कभी-कभी आक्रामक शैली में ही जन समस्याओं के निराकरण के प्रयास होते रहा करते हैं।

एक तथ्य यह भी है कि सत्तापक्ष के नेता हर समय कानून हाथ में नहीं लेते, वह तो सत्ता से वंचित रहने पर ही आम नागरिकों का समर्थन पाने के लिए जनहित में आक्रामक हुआ करते हैं। जिसके चलते उनके लिए सत्ता की राह आसान हो जाती है। दूसरी ओर प्रतिपक्ष में रहकर तो जनहित के मुद्दों पर बिना जोश ख़रोश दिखलाए, उनकी आवाज तो राजनीति और प्रशासन के नक्कारखाने में तूती की आवाज ही बनकर रह जानी है। इसलिए भी उन्हें कानून हाथ में लेने की नौबत आ जाती है। वैसे राजनीति का चाहे कितना भी विकृत स्वरूप दिखलाई देता हो, लेकिन राजनीति में व्यापक जनहित की दिशा में आक्रोश की अभिव्यक्ति भी जरूरी होती है।

चूंकि सत्तापक्ष तो सत्ता के सहारे ही जनकल्याण की योजनाओं को मूर्त रूप देता है लेकिन प्रतिपक्ष के लिए यह सुविधा कहां ? उसे तो सत्तापक्ष की जन विरोधी नीति का विरोध ही करना है। अब वह एकदम ठंडे या शांत स्वर में अपना विरोध दर्ज कराए, तो इस बात की क्या गारंटी कि उसकी मांग पर गंभीरतापूर्वक विचार किया जा सके। दरअसल जब तक कोई आंदोलन विस्फोटक स्वरूप नहीं ले लेता, शासन-प्रशासन के कानों में जूं भी नही रेंगा करती। अब आज सत्ता इनकी तो कल शायद उनकी। ऐसे में चाहे सत्तापक्ष के नेता हो या प्रतिपक्ष के, हर किसी को कभी न कभी राजनीति में अपना सिक्का जमाने के लिए जनहित के मुद्दों पर आक्रामक तो होना ही पड़ता है।

ऐसे में जो शख्सियत जितनी ज्यादा आक्रामक सिद्ध होती है, चुनावी दौर में वही आम नागरिकों की पहली पसंद बन जाया करती है। आज यदि सीधे तौर पर यह कह दिया जाए कि अधिकांश जनप्रतिनिधि आपराधिक पृष्ठभूमि वाले होते हैं, तो इसके लिए उनसे ज्यादा व्यवस्था अधिक जिम्मेदार है। दरअसल इस मामले में कूदकर किसी नतीजे पर पहुंचना कदापि उचित नहीं होगा। वास्तव में आम नागरिकों के मन की चाहत भी कुछ ऐसी होती है कि उनका जनप्रतिनिधि कहीं से कहीं तक दब्बू किस्म का न हो। वैसे भी व्यवहार में देखा गया है कि तेजतर्रार जनप्रतिनिधि के क्षेत्र में शासन प्रशासन जनहित के मुद्दों पर कतई कोताही नहीं बरतता।

इसके अतिरिक्त राजनीतिक कारणों से भी विरोधी पक्ष पर आपराधिक मुकदमे दर्ज हो जाते हैं या करा दिए जाते है। ऐसे में न्यायपालिका की सुस्त चाल के चलते विलंबित न्याय के दौरान यह तो हो नहीं सकता कि संदिग्ध शख्सियत जनता की अदालत में ही न जा सके। इन तमाम हालातों के चलते ऐसी ही बात उदय में आती है कि अधिकांश जनप्रतिनिधि आपराधिक पृष्ठभूमि वाले होते हैं। लेकिन इन्हें आखिर जनमत के बहुमत ने चुना है - तो अपना भला-बुरा सोचकर ही तो चुना होगा। तनिक इस बात पर भी गंभीरतापूर्वक विचार तो होना ही चाहिए।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
वरिष्ठ संपादक
पंकज शुक्ला
प्रबंध संपादक
अरुण पटेल
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

हादसों का निपटारा, उसे सब कुछ भूल जाना है

व्यंग्य

राजशेखर चौबे
लेखक व्यंग्यकार हैं।

पुरानी हिंदी फिल्मों में कुंभ में गरीब मां-बाप बच्चों के साथ गए हों तो वे सभी वापस घर आ जाएं यह संभव नहीं था। उन्हें बिछुड़ना ही होता था। हमारी फिल्मों में कुंभ भाइयों को जुदा करने के काम आता था। एक पुराना गाना है -

'यह बम्बई शहर, हादसों का शहर है, यहां रोज-रोज हर मोड़ पर होता है कोई न कोई हादसा!'

वैसे भी हमने बम्बई का नाम बदलकर मुंबई कर दिया है। लगता है इस गाने में अब शहर का नाम बदलना होगा। हम हिन्दू अपने आपको धार्मिक मानते हैं और धर्म में हमारी अटूट आस्था है। यही कारण है कि महाकुंभ में जनसैलाब उमड़ गया है। महा कुंभ 144 वर्षों के बाद आया है, इस पर दावे प्रतिदावे किए जा रहे हैं। आज हर कोई अपना पाप धोना चाहता है। लगता है देश में इस महाकुंभ के बाद एक भी पापी नहीं बचेगा। हम लोग तीर्थयात्रा से लौटने वालों से श्रीफल या रुपये देकर सौजन्य भेंट करते हैं। हमारे मामाजी इसमें कभी नहीं चूकते हैं। परिवार के लगभग सभी लोग कुंभ जा रहे हैं। इस बार उन्होंने सौजन्य भेंट की सौजन्यता नहीं दिखाई है।

हमने पढ़ा है कि सफल व्यक्ति कोई अलग काम नहीं करते हैं बल्कि वे इसी काम को अलग ढंग से करते हैं। यह कहना भी सही होगा कि सफल नेता कोई अलग काम या आयोजन नहीं करते हैं बल्कि उसी आयोजन को पूरे ताम- झाम के साथ करते हैं। भीड़ वाले कार्यक्रम में भगदड़ या हादसे के कई कारण हो सकते हैं - भीड़ द्वारा नियमों का पालन नहीं करना, भीड़ का उतावलापन, व्यवस्था का चाक चौबंद न होना, मानवीय भूल या गलती, षड्यंत्र आदि। भीड़ भरे आयोजन और हादसों का संगम होता ही है। यह कोई नई बात नहीं है। पहले भी भगदड़ हुए हैं, आज भी हो रहे हैं। हम विश्व गुरु बन सकते हैं पर भगदड़ को नहीं रोक सकते! पिछले ग्यारह बरस के सभी हादसे षड्यंत्र का परिणाम है ऐसा कई महानुभावों का मानना है।

किसी आयोजन की सफलता का श्रेय जिसे मिलेगा उसे ही हादसों की जिम्मेदारी भी लेनी चाहिए परंतु आमतौर पर ऐसा नहीं होता है। हादसों को रोकना अत्यंत कठिन कार्य है। किसी आयोजन के लिए प्रबंधन की जरूरत होती है। हादसे के बाद मामले को रफा दफा करने के लिए कुशल प्रबंधन की जरूरत होती है। हादसा तो हो गया अब क्या किया जाए ? आइए हादसे के बाद के हालात से निपटने के कुछ उपायों की चर्चा करते हैं -

पहला नियम- हादसे के अस्तित्व को ही नकार देना। जनता से अपील कि वह अफवाहों पर ध्यान न दे, ऐसा कोई हादसा हुआ ही नहीं है। घटनास्थल और सी सी टी वी कवरेज की संपूर्ण सफाई। दूसरा नियम - घटना को मामूली बताना। यह भी बताना कि कोई मरा नहीं है , कुछ लोग जरूर हताहत हुए हैं उनका मुफ्त में इलाज किया जा रहा है। स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। तीसरा नियम - मरने वालों की संख्या अत्यंत कम है। सोशल मीडिया में जो दावा किया जा रहा है वह सरासर झूठ है। आप केवल मेन मीडिया पर ही भरोसा करें (कारण सभी जानते हैं)। नियम चार- जनता तक संदेश पहुंचाना कि इतना बड़ा हादसा बिना षड्यंत्र के नहीं हो सकता। इसे जरूर देश विरोधी ताकतों ने अंजाम दिया है। यह देश के विरुद्ध षड्यंत्र है, इसकी पूरी जांच की जाएगी और दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।

नियम पांच - यह नियम जनता के लिए है - उसे सब कुछ भूल जाना है।

तमाम भौकाल सरकारों के लिए ये गाइडलाइन जारी की जारी किए जा सकते हैं।

जयंती पर विशेष

अमित राव पवार

युवा साहित्यकार

भारतीय नौसेना के पितामह श्री छत्रपति शिवाजी

गोवा में पुर्तगाली,कोंकण में आदिलशाही,मुंबई-सूरत में अंग्रेज,(ब्रिटिशियन) जंजीरा में सिद्दी, कोचिंन (केरल) में डच,चेन्नई (मद्रास) में फ्रेंच ये सभी समुद्र के सहारे हिंदुस्तान पर आघात करने के साथ अपना कब्जा जमा बैठे। उस समय का मुगल साम्राज्य भी अपने हज और जहाजों को समुद्र पार करवाने के लिए पुर्तगाली से अनुमति लेता था। वहीं जंजीरा के सिद्दीयों द्वारा हिंदुओं के घर जलाना, गांव के गांव को लूटकर धर्म परिवर्तन का दबाव बनाना,महिलाओं के साथ बलात्कार भरण कर समुद्री मार्ग से जहाज द्वारा अफ्रीका के बाजार में बेचना इनका नियमित काम हो चला था। इन सिद्दीयों की सबसे बड़ी ताकत एक किले में,जो समुद्र के बीच मे बना हुआ था, इन सिद्दीयों को तत्कालीन परिस्थितियों में मारना इतना आसान नहीं था। इनके द्वारा भारतीयों पर हो रहे अत्याचार को रोकने के लिए आवश्यकता थी समुद्री सेना अथवा नैवी की किंतु उस समय भारत देश के किसी हिंदू राजा के पास स्वयं अपनी समुद्री सेना नहीं थी और न ही किसी ने कभी गंभीरता से इतनी दूरदर्शिता से इस बात पर विचार किया इसलिए ये सिद्दी आसानी से अत्याचार कर सुरक्षित अपने किले में पहुँच जाया करते थे।

जब संपूर्ण अखंड भारत में भारतीय संस्कृति,प्राचीन परंपरा,सनातन धर्म को तोड़ने वाली अलग-अलग ताकते काम कर रही थी भारत राष्ट्र का जनमानस घोर अंधेरे में डूबने की कगार पर था तब सूर्य की किरणों जैसे व्यक्तित्व का इस पवित्र भारतभूमि पर 19 फरवरी 1630 ई.में महाराष्ट्र के शिवनेरी किले में जिजामाता व शाहजीराजे भोंसले के यहां युग प्रवर्तक श्रीमंत छत्रपति शिवाजी महाराज के रुप में जन्म हुआ। जिन्होंने 17वीं शताब्दी में लोगों के मन में स्वराज के लिए चेतना जागृत कर अपने साहस,शौर्य,पराक्रम के बल से शत्रुओं को भूमि पर ही नहीं अपितु समुद्र के अंदर भी परास्त किया। जिन्होंने 19 वर्षों तक औरंगजेब से युद्ध किया तब भी स्वराज के कार्यों का विस्तार बढ़ता ही चला गया वे जानते थे,औरंगजेब एक क्रूर व धर्मांध शासक है जिसने अपने पिता,भाई व बेटे सहित निजी रिश्तेदारों को सिंहासन स्वार्थ के लिए मरवा दिया। शिवाजी महाराज की सोच थी कि शत्रुओं को हर तरफ से रोकना ही स्वराज की स्थापना में आवश्यक है। इन्होंने औरंगजेब, आदिलशाह, निजामशाही, कुतुबशाही से लगातार लड़ाईयाँ लड़ते हुए विजय प्राप्त की।

गोवा में पुर्तगाली,कोंकण में आदिलशाही,मुंबई-सूरत में अंग्रेज,(ब्रिटिशियन) जंजीरा में सिद्दी, कोचिंन (केरल) में डच,चेन्नई (मद्रास) में फ्रेंच ये सभी समुद्र के सहारे हिंदुस्तान पर आघात करने के साथ अपना कब्जा जमा बैठे। उस समय का मुगल साम्राज्य भी अपने हज और जहाजों को समुद्र पार करवाने के लिए पुर्तगाली से अनुमति लेता था। वही जंजीरा के सिद्दीयों द्वारा हिंदुओं के घर जलाना,गांव के गावं को लूटकर धर्म परिवर्तन का

दबाव बनाना,महिलाओं के साथ बलात्कार भरण कर समुद्री मार्ग से जहाज द्वारा अफ्रीका के बाजार में बेचना इनका नियमित काम हो चला था। इन सिद्दीयों की सबसे बड़ी ताकत एक किले में,जो समुद्र के बीच में बना हुआ था, इन सिद्दीयों को तत्कालीन परिस्थितियों में मारना इतना आसान नहीं था। इनके द्वारा भारतीयों पर हो रहे अत्याचार को रोकने के लिए आवश्यकता थी समुद्री सेना अथवा नैवी की किंतु उस समय भारत देश के किसी हिंदू राजा के पास स्वयं अपनी समुद्री सेना नहीं थी और न ही किसी ने कभी गंभीरता से इतनी दूरदर्शिता से इस बात पर विचार किया इसलिए ये सिद्दी आसानी से अत्याचार कर सुरक्षित अपने किले में पहुँच जाया करते थे। उनके इन अत्याचारों से शिवाजी महाराज के मन को एक नई पीढ़ा ने जन्म दिया उन्होंने तय किया कि हिंदुस्थान के शत्रुओं को रोकना है तो थल के साथ जल मार्ग से भी सुरक्षा करनी होगी। अतः उन्होंने करीब 1657 ई.कोंकण के रास्ते से प्रवेश कर आसपास के स्थानों को जीतकर स्वराज का विस्तार किया तथा समुद्र की गहराइयों को करीब से देखा व परिस्थितियानुसार महसूस किया कि समुद्र को हाथों में लेना होगा परन्तु ये सहज नही था क्योंकि भारत से सैकड़ों वर्ष पूर्व ही जहाज बनाने की कला लुप्त हो चुकी थी किंतु समुद्र को हाथों में लेना ही इन सब समस्याओं का एक मात्र हल था।

युक्ति के साथ महाराज श्री ने धन का लालज देकर दो यूरोपियन (पिता-पुत्र) व्यक्तियों से जहाज बनाने का अनुरोध किया इन यूरोपियन ने अपने लगभग 400 कारीगरों के साथ काम आरंभ किया किंतु महाराज को इन पर जरा भी यकीन नही था, इसलिए उन्होंने आसपास के करीब 2 हजार युवाओं को इनकी देख-रेख में तैनात किए और हुआ भी यही की आधे कार्य में ही यूरोपियन कार्य छोड़ रातों-रात चले गए अतः शेष काम उन युवाओं ने कर जहाज का कार्य सम्पूर्ण किया 20 जहाजों के साथ शिवाजी महाराज की नौसेना समुद्री मुकालबे के लिए तैयार खड़ी थी,1672 ई. में अंग्रेजों (ब्रिटिशियन) से समुद्री लड़ाई में मराठा नौसेना को विजय मिली।समय के साथ मराठा नौसेना अथवा हिंदुस्तान की सबसे पॉवरफुल नैवी अब श्री छत्रपति शिवाजी महाराज की बन चुकी थी। 1674 ई.में मजबूत नौसेना की नींव रखने के साथ ही यहँ कारवाँ 500 जहाजों व 5 हजार सैनिकों तक जा पहुँचा इतनी दूर-दृष्टि सोच से ही यह संभव हो पाया। जबकि वर्तमान स्थिति में हम सबके समक्ष सबसे बड़ा उदाहरण 26/11 (सन् 2008) का वो आतंकी हमला जो इस समुद्री मार्ग से होता हुआ मुम्बई की ताज होटल तक जा पहुँचा। ऐसी स्थिति का आंकलन महाराज श्री ने सैकड़ों वर्ष पूर्व ही लगा लिया था कि राष्ट्र को सुरक्षित रखना है तो चारो और से हमारी आँखे खुली होना चाहिए। हम भारतीय नौसेना के पितामह श्री छत्रपति शिवाजी महाराज को सदैव स्मरण करते रहेंगे वर्तमान भारतीय नौसेना के ध्वज में श्री छत्रपति शिवाजी कालीन राजमुद्रा चिन्ह हमारे लिए प्रेरणास्रोत है।

पर्यावरण

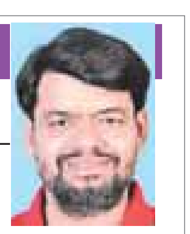

चेतनादित्य आलोक

लेखक रांची निवासी पत्रकार हैं।

प्रकृति के वैभव और श्रृंगार का प्रतीक है 'ऋतुराज वसंत'

हमारी संस्कृति इतना उदाश्र है कि इसमें मनुष्य ही नहीं, बल्कि पेड़-पौधे, पशु, पक्षी, कीड़े-मकोड़े, कीट-पतंग, नदियां, समंदर, धरती, आकाश,सूर्य, चंद्रमा, ग्रह, नक्षत्र, वनस्पति, ऋतुएं आदि सभी को यथा योग्य स्थान एवं महत्व प्राप्त है। हमारी संस्कृति में मनुष्य केवल मनुष्य के प्रति ही स्नेह प्रकट नहीं करता,बल्कि प्रकृति को भी बेहद प्यार और सम्मान देता है। बता दें कि प्रकृति के सारे उपादान हमारे आत्मीय रहे हैं। हम प्रकृति के सौंदर्य को अपने हृदय में बसाते और उससे अपना आत्म-श्रृंगार करते हैं। हम प्रकृति तथा अदृश्य दैवीय शक्तियों के साथ अपने मन के उत्साह,हृदय के उल्लास एवं आत्मा के नवोन्मेष को बांटने का उत्सव मनाते हैं- 'वसंत का उत्सव।'दरअसल, वसंतएक ऋतु है। प्रकृति के नवोन्मेषकी ऋतु। प्रकृति के सौंदर्य के विस्तार की ऋतु। माघ महीने के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को 'श्री' के नूपुर और सरस्वती की वीणा की सुमधुर ध्वनि से वसंत के आने की सूचना मिलती है। इसीलिए माघ शुक्ल पंचमी को 'वसंत पंचमी' एवं 'श्रीपंचमी'के नाम से भी जाना जाता है। यह पंचमी इसलिए भी महत्वपूर्ण मानी जाती है, क्योंकिइस दिनको संपूर्ण कलाओं, काव्य, वाणी, वाद्यएवं संगीत के दिव्य और भव्य सौंदर्य की अधिष्ठात्री देवी माता सरस्वती की उपासना भी की जाती है। ऐसा प्रतीत होता है कि देवी सरस्वती के अभिनंदन में प्रकृति अपना श्रृंगार करती है... वह माता सरस्वती के स्वागत में अपना संपूर्ण वैभव लुटा देती है। इसके परिणामस्वरूप संपूर्ण वसुधा पर वसंत छा जाता है। देखा जाए तो प्रकृति के आनंद का प्रस्फुटन इस कालखंड को 'ऋतुराज'यानी 'ऋतुओं का राजा'बना देता है।

रज प्रधान ऋतु- वैसे तो हमारे देश में छह ऋतुएं होती हैं। ये सारी ऋतुएं महत्वपूर्ण हैं, लेकिन इनमें से शरद, वंसत और ग्रीष्म को हमारी संस्कृति में अत्यंत विशेष स्थान प्राप्त है। दरअसल, ये तीनों ही ऋतुएं प्रकृति और परमात्मा के त्रिगुणों- सत् यानी सत्व, रज एवं तमकी द्योतक हैं। इनमें शरद ऋतु सत् का, वंसत ऋतु रज का और ग्रीष्म ऋतु तम का परिचायक है। दूसरे शब्दों में कहा जाए तो शरद में सत् की, वंसत में रज की और ग्रीष्म में तम की प्रधानताहोती है। इसी प्रकार, त्रिदेवों में भी उत्पादक ब्रहमा सेशरद, पालक श्रीविष्णु से वसंत और संहारकशिव से ग्रीष्म ऋतु जुड़ी हुई है, क्योंकि सतोगुण उत्पादक शक्ति होती है, रजोगुणपालक शक्ति एवं तमोगुण संहारक शक्ति होती है। वसंत ऋतु रज प्रधान इसलिए मानी जाती है, क्योंकि यह ऋतु प्रकृति के वैभव और श्रृंगार का प्रतीक है। यह किसी 'नवयौवना' अथवा रसवंती स्त्री की भांति अपनेसंपूर्ण वैभव एवंसाज-श्रृंगार के साथ प्रकट होती है-'सज श्रृंगार ऋतु आई बसंती, जैसे नार हो कोई रसवंती।'वैसे, देखा जाए तो वसंत समृद्धि का प्रतीक भी है।

प्रतीक रंग पीला- दरअसल, यही वह समय है, जब शरद के तप से समृद्ध हुई प्रकृति किसी अल्हड़ नव यौवना-सी खिलखिलाती...झूमती... गाती... गुनगुनाती... मदमाती... और वन-उपवन में वासंती बालियों, लताओं और पताओं पर मदमस्त हो लहराती है। बता दें कि वसंत पंचमी से प्रारंभ होकर फागुन तक वसंत की मादकता, ऊर्जा, उसका उजास और उल्लास यत्र-तत्र-सर्वत्र कायम रहता है। जवां दिलों की धड़कन को बढ़ाने वाली और मौज-मस्ती की प्रतीक फागुन की फगुनाहट से घुल-मिलकर वसंत का सौंदर्य बहुगुणित हो जाता है। गौरतलब है कि वसंत का प्रतीक रंग पीला होता है, जो वास्तव में प्रसन्नता का द्योतक है। यही कारण है कि सब तरफ, सर्वत्र वासंती रंग में रंगी, पगी संपूर्ण प्रकृति हंसती, मुस्कराती प्रतीत होती है। देखा जाए तो यह वासंती रंग मनुष्य ही नहीं, बल्कि संपूर्ण प्राणी जगत् को अपने रंग में रंग डालती है।

यौवन का प्रतीक- इसे वसंत का अहोभाग्य नहीं तो और क्या कहा जाए कि श्रीमद्भाग्वद गीता में भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं कि ऋतुओं में मैं कुसुमाकर वसंत हूं- 'अहम ऋतुनाम कुसुमाकर।' मादकता, ऊर्जा,उजास, अल्हड़पन, उल्लास और यौवन से परिपूर्ण वसंत, जो मनुष्य के ही नहीं, बल्कि संपूर्ण प्राणी जगत् के नवोन्मेष की ऋतु है। यही नहीं, वसंत निर्विवाद रूप से दोषरहित ऋतु भी है। यह नित्य-निरंतर और सदा-सर्वदा युवा रहने वाला है। बता दें कि श्रृंगार वसंत का स्थाई भाव है, जबकि यौवन इसकी स्थाई अवस्था है। यह यौवन का प्रतीक है, जबकि ग्रीष्म ऋतु जीवन के संघर्ष का द्योतक है। वहीं,शरद वार्द्धक्य की गरिमा से संपन्न ऋतु है।

प्रथम प्रेम-प्रसंग की पूर्णता की ऋतु- वसंत ऋतु ही उससौभाग्यशाली कालखंड का नेतृत्व करती है, जिसमें भगवान शिव और माता पार्वती की दिव्य प्रेम कथा, जो कि इस सृष्टि का प्रथम प्रेम-प्रसंग भी है,पूर्णता को पाती है।कथा है कि कामदेव ने भगवान शिव की समाधि भंग करने के लिए वसंत के ही कोमल पुष्पों से सजे तीर का प्रयोग किया था। हालांकि, उनके तूणीर में कई अन्य तीर भी उपलब्ध थे, किंतु उन्होंने उनका उपयोग नहीं किया। जाहिर है कि माता सती के वियोग में समाधिस्थ हो जाने वाले कमल पुष्प की पंखुरी से भी अधिक कोमल हृदय वाले 'हृदयारविंन्दे' भगवान शिव की समाधि भंग करने के लिए उनके हृदय पर पुष्प की ही कोमल चोट अपेक्षित एवं उपयुक्त थी।

शास्त्रों में वसंत- वसंतसाहित्यकारों, कलाकारों, संस्कृति कर्मियों और गीतकारों की प्रिय ऋतु है। यही कारण है कि इसका वर्णन-चित्रण प्रायः प्रत्येक युग और काल की रचनाओं में मिलता है। प्राचीनकाल से लेकर आधुनिक काल के रचनाकारों तक में शायद ही कोई ऐसा हुआ हो, जिसे वसंत के अप्रतिम सौंदर्य, रस, रंग, रूप, गंध, स्पर्श आदि ने मुग्ध औरमोहित नहीं किया हो। पुराणों, वेदों, स्मृतियों आदि धर्म ग्रंथों, भक्तकवि जयदेव के गीत गोविंद,महर्षि वाल्मीकि रचित रामायण और गोस्वामी तुलसीदास के रामचरित मानस से लेकर जयशंकर प्रसाद की कामायनी,पद्याकर, केशव, बिहारी, घनानंद, सेनापति एवं अन्य रीतिकालीन कवियों की रचनाओं में वसंत केसौंदर्य का अद्भुत एवं अप्रतिम वर्णन हुआ है। वहीं, आधुनिक युग के छायावादी रचनाकारों ने अपनी महत्वपूर्ण रचनाओं में इसे 'कामोद्दीपन की ऋतु'बताया है।

वसंत का सारगर्भित संदेश- जिस प्रकार, प्रकृति शरद के तप से समृद्ध होती है, उसी प्रकार जो व्यक्ति जीवन की उष्णता और तमस को नियंत्रित करने का तप करता है, उसके भीतर ही वसंत प्रकट होता है। दूसरे शब्दों में कहा जाए तो वसंत उसके ही जीवन में घटित होता है, जो जीवन के विविध संघर्षों, उष्णताओं, झंझावातों, प्रतिकूलताओं, विरोधाभासों और अंधकारों पर चिजय प्राप्त करता है। भगवान शिव के जीवन से प्रेरणा ली जा सकती है, जहां प्रधानता मन के बसंत की है। बता दें कि श्मशान में, अधोरों के वेश में, भूत-पिशाच से घिरे रहने वाले और कंठ में हलाहल को धारण करने वाले 'करुणा के अवतार' भगवान शिव के मन में 'सदा वसंतम्' का साम्राज्य कायम रहता है।

जयंती पर विशेष

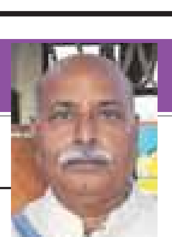

शिवकुमार शर्मा

लेखक प्रशासनिक अधिकारी रहे हैं।

छत्रपति शिवाजी महाराज : शौर्य,साहस और स्वाभिमान का दूसरा नाम

शिवाजी का बचपन साहस और कर्तव्य परायणता की कहानियों के बीच बीता। जीजाबाई ने उन्हें रामायण, महाभारत और अन्य पौराणिक कथाओं से प्रेरणा देने वाली कहानियां सुनाईं, जिससे उनमें धर्म, न्याय और स्वाभिमान का भाव विकसित हुआ। उनका पालन-पोषण मराठा संस्कृति और सैन्य शिक्षा के साथ हुआ। उनकी पहली सैन्य शिक्षा दादा जी कोंडदेव के मार्गदर्शन में हुई। स्वराज्य स्थापना का सपना- शिवाजी का मुख्य उद्देश्य स्वतंत्र और स्वायत्त शासन की स्थापना करना था। उन्होंने 'हिंदवी स्वराज्य' की अवधारणा को मूर्त रूप देने के लिए कड़ी मेहनत की। मात्र 16 वर्ष की आयु में उन्होंने तोरणा किले पर कब्जा कर अपने स्वराज्य की नींव रखी। इसके बाद कोंढाना, पुरंदर, राजगढ़ और अन्य किलों पर अधिकार कर उन्होंने मराठा साम्राज्य का विस्तार किया।

छत्रपति शिवाजी महाराज भारतीय इतिहास के महान और अद्वितीय योद्धा, कुशल रणनीतिकार और दूरदर्शी शासक थे या यह कहा जा सकता है कि अद्भुत शौर्य,अदम्य साहस और स्वाभिमान का दूसरा नाम है छत्रपति शिवाजी महाराज। उनका जन्म 19 फरवरी 1630 को महाराष्ट्र के शिवनेरी किले में हुआ था। उनके पिता शाहजी भोसले एक मराठा सरदार थे और माता जीजाबाई धार्मिक और वीरांगना महिला थीं। शिवाजी के व्यक्तित्व और विचारों को आकार देने में उनकी माता का विशेष योगदान रहा।

शिवाजी का बचपन साहस और कर्तव्यपरायणता की कहानियों के बीच बीता। जीजाबाई ने उन्हें रामायण, महाभारत और अन्य पौराणिक कथाओं से प्रेरणा देने वाली कहानियां सुनाईं, जिससे उनमें धर्म, न्याय और स्वाभिमान का भाव विकसित हुआ। उनका पालन-पोषण मराठा संस्कृति और सैन्य शिक्षा के साथ हुआ। उनकी पहली सैन्य शिक्षा दादा जी कोंडदेव के मार्गदर्शन में हुई।

स्वराज्य स्थापना का सपना- शिवाजी का मुख्य उद्देश्य स्वतंत्र और स्वायत्त शासन की स्थापना करना था। उन्होंने 'हिंदवी स्वराज्य' की अवधारणा को मूर्त रूप देने के लिए कड़ी मेहनत की। मात्र 16 वर्ष की आयु में उन्होंने तोरणा किले पर कब्जा कर अपने स्वराज्य की नींव रखी। इसके बाद कोंढाना, पुरंदर, राजगढ़ और अन्य किलों पर अधिकार कर उन्होंने मराठा साम्राज्य का विस्तार किया।

सैन्य उपलब्धियां-शिवाजी महाराज ने गुरिल्ला युद्ध की रणनीति को अपनाया, जिसे 'गणिमी कावा' कहा जाता है। उनके इस अनोखे युद्ध कौशल ने मुगलों,

आदिलशाही, और निजामशाही जैसे शक्तिशाली साम्राज्यों को कई बार पराजित किया। 1664 में उन्होंने सूरत पर हमला कर वहां की संपत्ति का उपयोग अपनी सेना को मजबूत करने के लिए किया। 1670 में सिंहगढ़ का वीरता से कब्जा करने का उनका अभियान इतिहास में अमर है।

औरंगज़ेब के साथ संघर्ष-मुगल सम्राट औरंगज़ेब ने शिवाजी को हराने के लिए कई प्रयास किए। 1666 में शिवाजी को आगरा दरबार में बुलाया गया, जहां उन्हें कैद कर लिया गया। लेकिन अपनी बुद्धिमत्ता और साहस के बल पर शिवाजी वहां से भागने में सफल रहे। इसके बाद उन्होंने मराठा साम्राज्य को और अधिक संगठित और शक्तिशाली बनाया।

छत्रपति के रूप में राज्याभिषेक-1674 में रायगढ़ किले पर शिवाजी का छत्रपति के रूप में राज्याभिषेक हुआ। इस अवसर ने मराठा साम्राज्य को औपचारिक पहचान दी। उन्होंने अपने प्रशासन को न्यायप्रिय और अनुशासित बनाया। कृषि, व्यापार, और राजस्व व्यवस्था में सुधार कर उन्होंने अपने प्रजा का जीवन स्तर ऊंचा किया।

शिवाजी महाराज न केवल हिंदुओं के लिए, बल्कि सभी धर्मों के प्रति समान दृष्टिकोण रखने वाले शासक थे। उन्होंने महिलाओं के प्रति सम्मान का आदर्श स्थापित किया।

3 अप्रैल 1680 को रायगढ़ किले में शिवाजी महाराज का देहांत हो गया। उनकी मृत्यु ने मराठा साम्राज्य को गहरा आघात पहुंचाया, लेकिन उनकी प्रेरणा से मराठा साम्राज्य आने वाले समय में और अधिक शक्तिशाली बना।

महाकवि भूषण, जो हिंदी और संस्कृत के महान कवि थे, ने छत्रपति शिवाजी महाराज की वीरता, नीति, और शासन कला का अद्भुत वर्णन किया है। उन्होंने शिवाजी को भारत के महानायक और धर्मरक्षक के रूप में चित्रित किया।

भूषण ने शिवाजी के गुणों की प्रशंसा करते हुए कहा है: 'शिवाजी से अच्छा कोई राजा नहीं, उनके जैसा वीर धरती पर नहीं हुआ।भूषण कवि उन पर गर्व करते हैं, जिनका नाम सुनकर दुश्मनों का रक्त जम जाता है।'

भूषण ने अपने प्रसिद्ध ग्रंथ 'शिवराज भूषण' में शिवाजी की बहादुरी, कूटनीति और हिंदवी स्वराज्य की स्थापना का वर्णन किया है। उन्होंने लिखाः 'भूषण व्यास कहत छत्रपति शिवराज।

भूपति भूधर गनत जिनहि सरत समाज।'

इसका अर्थ है कि शिवाजी महाराज ऐसे महान शासक हैं जिनकी शक्ति और प्रभाव के आगे अन्य राजा झुकते हैं।

भूषण ने शिवाजी को धर्मरक्षक और मुगलों के अत्याचारों का विनाशक बताया। उन्होंने शिवाजी की तुलना भगवान राम और अर्जुन जैसे महापुरुषों से की। उनके काव्य में शिवाजी को 'म्लेच्छों का नाश करने वाला' और 'हिंदू धर्म का उद्धारक' कहा गया है।

'जब कर्ण सम कोप करि कृपा सिंधु शिवराज।

भूषण बाँध्यो वसुधा विजय दंड पर ताज।'

इससे स्पष्ट होता है कि भूषण ने शिवाजी को एक ऐसे शासक के रूप में देखा, जो केवल युद्ध में ही नहीं, बल्कि न्याय और धर्म के क्षेत्र में भी अद्वितीय थे।

छत्रपति शिवाजी महाराज का जीवन साहस, निष्ठा, और स्वाभिमान का प्रतीक है। उन्होंने न केवल एक साम्राज्य की स्थापना की, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक प्रेरणा भी छोड़ गए। उनका जीवन हमें यह सिखाता है कि कठिन परिस्थितियों में भी संकल्प और आत्मविश्वास के बल पर असंभव को संभव बनाया जा सकता है। शिवाजी महाराज भारतीय इतिहास में सदैव अमर रहेंगे।

स्पोर्ट्स मीट हम भी हैं जोश में 2025 का आयोजन

संस्था संस्कारों की पाठशाला – किंडर बड्स स्कूल, इंदौर ने अपना वार्षिक खेल दिवस मनाया

सुबह सवेरे प्रतिनिधि धार।संस्था संस्कारों की पाठशाला - किंडर बड्स स्कूल इंदौर ने अपना वार्षिक खेल दिवस विंग्स टर्फ में मनाया। निदेशक डॉ धीरज हासीजा, प्राचार्य डॉ दीपिका हासीजा की उपस्थिति में विशेष अतिथि पंडित नितिन शर्मा, संजय जी पंजवानी, प्रो राकेश उपाध्याय थे। अतिथि सत्कार, मशाल वॉक, फील्ड वॉक, शपथ विधि से विधिवत इस कार्यक्रम का प्रारम्भ हुआ।

कक्षा प्री नर्सरी से कक्षा 5 तक के सभी विद्यार्थियों ने अलग अलग रेस कोच सचिन यादव के मार्गदर्शन में की जैसे - मंकी बनाना रेस, रैबिट केरेट रेस, बुक बेलेंस रेस, बॉल बकेट रेस, बलून रेस आदि। इसे उत्साह को दुगुना किया, 'हम भी है जोश में' डांस एवम एरोबिक्स प्रस्तुतियो ने, माताओ की बलून कपल बेलेंस रेस, पिताओं की रेस जो कि लक्की ड्रा द्वारा आयोजित की गई। सभी प्रतिभागियों को प्रोत्साहन सर्टिफिकेट एवं प्रथम, द्वितीय, तृतीय को क्रमशः गोल्ड, सिल्वर, ब्रॉन्ज (आर्टिफिशियल) पदक अतिथियों द्वारा प्रदान किये गए। संचालन सुरभि सुगंधि, ट्रेक निर्माण में सहायता लक्ष्य हासिजा एवम सक्रिय योगदान सपना राजदेव, मुस्कान बाग़ज़ई, मुस्कान पटवा एवम आकांशा कुशवाह ने एवम अंत मे आभार प्रदर्शन प्राचार्य महोदया ने व्यक्त किया। इंग्लिश न्यूज के एडिटर संजय पंजवानी ने किंडर बड्स स्कूल के सतत प्रयासो को सर्टिफ़िकेट देकर सराहा। अनिता कान्वेंट स्कूल की प्राचार्य अनिता देवड़ा ने निदेशक एवं प्राचार्य का स्वागत किया।

पिछले वर्ष की बोर्ड परीक्षा उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन की राशि अब तक नहीं मिली, सौंपा ज्ञापन

शिक्षक कांग्रेस संगठन ने अन्य मुद्दों पर भी सहायक आयुक्त से की निराकरण की मांग

धार। पिछले वर्ष की बोर्ड परीक्षाओं की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन की राशि लगभग एक वर्ष के बाद भी सभी मूल्यांकनकर्ता शिक्षकों को न मिलने को लेकर म प्र शिक्षक कांग्रेस ने सहायक आयुक्त मनीषा गौतम को ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन राज्य शासन द्वारा मान्यता प्राप्त संगठन म प्र शिक्षक कांग्रेस संघ के प्रतिनिधिमंडल ने अपने कार्यकारी प्रदेशअध्यक्ष एवं जिला अध्यक्ष डॉ स्मृति रत्न मिश्र की अगुवाई में दिया है तथा ज्ञापन में मांग की गई है कि पिछले वर्ष की बोर्ड परीक्षाओं की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन की राशि का भुगतान मूल्यांकनकर्ता शिक्षकों को तुरंत करवाया जाए क्योंकि मार्च में नए सिरे से बोर्ड परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य किया जाना है और अभी तक पिछले वर्ष की मूल्यांकन राशि का भुगतान ही शिक्षकों को समन्वयक संस्था उत्कृष्ट विद्यालय द्वारा नहीं किया गया है।मूल्यांकन कार्य करने वाले सभी शिक्षकों को अभी भी मूल्यांकन की राशि प्राप्त नहीं हुई है। कृषि संकाय विषय की उत्तर पुस्तिकाएं जांचने वाले व्याख्याता एवं शिक्षकों को भी अभी तक मूल्यांकन राशि का भुगतान समन्वयक संस्था उत्कृष्ट विद्यालय द्वारा नहीं किया गया है।

सहायक आयुक्त ने मोबाइल पर दिए निर्देश : मूल्यांकन राशि भुगतान को लेकर संघ के द्वारा ध्यान आकर्षित करने पर सहायक आयुक्त मनीषा गौतम ने तुरंत मोबाइल पर संस्था के प्रभारी से चर्चा कर तत्काल भुगतान करने के निर्देश दिए हैं।

अन्य समस्या भी रखी सहायक आयुक्त के सामने: शिक्षकों को मूल्यांकन राशि के भुगतान के अलावा शिक्षकों की क्रमोन्नति एवं पदोन्नति सूचियां तत्काल जारी किए जाने, जनजातिय कार्य विभाग में जिला स्तरीय, तहसील स्तरीय, ब्लॉक स्तरीय स्काउट गाइड एवं रेड क्रॉस समितियों में तत्काल निर्वाचन करवाए जाने, जिला स्तरीय खेल कैलेंडर तैयार करते समय विभाग के प्राचार्य को भी मीटिंग में अवगत कराया जाकर उन्हें खेलकूद प्रतियोगिताओं की सूचना देने और कैलेंडर की प्रति उपलब्ध करवाये जाने, विभागीय परामर्शदात्री समिति की बैठक का आयोजन करने जैसी अनेकों मांगों को भी प्रतिनिधिमंडल ने सहायक आयुक्त के समक्ष रखा जिस पर सहायक आयुक्त ने निराकरण का आश्वासन दिया है। प्रतिनिधि मंडल में संगठन के प्रांतीय सचिव अरुण सचान, जिला उपाध्यक्ष शिव नारायण डावर, धार तहसील अध्यक्ष सुरेश पवार, गंधवानी तहसील अध्यक्ष गिरीश वैष्णव, डीएस चौहान, अनिल खानबिलकार, शिवनारायण तिवारी,राधामोहन श्रीवास्तव सहित अनेक शिक्षक सम्मिलित थे।

नगरपालिका का राजस्व अमला टैक्स वसूली को लेकर नहीं सख्त

120 रुपये प्रतिमाह जलकर, फिर भी नहीं चुका रहे लोग, अभी भी 80 फीसदी बाकी

संजय द्विवेदी, बैतूल। वित्तीय वर्ष की समाप्ति को अब महज एक माह और कुछ ही दिन शेष रह गये है। लेकिन करों की वसूली को लेकर नगरपालिका के राजस्व अमले की रफ्तार धीमी है। यहां तक की लोगों ने जलकर तक जमा नहीं किया है। लोगों पर पिछले वर्ष यानि 2023-24 का ही करीब 1 करोड़ 17 लाख 97 हजार 991 रुपये बकाया है, जबकि अभी कुल जलकर के ही 2 करोड़ 21 लाख, 79 हजार 131 रुपये वसूलना बाकी है। दरअसल नगरपालिका के रिकॉर्ड में 13500 लोगों ने नल कनेक्शन ले रखे है। जिनसे नगरपालिका जलकर के रूप में 120 रुपये आवासीय और 600 रुपये प्रतिमाह टैक्स लेती है। लेकिन लोग जलकर का टैक्स समय पर जमा नहीं कर रहे है। नगरपालिका का राजस्व अमला भी करों की वसूली के लिए सख्त नहीं है। जलकर का भुगतान न करने वालों के नल कनेक्शन काटे जा रहे है और न ही सख्त कार्यवाही की जा रही है। जिससे लोग भी जलकर भुगतान को लेकर लापरवाह बने हुए है। यहीं वजह है कि नगरपालिका आर्थिक संकट से जूझ रही है। जिसका असर शहर के विकास पर पड़ रहा है।

जलकर का 20 फीसदी ही वसूल पाई नपा –नगरपालिका क्षेत्र अंतर्गत 13500 नल कनेक्शन है। नल कनेक्शन धारियों से नगरपालिका प्रतिमाह 120 रुपये आवासीय और 600 रुपये व्यवसायिक जलकर के रूप में टैक्स लेती है। नपा सूत्रों की माने तो नगरपालिका को जलकर के ही 2,79,87,191 रुपये की वसूली करना है, जिसमें से नपा राजस्व विभाग ने अब तक मात्र 20 फीसदी यानि 58,08,060 की वसूली की है। अभी नगरपालिका को कुल 2 करोड़ 21 लाख, 79 हजार 131 रुपये की राशि वसूलना बाकी है। इसके अलावा वर्ष 2023-24 की जलकर वसूली की राशि की वसूली बाकी है।

संपत्ति कर की वसूली की भी रफ्तार धीमी–नगरपालिका के राजस्व विभाग की रफ्तार न सिर्फ जलकर वसूली में धीमी है, बल्कि संपत्ति कर वसूली के हाल भी बेहद अच्छे नहीं है। नगरपालिका क्षेत्र में 20665 मकान है, जिनसे नपा संपत्ति कर वसूलती है। संपत्ति कर का नगरपालिका करीब 40 फीसदी ही टैक्स वसूली कर पाई है। अभी तक नगरपालिका का राजस्व अमला 1,51,80,282 रूपये ही वसूल पाया है। अभी भी नपा को संपत्ति कर का 60 फीसदी यानी 2,18,98,136 वसूली करना बाकी है। वित्तीय वर्ष 2024-25 मार्च में समाप्त हो जायेगा और नपा की कर वसूली की रफ्तार इसी तरह रही तो शायद ही नगरपालिका संपत्ति कर की शत-प्रतिशत वसूली कर पायेगी।

नपा की वित्तीय स्थिति पर पड़ रहा असर– शहर के लोग जागरूक होने के बावजूद विभिन्न करों का भुगतान देने में लेटलतीफी करते आए हैं। इसका खामियाजा नपा की वित्तीय स्थिति बिगडते जाती है। सीएमओ ने पूर्व में शहर के 33 वार्डों में अलग-अलग दिनों संपत्ति कर वसूली के लिए अभियान चलाने और करो की वसूली के लिए टीम भी बनाई थी। नपा ने 33 वार्डों में शिविर भी लगाए, लेकिन नतीजा सिफर निकला। डेढ़ माह तक शिविर लगाने के बावजूद नपा के खजाने में उतना राजस्व नहीं आया था, जितनी उम्मीद की जा रही थी। इसी वजह वार्डों में शिविर लगाकर वसूली का अभियान भी टाय-टाय फिश साबित हो गया।

अन्य कामों से पिछड़ रहा वसूली का काम –बताया जा रहा है कि राजस्व अमले के पीछे राजस्व वसूली के अलावा कई अन्य काम भी सौंपे जा रहे हैं। इस वजह राजस्व वसूली का काम पिछड़ते आ रहा है। दरअसल राजस्व अमले को वसूली के काम के अलावा शहर से अतिक्रमण हटाने की जिम्मेदारी भी सौंपी जाती है। यह काम भी वर्ष भर चलते रहता है। यही कारण है कि राजस्व वसूली की रफ्तार अतिक्रमण के कारण भी पिछड़ते जा रही है। एक राजस्व निरीक्षक, एक उपनिरीक्षक और छह राजस्व उपनिरीक्षक के जिम्मे अधिक काम होने से व्यवस्था चरमरा रही है।

राजस्व अमला भी अलर्ट नहीं –नपा के पास सबसे अधिक राजस्व अमले की टीम मौजूद है। यह टीम वसूली करने के अलावा विभिन्न टैक्स की वसूली के लिए काम करती है, लेकिन वित्तीय वर्ष समाप्ति के अंतिम दो माह में राजस्व वसूली में तेजी लाती है। इसी वजह शत प्रतिशत वसूली का काम हमेशा पिछड़ जाता है। भले ही सीएमओ बैठक लेकर राजस्व अमले को वित्तीय वर्ष समाप्ति के पहले शत प्रतिशत वसूली का लक्ष्य दिया, लेकिन राजस्व अमला चाहकर भी लक्ष्य पूरा नहीं कर पा रहा है। यही वजह है कि वसूली की रफ्तार अक्सर 70 से 80 प्रतिशत ही हो पाती है।

इनका कहना है –

राजस्व वसूली वर्षभर चलती है। फरवरी और मार्च माह में लक्ष्य को शत प्रतिशत पूरा करने का प्रयास किया जाता है। करों की वसूली के लिए वार्डो में शिविर भी लगाये जाते है।

– ब्रजगोपाल परते, राजस्व निरीक्षक नपा बैतूल

फिर मिली अफीम की अवैध खेती

धंसेड में एक एकड़ में लगे मिले पौधे, एक को किया गिरफ्तार

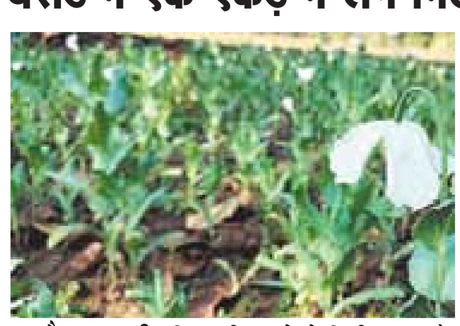

बैतूल/सारनी। विश्वसनीय सूत्रों से मिली सूचना के आधार पर सारनी थाना पुलिस ने मंगलवार धसेड़ क्षेत्र में एक एकड़ भूमि पर अफीम की अवैध खेती का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने स्थानीय सूत्र से जानकारी प्राप्त करने के बाद इस ऑपरेशन को अंजाम दिया। सूत्रों के अनुसार, लगभग दो-तीन साल से इस भूमि पर अफीम की खेती के लिए अवैध रूप से पौधे लगाए जा रहे थे। पुलिस टीम को सूचना मिली थी कि इस क्षेत्र में नशीले पदार्थों की खेती की जा रही है और यह अपराधी तत्वों द्वारा स्थानीय युवाओं को प्रभावित करने की एक कोशिश हो सकती। सूचना के बाद, पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए रात के अंधेरे में छापा मारा और अफीम की खेती के पौधों को जब्त किया है। यहां मिली खेती में कुछ छोटे और कुछ बड़े पौधे पाए गए हैं। बीते चार दिनों में घोड़ाडोंगरी ब्लॉक में अफीम की खेती का दूसरा मामला सामने आने से जिले के लोगों के बीच अफीम की खेती चर्चा का विषय बन गई है। सारणी थानांतर्गत ग्राम पंचायत धसेड़ के खकराढाना गांव निवासी छतन उईके के करीब एक एकड़ खेत में अफीम की फसल लहलहा रही थी। सूचना मिलते ही पुलिस ने बिना देर किए सोमवार रात से ही कार्रवाई शुरू कर दी। सुबह होते-होते समीपस्थ गांव में अफीम की खेती की खबर जंगल की आग की तरह पूरे जिले और प्रदेश में फैल गई। उधर पुलिस ने खेत मालिक छतर उईके को हिरासत में लिया तो पूछताछ के दौरान छतर ने बताया कि खेत पप्पू चक्रवान और उसके बेटे प्रियांशु चक्रवान को बटाई पर दिया है, इसके बाद पुलिस ने मुख्य आरोपी प्रियांशु चक्रवान को पकड़ लिया। यह छापामार कार्यवाही स्थानीय सारणी- पाथाखेड़ा थाने के पुलिसकर्मियों व मुलताई, रानीपुर थाना की पुलिस की संयुक्त टीम के द्वारा की गई 7 पुलिस ने खेत को चारों तरफ से घेरा रखा था, बताया जा रहा है कि सोमवार रात 8 बजे से धसेड़ और खकराढाना गांव पुलिस छावनी में तब्दील है। रात में ही घेराबंदी कर खेत मालिक और किराए पर खेत लेकर खेती करने वाले के पुत्र को पुलिस ने अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की है। जबकि रात के अंधेरे और घने जंगल का फायदा उठाकर खेती करने वाला आरोपी भाग निकला।

पुलिस और राजस्व विभाग कर रहा रकबे का सीमांकन –एसडीओपी रोशन कुमार जैन ने बताया सूचना के बाद से ही अवैध रूप से अफीम की खेती करने वालों के विरूद्ध कार्रवाई का सिलसिला जारी है। रविवार रात से चल रही कार्रवाई सोमवार देर रात तक चल सकती है। दरअसल पंचनामा तैयार करने के अलावा अफीम के पौधों की गिनती और वजन करने के साथ-साथ फोटो वीडियोग्राफी तक की जाएगी। इसके बाद अफीम की खेती करने वाले आरोपी और खेत मालिक के विरूद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस प्रशासन ने राजस्व विभाग को मौके पर बुलाकर अफीम की खेती वाले रकबे का सीमांकन कराया जा रहा है। और सारणी पुलिस अब इस मामले में विस्तृत जांच के साथ-साथ अन्य संभावित आसपास के क्षेत्रों, चोपना और घने जंगलों से सटे खेतों की जांच करवा रही है।

हृदय रोग से पीड़ित 7 बच्चों को उपचार के लिए किया भोपाल रवाना

बैतूल। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत चिन्हित जन्मजात हृदय रोग से पीड़ित 7 बच्चों को उग्रिम उपचार एवं शल्यक्रिया हेतु सीएमएचओ डॉ रविकांत उइके ने मंगलवार को कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय से हरी झण्डी दिखाकर भोपाल रवाना किया। सीएमएचओ डॉ.उइके ने बताया कि कु.प्रियांशी पिता श्री संतोष यादव उम्र 3 वर्ष निवासी ग्राम चिड़िया चिचोली, रिहान पिता श्री संतोष यादव उम्र 3 वर्ष निवासी ग्राम चिड़िया चिचोली, कु.डॉली पिता श्री भगवानदास यादव उम्र 8 वर्ष निवासी शाहपुर, वंश पिता श्री शिवराज निवासी ग्राम दूधिया चिचोली को जे.के. हॉस्पिटल भोपाल भेजा गया। अमन पिता श्री राजेन्द्र बैठे निवासी पंडरा घोड़ाडोंगरी, करण पिता श्री गुलाब उम्र 13 वर्ष निवासी घाट पिपरिया मुलताई, रोशन पिता श्री नमेश उम्र 2 वर्ष निवासी ग्राम माजरवानी भैंसदेही को चिरायू हॉस्पिटल भोपाल भेजा गया।

पावर प्लांट में सुरक्षाकर्मी खाकी ड्रेस का कर रहे दुरुपयोग, सीएमडी-एसपी से शिकायत

बैतूल/सारणी। मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड के सतपुड़ा ताप विद्युत गृह सारणी में कार्यरत भूतपूर्व सैनिक कल्याण बोर्ड के ठेका कर्मी आर्मी और खाकी ड्रेस का दुरुपयोग कर भय फैला रहे। गणेश बिहारी ने आपत्ति लेते हुए सीएमडी जबलपुर, सैनिक कल्याण बोर्ड भोपाल, पुलिस अधीक्षक बैतूल, एसडीओपी सारनी, थाना प्रभारी सारनी, मुख्य अभियंता सतपुड़ा प्लांट सारनी, प्लांट सुरक्षा अधिकारी को शिकायत कर ड्रेस कोर्ट बदलने की मांग की है। शिकायतकर्ता गणेश बिहारी ने बताया कि पॉवर प्लांट में सुरक्षा की दृष्टि से ठेके पर लगे भूतपूर्व सैनिक कल्याण बोर्ड के सैनिक आर्मी वर्दी पहन कर शराब के नशे में दादागिरी करते हैं। जबकि नियमानुसार सैनिक कल्याण बोर्ड के ठेकेदारों को ड्रेस कोड दिया गया हैं। सिर्फ मध्य प्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी सारणी में नियमों को ताक पर रखकर नियम का दुरुपयोग कर अनदेखी कि जा रही हैं। जबकि सैनिक कल्याण बोर्ड द्वारा नीली शर्ट एवं ग्रे कलर का पेंट ड्रेस कोड दिया गया है। लेकिन पॉवर प्लांट सारनी में आर्मी की ड्रेस एवं खाकी ड्रेस पहने ड्युटी की जा रही है, जो नियम विरुद्ध हैं, जबकि खंडवा, चचाई और बिरसिंहपुर पावर प्लांटों में नीली शर्ट एवं ग्रे कलर का पेंट पर नियम से ही ड्युटी की जा रही है। इसलिए गणेश बिहारी ने आपत्ति उठाकर कहा सुरक्षा गार्डों की ड्रेस कोड तत्काल बदली जाये, सुरक्षा गार्ड आर्मी एवं खाकी कि ड्रेस नहीं पहन सकते क्योंकि सुरक्षा गार्ड एक निजी संस्था में कार्यरत हैं। ऐसी स्थिति में ठेकेदार द्वारा ड्रेस कोड दिया गया है। गणेश बिहारी ने कहा मुख्य अभियंता को इस मामले में तुरंत कार्यवाही करनी चाहिये। साथ ही पुलिस विभाग को भी मामला संज्ञान में लेकर कार्रवाई करना चाहिए। आर्मी की ड्रेस और खाकी ड्रेस पहने शहर में घुमना अपराध की श्रेणी में आता हैं।

अवैध फर्नीचर कारखाने पर वन विभाग का छापा, 4 आरोपी गिरफ्तार

बैतूल। बैतूल में वन विभाग ने सोमवार शाम अवैध फर्नीचर निर्माण के खिलाफ कार्रवाई की। सावलीगढ़ रेंज के भुरभुर गांव में छापेमारी के दौरान विभाग ने 2.70 लाख रुपए से ज्यादा कीमत की सागौन लकड़ी जब्त की है। मुख्य वन संरक्षक बासु कन्नौजिया और पश्चिम बैतूल वन मंडल के डीएफओ वरुण यादव के निर्देशन में की गई कार्रवाई में 2 क्यूबिक मीटर से ज्यादा सागौन बरामद की गई। टीम ने 8 सागौन के लठे और 48 चिरान समेत कुल 56 नग लकड़ी के साथ 2 कटर मशीनें भी जब्त कीं। छापेमारी के दौरान चार आरोपी मुन्नालाल, साहबलाल, कुंदन और सुंदरलाल को पकड़ा गया।

बच्चों को विटामिन-ए की खुराक पिलाकर दस्तक अभियान के द्वितीय चरण का किया शुभारंभ

बैतूल। जिला अस्पताल में मंगलवार को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ रविकांत उइके, सिविल सर्जन डॉ जगदीश घोरे, आरएमओ डॉ रानू वर्मा ने बच्चों को विटामिन-ए का सिरप पिलाकर दस्तक अभियान के द्वितीय चरण का शुभारंभ किया। सीएमएचओ डॉ उइके ने कहा कि दिनांक 18 फरवरी से 18 मार्च 2025 तक चलाये जाने वाले दस्तक अभियान के द्वितीय चरण में 9 माह से 5 वर्षीय समस्त बच्चों को टीकाकरण दिवस के दौरान विटामिन-ए का अनुपूरण एएनएम द्वारा अथवा एएनएम की निगरानी में आशा/आंगनवाड़ी कार्यकर्ता द्वारा कराया जाएगा।

सीएमएचओ डॉ.उईके ने स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को निर्देशित किया कि दस्तक अभियान के प्रथम चरण में 6 माह से 5 वर्ष तक के चिन्हित एनीमिक बच्चों (अल्प, मध्यम एवं गंभीर) का एनीमिया फॉलोअप गंभीरता पूर्वक किया जाये। ध्यान रखा जाए कि हीमोग्लोबीनोमीटर से जांच एवं यथोचित उपचार में कोई लापरवाही न बरती जाये। अभियान के सफल संचालन के लिये उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं को सहयोग एवं समन्वय से कार्य करने हेतु निर्देशित किया। इस अवसर पर प्रभारी जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ प्रांजल उपाध्याय, प्रभारी एनआरसी डॉ अशोक कुमार उइके, जिला मीडिया अधिकारी श्रीमती श्रुति गौर तोमर, उप जिला मीडिया अधिकारी महेशराम गुबरेले, डीपीएम डॉ विनोद शाक्य, एमएण्डईओ मनोज चढ़ोकार, डीसीएम कमलेश मसीह, डाटा मैनेजर तापीदास चढ़ोकार, सहायक अस्पताल प्रबंधक दशन पेन्द्राम, एनएमए शेखर हारोड़े उपस्थित रहे।

माँ तापी की महाआरती के बाद संतों के हुए सत्संग

बैतूल। उद्गम स्थल मुलताई से संगम स्थल सूरत डुमस तक की 18वीं परिक्रमा पदयात्रा निकाली जा रही है। आज मंगलवार 18 फरवरी को सुबह माँ तापी की महाआरती तथा पूजन के बाद दोपहर 3 बजे से 5 बजे तक संतों के सत्संग हुए। जिसके पश्चात संध्या आरती के बाद रात्रि में भजन आयोजित किये गये। आज 19 फरवरी को सुबह आश्रम से डुम्मस के लिए पदयात्री रवाना हुए, जो डुम्मस में विश्राम कर 20 फरवरी की सुबह यात्रा का समापन होगा।

ग्राम नवासा के नवनिर्मित मंदिर में 21 को विराजेंगे नर्मदेश्वर महादेव

सप्त दिवसीय महायज्ञ का आयोजन आरंभ,सनातन संस्कृति को पल्लवित और पोषित करते है: सावित्री ठाकुर

धार। समीप ग्राम नवासा में श्री नर्मदेश्वर सेवा समिति, भाजपा नेता जसवंतसिंह राठौर नवासा एवं धार्मिक श्रद्धालुओं के संयुक्त प्रयासों से मंदिर का निर्माण हुआ है। नवासा शिव मंदिर में महादेव की प्राण प्रतिष्ठा 21 फरवरी को होगी। 15 फरवरी से करीब सात दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान आरंभ हो गए हैं। 21 फरवरी को महाप्रसादी वितरण का कार्यक्रम होने जा रहा है।

मंगलवार को श्री नर्मदेश्वर महादेव मंदिर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में केंद्रीय राज्यमंत्री एवं धार सांसद सावित्री ठाकुर ने पहुंचकर यज्ञ भगवान के दर्शन किए एवं यज्ञ मंडप की परिक्रमा कर धर्मलाभ प्राप्त किया। श्रीमती ठाकुर ने अपने उधबोधन मे उन्होने कहा कि इस प्रकार के आयोजन से ग्राम वासियों पर ईश्वर की कृपा तो रहती ही है और ईश्वर प्रसन्न होते है। इस आयोजन के लिए उन्होने ग्राम वासियों को शुभकामनाए दी और भगवान से प्रार्थना की हमारा देश दिन प्रतिदिन उन्नति करता रहे। केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि इस प्रकार के आयोजन सनातन संस्कृति को पल्लवित एवं पोषित करते है, यज्ञ भगवान आपके गांव पर प्रसन्न हुए है इसलिए इतने बडे आयोजन का अवसर आपको मिला है आप सौभाग्यशाली हो कि भगवान ने इतने पुनित और पवित्र आयोजन को करने की जिम्मेदारी आपको दी है। इस अवसर पर धार जिला पत्रकार संघ के अध्यक्ष पं. छोटू शास्त्री भी उपस्थित थे। प्रारंभ मे वरिष्ठ भाजपा नेता जसवंतसिंह राठौर एवं भाजपा खेल प्रकोष्ठके जिलाध्यक्ष लाखन नवासा ने स्वागत कर आयोजन पर प्रकाश डाला।

लाखनसिंह नवासा ने बताया कि ग्राम के नवनिर्मित मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के तहत 19 फरवरी को 108 हनुमान चालीसा पाठ होगा। महाअभिषेक एवं नगर भ्रमण 20 फरवरी को आयोजित होगा। 21 फरवरी को प्राण प्रतिष्ठा, महाआरती एवं पूर्णाहुति के साथ भोजन प्रसादी होगी। प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के प्रथम दिन से ही पीपलखुटा वाले दाड़की वाले बापजी का सानिध्य प्राप्त हो रहा है तथा दूसरे दिन मंदिर परिसर क्षेत्र में श्री गणेश गुरुदेव जी महाराज तिरला द्वारा त्रिवेणी पौधे का रोपण किया गया। प्राण प्रतिष्ठा एवं पूर्णाहुति के दिन महामंडलेश्वर दो नरसिंहदास जी महाराज मांडव महंत एवं श्री श्री 1008 अवधूत नर्मदानंद बापजी महाराज आयोजन में शामिल होकर धर्मप्रेमी जनता को आशीर्वचन देंगे। इस महायज्ञ में यज्ञाचार्य पंडित सुनील कुमार चौबे जी द्वारा संपन्न

टाइगर कॉरिडोर में चीतल की दर्दनाक मौत

बैतूल। बैतूल-भोपाल हाईवे पर निशाना डेम के पास एक चीतल की वाहन से टकराकर मौत हो गई। छोटी माई मंदिर के पास यह क्षेत्र टाइगर कॉरिडोर का हिस्सा है, जहां वन्य प्राणियों की नियमित आवाजाही होती है। वन विभाग के डीएफओ विजयनंतम टीआर ने बताया कि मृत पाए गए स्पॉटेड डियर (चीतल) के मुंह पर गंभीर चोट के निशान मिले हैं। वन विभाग की टीम ने शव के पोस्टमार्टम की कार्रवाई शुरू कर दी है। बैतूल रेंज इंचार्ज विनोद जाखड ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और प्रारंभिक जांच में दुर्घटना की पुष्टि की। यह घटना उत्तर वन मंडल के क्षेत्र में हुई, जो एक संवेदनशील टाइगर कॉरिडोर है। इससे पहले वन्यजीवों की सुरक्षा को लेकर दायर एक याचिका के बाद यहां हाईवे निर्माण कार्य को रोकना पड़ा था। याचिकाकर्ता ने इस क्षेत्र को प्रोटेक्टेड एरिया बताते हुए वन्य प्राणियों के सुरक्षित आवागमन के लिए ओवरब्रिज की मांग की थी, जैसा कि वन्यजीव अभयारण्यों और राष्ट्रीय उद्यानों में होता है। सरकार ने इस मांग को स्वीकार करते हुए ओवरब्रिज निर्माण के लिए बजट भी आवंटित कर दिया है। शेड्यूल 2 में संरक्षित चीतल की इस दुर्घटना ने वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए ओवरब्रिज की आवश्यकता को एक बार फिर रेखांकित किया है।

बुजुर्ग की जिंदगी भर की कमाई बैंक से गायब

बेटी की शादी सिर पर, बैंक में नहीं बचा एक भी रुपया परेशान पिता ने बैंक के खिलाफ कलेक्टर से की शिकायत

बैतूल। शहर की एक निजी बैंक के खाताधारक की जिंदगीभर की कमाई बैंक से गायब हो गई, जिससे वह सदमे में हैं। मिली जानकारी के अनुसार 70 वर्षीय पंचम पिता रामलाल ने शहर की एक निजी बैंक में 5 लाख रुपये की फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) करवाई थी, लेकिन जब उन्होंने पैसे निकालने के लिए बैंक का रुख किया, तो उन्हें झटका लगा। बैंक अधिकारियों ने बताया कि उनके खाते में कोई पैसा नहीं है।

बुजुर्ग ने पूरे डाक्यूमेंट्स के साथ शिकायत दर्ज कराई, लेकिन तीन दिन बीतने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई। पंचम ने बताया कि उनकी बेटी की शादी तीन महीने बाद है और इस रकम से शादी की तैयारियां होनी थी। लेकिन बैंक से पैसा ही गायब हो गया। उन्होंने बैंक मैनेजर अंकित चौबे से भी लिखित में शिकायत की, लेकिन कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला। खाताधारक पंचम रामलाल ने बताया कि बैंक के एक कर्मचारी ने यह फिक्स्ड डिपॉजिट करवाई थी। अब जब उन्होंने बैंक जाकर पैसे मांगे तो बैंक की ओर से कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया जा रहा। बुजुर्ग ने इस पूरे मामले की शिकायत बैतूल के गंज थाने में दर्ज कराई थी। पुलिस ने तीन दिन का समय मांगा था, लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। पंचम रामलाल अब बैंक और प्रशासन से बस यही अपील कर रहे हैं कि उन्हें उनका पैसा वापस दिलाया जाए, जिससे उनकी बेटी की शादी की तैयारियां समय पर हो सकें। उन्होंने कलेक्टर से इस मामले में हस्तक्षेप करने की मांग की है।

बीएमएचआरसी में अब फोन से मिलेगा अपॉइंटमेंट

24×7 हेल्पलाइन सेवा भी शुरू, एक घंटे के भीतर डॉक्टर से मिल सकेंगे

भोपाल (नप्र)। भोपाल स्मारक अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र ने मरीजों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए फोन के जरिए अपॉइंटमेंट लेने की नई सुविधा शुरू की है। अब मरीज 1800-233-2085 पर कॉल करके किसी भी विभाग के चिकित्सक से परामर्श के लिए अपॉइंटमेंट ले सकते हैं। इस सुविधा का उद्देश्य मरीजों को बेहतर और त्वरित चिकित्सकीय सहायता प्रदान करना है।

बीएमएचआरसी की प्रभारी निदेशक डॉ. मनीषा श्रीवास्तव ने बताया- हेल्पलाइन से गैस पीड़ित सहित कोई भी मरीज आसानी से अपॉइंटमेंट ले सकता है। अपॉइंटमेंट प्रक्रिया के तहत मरीज को अपना नाम, शहर और परामर्श के लिए जरूरी विभाग की जानकारी देनी होगी। इसके बाद हेल्पलाइन ऑपरेटर उन्हें निर्धारित तिथि और समय का अपॉइंटमेंट प्रदान करेगा। अपॉइंटमेंट की पुष्टि के लिए मरीज को एक एसएमएस भी प्राप्त होगा।

डॉ. श्रीवास्तव ने यह भी बताया कि अपॉइंटमेंट लेकर आने वाले मरीजों को चिकित्सकीय परामर्श में प्राथमिकता दी जाएगी और उन्हें एक घंटे के भीतर डॉक्टर से मिलने की सुविधा मिलेगी। हेल्पलाइन ऑपरेटर मरीजों को यह जानकारी भी देंगे कि किस दिन किस विभाग की ओपीडी संचालित होती है और वे किस डॉक्टर से मिल सकते हैं।

अपॉइंटमेंट प्रक्रिया के लिए दिशा-निर्देश

- अस्पताल पहुंचकर मरीजों को पहले पर्चा बनवाना होगा।
- मरीजों को अपनी मेडिकल रिकॉर्ड फाइल लेकर संबंधित ओपीडी में पहुंचना होगा।
- प्रत्येक ओपीडी में अधिकतम 30 अपॉइंटमेंट जारी किए जाएंगे।

24×7 हेल्पलाइन सेवा

बीएमएचआरसी ने मरीजों और आम लोगों की सहायता के लिए एक 24×7 हेल्पलाइन नंबर 0755-2740875 भी शुरू किया है। इस नंबर पर कॉल करके मरीज रजिस्ट्रेशन, ओपीडी समय, डॉक्टरों की उपलब्धता, विभागों की जानकारी और अन्य सेवाओं से जुड़ी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। बीएमएचआरसी कर्मचारी हेल्पलाइन पर मरीजों के प्रश्नों का जवाब देने के लिए हमेशा उपलब्ध रहेंगे।

मुख्यमंत्री 21 को प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को अंतरित करेंगे लैपटॉप की राशि

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शुक्रवार 21 फरवरी को प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के बैंक खाते में लैपटॉप की राशि अंतरित करेंगे। राज्य स्तरीय कार्यक्रम प्रातः 10:30 बजे भोपाल के आरसीव्हीपी नरोन्हा प्रशासन अकादमी के स्वर्ण जयंती सभागार में होगा। स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल की परीक्षा वर्ष 2023-24 में कक्षा 12 में 75 प्रतिशत या उससे अधिक अंक से उत्तीर्ण होने वाले 89 हजार 710 प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को सिंगल क्लिक से उनके बैंक खातों में 224 करोड़ रूपये की राशि भी अंतरित करेंगे। ये विद्यार्थी वर्तमान में उच्च शिक्षा संस्थान में अध्ययन कर रहे हैं।

प्रत्येक प्रतिभाशाली विद्यार्थी को 25 हजार रुपये की राशि स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा लैपटॉप खरीदने के लिये दी जा रही है।

एमपी हाई कोर्ट ने दिया निर्देश

पीथमपुर में 27 फरवरी से होगी यूनियन कार्बाइड का जहरीला कचरा जलाने की शुरुआत

पहले चरण में 10 मीट्रिक टन कचरा जलाया जाएगा, सभी तरह की गाइडलाइन का पालन करना होगा

जबलपुर (नप्र)। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सुरेश कुमार कैत व न्यायमूर्ति विवेक जैन की युगलपीठ ने पीथमपुर में यूनियन कार्बाइड के कचरा विनिष्टीकरण (कचरा जलाने) का ट्रायल रन शुरू करने का निर्देश दिया है।

कोर्ट ने कहा है कि 27 फरवरी को पहले चरण में 10 मीट्रिक टन कचरा जलाया जाए। इसके बाद इसी मात्रा के दो दौर यानी कुल तीन प्रारंभिक चरण पूर्ण किए जाएं।कोर्ट ने आगे कहा, इस प्रक्रिया में प्रदूषण नियंत्रण मंडल सहित अन्य की गाइडलाइन का पूर्ण पालन सुनिश्चित किया जाए। तीनों ट्रायल रन के आफ्टर इफेक्ट की रिपोर्ट 27 मार्च को कोर्ट में पेश की जाए। इसके आधार पर आगामी दिशा-निर्देश जारी किए जाएंगे।

कोर्ट में ऐसे चला बहस का दौर

मंगलवार को सुनवाई के दौरान सर्वप्रथम वरिष्ठ अधिवक्ता नमन नागरथ ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि हाई कोर्ट पूर्व आदेशों में यूनियन कार्बाइड कचरा विनिष्टीकरण को लेकर स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी कर चुका है। इसके बावजूद राज्य शासन पालन कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने की दिशा में अपेक्षाकृत गंभीर नजर नहीं आ रही है।

उक्त आरोप के जवाब में महाधिवक्ता प्रशांत सिंह ने राज्य की ओर से साफ किया कि हमने हाई कोर्ट के विगत निर्देश के पालन में जन जागृति प्रसारित करने काफी कार्य किया है। मसलन, पर्चे वितरित किए। नुक्कड़ नाटक किए। नगर निगम व जिला प्रशासन के स्तर पर चर्चा-परिचर्चा के माध्यम से वाद-विवाद-संवाद का वातावरण तैयार किया।

इस प्रक्रिया में यह स्पष्ट करने का पूर्ण प्रयास किया कि हाई कोर्ट के निर्देश पर यूनियन कार्बाइड का कचरा पीथमपुर तक परिवहन होकर पहुंच चुका है, जिसे वैज्ञानिक प्रविधि से जलाने से स्थानीय पर्यावरण आदि को कोई नुकसान नहीं होगा।

सुप्रीम कोर्ट में मामला होने का तर्क भी रखा गया

सुनवाई के दौरान यह मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचने का तर्क भी रखा गया। इस पर कोर्ट ने साफ कर दिया कि हम पूर्व निर्देश के पालन को लेकर सुनवाई कर रहे हैं। लिहाजा, राज्य शासन उसी पर फोकस करे। हमारा मकसद मामले को सुलझाना होना चाहिए न कि उलझाना।

राज्यपाल श्री पटेल से मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने की सौजन्य भेंट

भोपाल (नप्र)। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल से सौजन्य भेंट के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज राजभवन पहुँचे। राज्यपाल श्री पटेल को मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पुष्पगुच्छ भेंट किया। उन्होंने विभिन्न विषयों पर चर्चा भी की।

जबलपुर में एग्जाम के बीच में प्रिंसिपल को आया मेल, खाली करना पड़ा स्कूल, बम डिस्पोजल टीम मौके पर पहुंची, कुछ नहीं मिला

जबलपुर (नप्र)। जबलपुर के सेंट ग्रेबियल स्कूल में मंगलवार सुबह बम की अफवाह से हड़कंप मच गया। स्कूल के प्रिंसिपल को एक ऑफिशियल ईमेल में बम होने की सूचना मिली। इसके बाद स्कूल प्रशासन ने तुरंत पुलिस को खबर दी और बच्चों को स्कूल से सुरक्षित बाहर निकाला गया। पुलिस, बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वॉड ने स्कूल की पूरी जांच की लेकिन बम नहीं मिला। यह सूचना झूठी निकली। पुलिस अब ईमेल भेजने वाले की तलाश में जुटी है।

मंगलवार सुबह करीब साढ़े दस बजे सेंट ग्रेबियल स्कूल के प्रिंसिपल षाजी जोसेफ को उनके ऑफिशियल ईमेल पर स्कूल में बम होने का मैसेज मिला। यह देखकर स्कूल प्रशासन के होश उड़ गए। उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही सीएसपी से लेकर पुलिस बल और बम निरोधक दस्ता स्कूल पहुंचा। स्कूल की हर जगह, हर कक्षा, हर कोने की बारीकी से तलाशी ली गई। लेकिन बम का कोई निशान नहीं मिला। इससे साफ हो गया कि यह सूचना महज एक अफवाह थी।

स्कूल में चल रही थी परीक्षाएं

इस घटना के समय स्कूल में पहली से आठवीं कक्षा तक की परीक्षाएं चल रही थीं। करीब 2000 बच्चे परीक्षा दे रहे थे। बम की सूचना मिलते ही सभी बच्चों को तुरंत स्कूल से बाहर निकाला गया। बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह कदम उठाया गया। सूचना मिलने के दस मिनट के अंदर ही पुलिस टीम स्कूल पहुंच गई थी। इस घटना की जानकारी मिलते ही बच्चों के माता-पिता भी स्कूल पहुंच गए। सभी लोग दहशत में थे। स्थानीय विधायक अशोक रोहाणी भी मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया।

जांच में जुटी पुलिस

पुलिस ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है। साइबर सेल की मदद से यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि यह ईमेल किसने भेजा। सीएसपी विवेक गौतम ने बताया कि लगभग 10.45 बजे सेंट ग्रेबियल स्कूल के प्राचार्य के ऑफिशियल मेल में सूचनात्मक तौर पर स्कूल में बम होने की जानकारी भेजी गयी थी।

स्कूल के प्रिंसिपल षाजी जोसेफ ने बताया कि स्कूल में बम होने का मेल प्राप्त होने के बाद उन्होंने तत्काल इस संबंध में पुलिस को सूचित किया। उस दौरान 2 हजार बच्चे एग्जाम दे रहे थे।बच्चों को समय से बाहर निकाल लिया गया।

बनारस से मुंबई जा रही कामायनी एक्सप्रेस में बम की सूचना, बीना स्टेशन पर यात्रियों को उतारा

भोपाल (नप्र)। कामायनी एक्सप्रेस में बम होने की सूचना के बाद यात्रियों में हड़कंप मच गया। सूचना मिलने पर बीना रेलवे जंक्शन पर ट्रेन को रोका गया है। करीब डेढ़ घंटे से ट्रेन में सर्चिंग की जा रही है इस काम में आरपीएफ, जीआरपी सहित बीना पुलिस के कर्मचारी लगे हुए हैं। बम निरोधक दस्ता भोपाल को भी इसकी खबर दी गई है। मौके पर पहुंचकर जांच करेगा।

प्रयागराज कुंभ; उत्तर-मध्य रेलवे ने निरस्त की कई ट्रेनें

लिस्ट में भोपाल से गुजरने वाली 16 गाड़ियां शामिल, दो ट्रेन शॉर्ट टर्मिनेट

भोपाल (नप्र)। उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज मंडल ने महाकुभ मेला 2025 के मद्देनजर कई ट्रेनों के परिचालन में बदलाव किया है। प्रशासनिक और परिचालन कारणों से भोपाल मंडल से होकर गुजरने वाली कई महत्वपूर्ण ट्रेनों को निरस्त किया गया है। इसमें 16 ट्रेनें शामिल हैं। जिसमें दादर-बलिया स्पेशल, एलटीटी-गोरखपुर, छपरा एक्सप्रेस आदि शामिल हैं। रेलवे ने यात्रियों से अनुरोध किया है कि वे असुविधा से बचने के लिए रेलवे की अधिकृत पूछताछ सेवा एनटीईएस/139 से ट्रेनों की सही स्थिति की जानकारी प्राप्त करके ही यात्रा की योजना बनाएं।

इन ट्रेनों को किया गया निरस्त

ताप्ती-गंगा एक्सप्रेस (19045 सूरत-छपरा) - 19 फरवरी
ताप्ती-गंगा एक्सप्रेस (19046 छपरा-सूरत) - 21 फरवरी
अहमदाबाद-बरौनी एक्सप्रेस (19483) - 19 फरवरी
बरौनी-अहमदाबाद एक्सप्रेस (19484) - 21 फरवरी
क्षिप्रा एक्सप्रेस (22911 इंदौर-हावड़ा) - 18 फरवरी
क्षिप्रा एक्सप्रेस (22912 हावड़ा-इंदौर) - 20 फरवरी
दादर-बलिया स्पेशल (01025 दादर-बलिया) - 19 फरवरी
बलिया-दादर स्पेशल (01026 बलिया-दादर) - 21 फरवरी
एक्सप्रेस स्पेशल (01027 दादर-गोरखपुर) - 18 फरवरी
एक्सप्रेस स्पेशल (01028 गोरखपुर-दादर) - 20 फरवरी
लोकमान्य तिलक टर्मिनस-गोरखपुर एक्सप्रेस (11055) - 19 फरवरी
गोरखपुर-लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस (11056) - 21 फरवरी
लोकमान्य तिलक टर्मिनस-छपरा एक्सप्रेस (11059) - 18 फरवरी
छपरा-लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस (11060) - 20 फरवरी
आनंद विहार टर्मिनस-रीवा एक्सप्रेस (12428) - 18 व 19 फरवरी
रीवा-आनंद विहार टर्मिनस एक्सप्रेस (12427) - 19 व 20 फरवरी

डॉ. अंबेडकर नगर-प्रयागराज एक्सप्रेस शॉर्ट टर्मिनेट/ओरिजिनेट

ट्रेन संख्या 14115 (डॉ. अंबेडकर नगर-प्रयागराज) - 18 से 27 फरवरी 2025 तक खजुराहो स्टेशन तक की जाएगी, यह ट्रेन खजुराहो से प्रयागराज के बीच निरस्त रहेगी।

ट्रेन संख्या 14116 (प्रयागराज-डॉ. अंबेडकर नगर) -१ 19 से 28 फरवरी 2025 तक खजुराहो से ही चलेगी। यह ट्रेन और प्रयागराज से खजुराहो के बीच निरस्त रहेगी।

हमारी युवा पीढ़ी योग्य और जिम्मेदार है : राज्यमंत्री

भोपाल (नप्र)। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने कहा कि हमारी युवा पीढ़ी योग्य और जिम्मेदार है। युवा पीढ़ी में राष्ट्र के प्रति अटूट भक्ति भी है और दुनिया को जीतने का जोश भी है। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने मंगलवार को नेहरू युवा केंद्र और भारत सरकार के खेल मंत्रालय द्वारा आयोजित सीमावर्ती राज्यीय युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम के समापन अवसर पर छात्रों को संबोधित कर रही थीं। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि निश्चित रूप से युवाओं की सोच, आपका चिंतन, आपका विचार, आपका दृष्टिकोण इस भारतवर्ष को नई दिशा देने का काम करता है, इसलिए आप अपने संस्कृति और परंपराओं के साथ देश की माटी से जुड़े रहें। यह वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है और इसी उद्देश्य से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में नेहरू युवा केंद्र और भारत सरकार के खेल मंत्रालय द्वारा सीमावर्ती राज्यीय कार्यक्रम प्रारंभ किया गया।

रेलवे ओवरब्रिज से चलती मालगाड़ी में कूदी महिला

सागर में पति से मोबाइल पर बात करते समय लगाई छलांग, 35 किमी दूर मिला शव

सागर/बीना (नप्र)। सागर में एक महिला रेलवे ओवरब्रिज से चलती मालगाड़ी में कूद गई। वह ब्रिज पर बैठकर पति से मोबाइल पर बात कर रही थी। जैसे ही मालगाड़ी ब्रिज के नीचे से गुजरी उसने छलांग लगा दी। घटनास्थल से करीब 35 किमी दूर उसका शव मिला।

घटना जरूरखेड़ा रेलवे स्टेशन पर सोमवार शाम करीब 6 बजे की है। इसका वीडियो भी सामने आया है। महिला की पहचान वंदना यादव (28) के रूप में हुई है। वह बसिया भौती की रहने वाली है।

ब्रिज पर बैठा देख लोगों की लगी भीड़-बसिया भौती गांव के नंदलाल यादव ने बताया कि महेंद्र यादव की पत्नी वंदना बहुत देर से रेलवे स्टेशन पर बने ब्रिज पर बीच में बैठी थी। वह किसी से फोन पर बात कर रही थी। उसे देखकर लोगों की वहां भीड़ लग गई।

लोगों ने उसे आवाज देकर वहां से हटने को भी कहा, लेकिन उसने किसी की नहीं सुनी। थोड़ी देर बाद वहां से मालगाड़ी गुजरी। उसने चलती मालगाड़ी पर छलांग लगा दी।

लोगों ने मालगाड़ी को रुकवाने की कोशिश की-महिला को ब्रिज से छलांग लगाते देख लोगों ने ट्रेन के गार्ड को रुकने के लिए इशारा किया। इसके बाद रेलवे स्टेशन पर ड्यूटी पर तैनात स्टेशन मास्टर घनश्याम शिवहरे को जानकारी दी। उन्होंने कंट्रोल रूम से बात कर मालगाड़ी को रुकवाया। कर्मचारियों ने महिला की तलाश शुरू की। सेमरखेड़ी में उसका शव मिला।

बैंक में पैसे कटने पर किसी से हुआ विवाद

ग्रामीण नंदलाल ने बताया कि महिला का पति दिल्ली में मजदूरी करता है। उसने मुझे फोन कर कहा था कि उसकी पत्नी जरूरखेड़ा गई है। उसके किसी बैंक या कियोस्क वाले ने रुपए काट लिए है। तुम देख लेना। लेकिन तब तक ये हादसा हो गया।

हर हर गंगे-हर घर गंगे कलश यात्रा 20 को

सीहोर (नप्र)। शहर में 20 फरवरी को हर-हर गंगे-हर घर गंगे मां गंगे कलश यात्रा निकलेगी।

नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर ने बताया कि आगामी 20 फरवरी को सुबह दस बजे शहर के मनकामेश्वर महादेव मंदिर से प्रयाग राज से आने वाले गंगा जल कलशों की पूर्ण विधि-विधान से बैंड बाजे के साथ यात्रा निकालेंगी। इसके पश्चात नगर पालिका अध्यक्ष श्री राठौर के अलावा शहर के सभी साधु, संतों और विप्रजनों के द्वारा शहरवासियों की जीवनदायनी सीवन नदी के अलावा महाकुंभ के पानी को वाहनों के द्वारा काहरी डेम, जमोनिया जलाशय के अलावा भगवानपुरा जलाशय में आस्था के साथ समर्पित किया जाएगा। इसको लेकर नगर पालिका के सभाकक्ष में बड़ी संख्या में पार्षदों और क्षेत्रवासियों ने बैठक कर निर्णय लिया है। इस निर्णय के आधार पर इस पुनित कार्य को किया जाएगा। बड़ी संख्या में महाकुंभ से विशेष वाहनों से इन कलशों को लाया जा रहा है। जलाशयों के अलावा हर वार्ड के बावडी अन्य जल स्त्रोतों में समर्पित किया जाएगा।

इस संबंध में सीएमओ भूपेन्द्र दीक्षित ने बताया कि महाकुंभ के शुभ अवसर पर तीर्थराज प्रयाग से त्रिवेणी संगम के जल का कलश में आगमन हमारें नगर में हाने जा रहा है इस शुभ अवसर पर सिद्धपुर के राजा मनकामेश्वर मंदिर में त्रिवेणी जल (गंगा जल) से अभिषेक उपरांत पावन कलश (गंगा जल) का जल नगर के जल स्त्रोत सीवन नदी, जमोनिया जलाशय, काहरी डेम, भगवानपुरा जलाशय एवं नगर के मुख्य जल स्त्रोत में मानव कल्याण हेतु प्रवाह किया जाएगा।

आरडीएसएस में लापरवाही करने वाले कांट्रेक्टर्स को करें ब्लैक-लिस्ट

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने समीक्षा बैठक में दिये निर्देश

भोपाल (नप्र)। आरडीएसएस (रिवेम्प्ड डिस्ट्रिब्यूशन सेक्टर स्कीम) के कार्यों में लापरवाही करने वाले कांट्रेक्टर्स को वार्निंग देकर ब्लैक-लिस्ट करने की कार्यवाही करें। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने यह निर्देश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनी अंतर्गत स्वीकृत आरडीएसएस के कार्यों की समीक्षा के दौरान दिये।श्री तोमर ने कहा कि स्कीम के अंतर्गत स्वीकृत कार्यों की समीक्षा प्रतिमाह करें। आवश्यकतानुसार पेनाल्टी लगायें। उन्होंने अधिकारियों से भी पूछा कि कार्यों में देरी पर आपके द्वारा क्या कार्यवाही की गयी है।

टेण्डर की शर्तों का हो पूरा पालन-ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने कहा कि टेण्डर की शर्तों का पूरी तरह से पालन करना सुनिश्चित करें। बिजली खम्बों में निर्धारित रंग के साथ ही थिकनेस आदि पर कोई समझौता नहीं होना चाहिये। श्री तोमर ने कहा कि टेण्डर की शर्तों का पालन कराने की जिम्मेदारी अधिकारियों की है। उन्होंने कहा कि कार्यों की गुणवत्ता की जाँच के लिये नियुक्त थर्ड पार्टी की रिपोर्ट की भी जाँच करें। गलत रिपोर्ट मिलने पर थर्ड पार्टी के विरुद्ध भी कार्यवाही करें।

स्मार्ट मीटर की बिलिंग समय पर हो-ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने कहा कि जिन घरों में स्मार्ट मीटर लग गये हैं, उनकी बिलिंग समय पर हो। देरी से बिलिंग होने पर बिल के स्लैब में परिवर्तन नहीं होना चाहिये। मध्य क्षेत्र में अभी तक एक लाख 22 हजार स्मार्ट मीटर लगाये जा चुके हैं।श्री तोमर ने कहा कि विद्युत अवरोध के कारण सहित पूरी जानकारी सोशल मीडिया में डाली जाये। अच्छे कार्यों का भी व्यापक प्रचार-प्रसार करें। जरूरत की सभी सामग्री सब स्टेशन स्तर तक उपलब्ध होनी चाहिये।

आप की माँग : गेहूं और धान का उचित मूल्य दे सरकार

भाजपा अपने संकल्प पत्र पूरा करें : बघेल

सीहोर (नप्र)। आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को कलेक्टर की जनसुनवाई में पहुंचकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। पार्टी ने ज्ञापन में प्रदेश की भाजपा सरकार से अपना संकल्प पूरा करने और किसानों को गेहूं और धान का उचित मूल्य देने की मांग की गई।

पार्टी के जिलाध्यक्ष इंजि. कृष्णपाल सिंह बघेल ने बताया की भाजपा के मध्यप्रदेश संकल्प पत्र 2023 में मोदी की गारंटी भाजपा का भरोसा विधानसभा चुनाव के समय भाजपा की डबल इंजन सरकार ने किसानो से वादा किया था की हम सत्ता में आने के बाद गेंहू एवं धान का समर्थन मूल्य एवं बोनस मिलाकर क्रमश गेंहू का 2700 रुपये एवं धान का 3100 रुपये का भुगतान अन्नदाता किसान को करेंगे। लेकिन बड़ा खेदजनक है की वर्तमान में भाजपा सरकार द्वारा गेंहू एवं धान का जो मूल्य घोषित किया गया है वो भाजपा के संकल्प पत्र से काफी दूर है। बघेल ने कहा की वर्तमान में गेहूं की लागत मूल्य की गणना करने पर ज्ञात होता है की अगर अब 2700 रूपये भी सरकार दे देती है तो वह किसानों के लिए काफी नहीं होगा,क्योंकि वर्तमान में खाद, बिजली, बीज, श्रम, डीजल, हंफाई का खर्च प्रति क्विंटल लगभग 3000 रूपये के आसपास आता है। ऐसी स्थिति में लागत मूल्य भी न मिल पाने से किसान कर्जदार होता जा रहा है। भाजपा की डबल इंजन सरकार ने चुनाव के दौरान प्रदेश में किसानों की माली हालत सुधारने का वादा किया था और इसके लिए फसलों के उचित दाम देने का वादा किया था लेकिन भाजपा ने चुनाव जीतने के बाद अभी तक किसानों के हित में गेहूं और धान का उचित मूल्य घोषित नहीं किया है जिसके कारण किसान ठगा हुआ महसूस कर रहा है।

मंदिरम् 41

मुंबादेवी मंदिर, महाराष्ट्र

मुंबादेवी मंदिर मुंबई, महाराष्ट्र, भारत में एक पुराना मंदिर है जो देवी मुंबा को समर्पित है, जो देवी (माँ देवी) का स्थानीय अवतार है। मुंबादेवी मुंबई की देवी हैं। मुंबई का नाम मुंबादेवी से आया है। जबकि देवी मुंबादेवी को समर्पित हिंदू संप्रदायों का पता 15वीं शताब्दी से लगाया जा सकता है। कहा जाता है कि इस मंदिर का निर्माण 1675 में मुंबा नामक एक हिंदू महिला ने अंग्रेजी किले सेंट जॉर्ज की उत्तरी दीवार के सामने पूर्व बोरी बंदर क्रीक के मुख्य लैंडिंग स्थल के पास करवाया था। क्रीक और किला इस हद तक खराब हो चुके हैं कि वे शहर के अतीत की केवल एक उजड़ी हुई याद बनकर रह गए हैं। देवी मुंबा कोली लोगों की संरक्षक थीं, जो मराठी बोलते थे और बॉम्बे के सात द्वीपों के मूल निवासी थे। उन्हें मंदिर के अंदर एक काले पत्थर की मूर्ति के रूप में दर्शाया गया है। मुंबा की लोकप्रिय व्युत्पत्ति 'महा अंबा' या 'महान माता' है, जो हिंदू देवी माँ के लिए भारत के कई प्रसिद्ध नामों में से एक है। यह मंदिर दक्षिण मुंबई के भुलेश्वर इलाके में स्टील और कपड़ों के बाज़ार के पास स्थित है। यह हिंदुओं के लिए एक पवित्र तीर्थस्थल और पूजा स्थल है, और इस तरह, हर दिन सैकड़ों लोग यहाँ आते हैं। मुंबई आने वाले पर्यटक अक्सर मंदिर में अपना सम्मान प्रकट करते हैं, जो शहर के पर्यटक आकर्षणों में से एक है।

राष्ट्रीय कार्यक्रम 'नक्शा' का शुभारंभ, रायसेन से प्रारंभ हुई मप्र वॉटरशेड यात्रा

'नक्शा' कार्यक्रम से शहरी नियोजन को मिलेगा बढ़ावा, भूमि संबंधी विवादों में आएगी कमी : मुख्यमंत्री

'नक्शा' कार्यक्रम शहरी भूमि रिकॉर्ड्स के निर्माण और प्रबंधन में लायेगा क्रांति : केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि आज रायसेन की धरती से राष्ट्रीय स्तर पर शहरी बस्तियों के भूमि सर्वेक्षण (नक्शा) पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया गया है। सरकार की यह पहल शहरी क्षेत्रों में नागरिकों को सशक्त और उनके जीवन को आसान बनाएगी। साथ ही शहरी नियोजन को बढ़ाएगी और भूमि संबंधी विवादों को कम करेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रायसेन में शहरी भूमि सर्वेक्षण 'नक्शा' के राष्ट्रीय कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव और केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने ड्रोन उड़ाकर सिटी सर्वेक्षण प्रोग्राम का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भूमि सबसे मूल्यवान सम्पत्ति होती है, इसलिए सुरक्षा और वित्तीय स्थिरता के लिए सटीक और पारदर्शी रिकार्ड होना जरूरी है। नक्शा कार्यक्रम से शहरी क्षेत्रों में ड्रोन के माध्यम से सर्वे कराकर भूमि अभिलेखों का निर्माण और आधुनिकीकरण किया जाएगा, जिससे भूमि स्वामित्व की पारदर्शिता और दक्षता सुनिश्चित होगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में दुनिया में भारत का मान-सम्मान बढ़ा है। प्रधानमंत्री जनकल्याण और विकास के लिए निरंतर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने केन-बेतवा लिंक परियोजना शुरू की है।

राष्ट्रीय कार्यक्रम 'नक्शा' केवल रायसेन और म.प्र.का नहीं, पूरे देश का है : चौहान

केन्द्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान ने कहा कि आज रायसेन में जो कार्यक्रम हो रहा है, वह केवल रायसेन और प्रदेश का नहीं, पूरे देश का कार्यक्रम है। आज रायसेन से देश के 26 राज्यों और 3 केन्द्र शासित प्रदेशों के 152 शहरी स्थानीय निकायों में शहरी भूमि सर्वेक्षण ''नक्शा'' पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि शहरी क्षेत्रों में ड्रोन से सर्वे होगा और नक्शा बनाकर भूमि स्वामी को दिया जाएगा। नक्शा नहीं होने से कई परेशानियां होती हैं। अब नागरिकों के पास उनकी जमीन का व्यवस्थित रिकॉर्ड होगा। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में लैण्ड रिकॉर्ड के क्षेत्र में क्रांति शुरू हुई है।

शहरी क्षेत्रों में स्वामित्व में आयेगी स्पष्टता : केन्द्रीय राज्यमंत्री श्री पेम्मासानी– कार्यक्रम में केन्द्रीय ग्रामीण विकास तथा संचार राज्यमंत्री डॉ. चन्द्रशेखर पेम्मासानी ने कहा कि देश की प्रगति स्पष्टता से शुरू होती है। विजन में स्पष्टता, गर्वनेन्स में स्पष्टता और भूमि स्वामित्व में भी स्पष्टता होनी चाहिये।

विमोचन : मुख्यमंत्री डॉ. यादव, केन्द्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान और केन्द्रीय ग्रामीण विकास तथा संचार राज्यमंत्री डॉ. पेम्मासानी द्वारा नक्शा पायलट कार्यक्रम के तहत मानक संचालक प्रक्रिया एसओपी पुस्तिका एवं नक्शा फ्लायर का विमोचन किया गया।

खजुराहो नृत्य समारोह 2025

चंदेलों के गाँव में फिर चहकेगा कलाओं का वसंत

विनय उपाध्याय
वरिष्ठ कला समीक्षक

संस्कृति के द्वार पर उत्सव कलाओं के वंदनवार सजाते हैं और समय के साथ जुगलबंदी करते हुए इतिहास रच देते हैं। विरासतों के महादेश भारत में परंपराएँ संस्कृति का महागान करती हैं और उत्सवों की रंगतें दूर दिशाओं तक उन्हें फैलाती हैं। खजुराहो नृत्य समारोह भारत की मधुमय संस्कृति का एक ऐसा ही स्वर्णिम अध्याय है। दुनिया के मानचित्र पर खजुराहो की पहचान पाषाण पर बनी प्रेम-प्रतिमाओं के सघन मंदिरों से रही है लेकिन बीती आधी सदी में बुंदेलखंड की सरज़मीं पर बसी चंदेलों की इस ऐतिहासिक बस्ती को सारी कायनात नृत्य की अलौकिक रंगभूमि की वजह से भी जानती है। वर्ष 2025 इस उत्सव की इक्यानवीं सीढ़ी तय करने की तस्दीक कर रहा है। लिहाज़ा इस उत्सव का परिसर फिर दमक उठा है। यह अवसर है जब भारतीय शास्त्रीय नृत्यों का संदर्भ लेते हुए, विचार और मंथन से गुजरते हुए सांस्कृतिक अस्मिता, कलात्मक उन्मेष और उस विविधता को भी ठीक से देखा, समझा और गुना जाए जो भारत के उत्कर्ष का प्रतीक रहे हैं।

पचास पार के इस समागमी विन्यास में संस्कृति और कला के उन तमाम रंगों का उजास है जहाँ नृत्य अपनी समग्रता में अनेक आयामों को समेटते दिखाई देते हैं। एक कीर्तिमान गिनीज़ बुक ऑफ वर्ल्ड रेकार्ड का भी जुड़ रहा है। शास्त्रीय नृत्यों के साथ नर्तकों की विशाल मैराथन रैली खजुराहो के सिद्ध मंच पर रोमहर्षक अनुभव होगी।

नृत्य मैराथन (रिले) बनेगा विश्व रिकॉर्ड

सबसे लंबे वृहद शास्त्रीय नृत्य मैराथन (रिले) प्रस्तुति में निरन्तर 24 घंटे से भी अधिक नृत्य प्रस्तुतियाँ होंगी। यह गतिविधि आदिवर्त संग्रहालय, खजुराहो में होगी। गतिवधि का शुभारम्भ 19 फरवरी को दोपहर 2:00 बजे होगा जो निरन्तर 20 फरवरी को सायं 5:00 बजे तक आयोजित की जाएगी। इसका नृत्य निर्देशन/संयोजन कथक नृत्यांगना तथा फ़िल्म अभिनेत्री श्रीमती प्राची शाह, मुम्बई एवं संगीत निर्देशन/संयोजन श्री कौशिक बसु, मुम्बई द्वारा किया जाएगा। प्रारंभिक रूप से 5-5 कलाकारों के मान से 25 ग्रुप तैयार किये जायेंगे, जिसमें लगभग 125 कलाकार प्रतिभागिता करेंगे। विभागीय संगीत महाविद्यालय-विश्वविद्यालय एवं नृत्य के वरिष्ठ कलागुरुओं के साधनारत शिष्यों को प्रस्तुति के लिए अमांत्रित किया गया है।

बाल नृत्य महोत्सव

खजुराहो नृत्य समारोह जैसे अंतर्राष्ट्रीय स्तर के आयोजन से नई पीढ़ी को जोड़ने के लिए मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति विभाग ने पहली बार एक नई गतिविधि जोड़ी है। जिसका नाम 'खजुराहो बाल नृत्य महोत्सव' है। इस नृत्य महोत्सव के अन्तर्गत मध्यप्रदेश के मूल निवासी 10 से 16 साल के युवा नृत्य कलाकार एक पृथक मंच पर अपनी प्रस्तुति दे सकेंगे।

51वें खजुराहो नृत्य समारोह में इस वर्ष एक नई अनुषांगिक गतिविधि 'प्रणाम' को जोड़ा गया है। इस गतिविधि के अंतर्गत सुविख्यात नृत्यांगना और पद्मविभूषण डॉ. पद्मा सुब्रह्मण्यम के जीवन और कला अवदान को अभिव्यक्त करते आयोजन होंगे। व्याख्यान एवं संवाद हेतु डॉ. जयश्री राजगोपालन, अनुराधा विक्रांत, महती कन्नन, अरविंथ कुमारस्वामी, पियाल भट्टाचार्य, डॉ. राजश्री वासुदेवन, अर्जुन भारद्वाज एवं डॉ. सच्चिदानंद जोशी उपस्थित रहेंगे।

इसी के साथ कुचिपुड़ी की सुप्रसिद्ध नृत्यांगना पद्मभूषण विदुषी राधा-राजा रेड्डी, मणिपुरी नृत्य कलाकार पद्मश्री दर्शना झवेरी, छाऊ नृत्य कलाकार पद्मश्री शशधर आचार्य, ओडिसी नृत्य कलाकार प्रवत कुमार स्वाइन, मोहिनीअट्टम नृत्य कलाकार पद्मश्री विदुषी भारती शिवाजी, कथक नृत्य कलाकार पद्मश्री विदुषी शोभना नारायण, सत्रीय नृत्य कलाकार पद्मश्री गुरु जतिन गोस्वामी शामिल हैं। वहीं एसएनए अवॉर्डी में मोहिनीअट्टम नृत्य कलाकार सुश्री पल्लवी कृष्णनन, भरतनाट्यम नृत्य कलाकार डॉ.संध्या पुरेचा, कुचिपुड़ी नृत्य कलाकार सुश्री दीपिका रेड्डी, कथकली नृत्य कलाकार श्री सदानम के.हरिकुमार, कथक नृत्य कलाकार सुश्री अदिति मंगलदास, मणिपुरी नृत्य कलाकार गुरु कलावती देवी-बिम्बावती देवी के नाम शामिल है। फ़िल्म अभिनेत्री और भरतनाट्यम की सुप्रसिद्ध नृत्यांगना मीनाक्षी शेषाद्रि की एकल नृत्य प्रस्तुति भी होगी।

नृत्य समारोह में इस वर्ष संस्कृति विभाग द्वारा संकलित 600 से अधिक वाद्ययंत्रों की प्रदर्शनी 'नाद' भी आकर्षण का केन्द्र होगी। देश के ख्यातिलब्ध 10 चित्रकार खजुराहो नृत्य समारोह के मंच पर होने वाली नृत्य प्रस्तुतियों को रंग और कूची की सहायता से कैनवास पर सजीव चित्रण करेंगे। इसी बीच मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा इस वर्ष समारोह के दौरान स्काई डाइविंग-एमपीटी पायल रिसोर्ट खजुराहो, हॉट एयर बैलून, कैम्पिंग-पन्ना, विलेज टूर-पुराना खजुराहो गाँव, ई-बाईक टूर-खजुराहो मंदिर, सेगवे टूर-खजुराहो, वॉटर स्पोर्ट्स-कुटनी जैसी रोमांचकारी गतिविधियाँ आयोजित की जाएंगी।

दरअसल खजुराहो नृत्य समारोह किसी उत्सव का सतही रोमांच नहीं है। यह किसी गंतव्य तक पहुँचने वाले पाँवों की यात्रा भी नहीं है। यह तो 'चरामेति' की भारतीय आकांक्षा का रूपक है। चलते रहने का संस्कार है। यह यात्रा है विरासत और उत्तराधिकार की। साधना और समर्पण की। दीक्षा और ज्ञान की। बंधनों से कला की मुक्ति की। अभिव्यक्ति के आयामों की। भाव-रस भीगी लय-ताल भरी भंगिमाओं की। लालित्य और सौन्दर्यबोध की। देह, मन और आत्मा के अंतरसंबंधों की। अनंत में पंख पसारती पवित्र कामनाओं की यह यात्रा है, जो घुँघरूओं की झंकारों में संस्कृति के महादेश को जगाती है। मौसम की चौखट पर मधुमास की दस्तक होती है तो धरोहर की धरती पर एक बार फिर यह पुरातन वैभव जी उठता है। एक उत्सव कला के घुँघरु बांधकर जीवन के उल्लास को नाचने लगता है। राग-रागिनियों में भावों की कलियाँ मुस्कुराने लगती हैं। परनों-तानों की लय-गतियों में पाँव थिरक उठते हैं। यूँ कंदरिया और जगदंबी मंदिरों का पवित्र परिसर संस्कृति के सुनहरे छंदों से गमक उठता है। परम्परा की उंगली थामकर साधक मन अनंत की यात्रा पर निकल पड़ता है। खजुराहो... जहाँ पत्थरों के खुरदुरे दामन पर प्रेम की मूरतें रचते हुए शिल्पियों ने कभी सोचा न होगा कि मंदिर की दीवारों से उठते शिखर एक दिन सारे संसार के लिए इंसानी तहज़ीब का पैगाम बन जाएंगे।

मध्यप्रदेश शासन संस्कृति विभाग की उस्ताद अलाउद्दीन खाँ संगीत एवं कला अकादेमी ने इक्यावनवें पचासवें उत्सव का विन्यास करते हुए उन सभी विधाओं और अनुशासनों को जगह दी हैं जहाँ रचनाशीलता, दरअसल मनुष्यता के आदर्श का हासिल चाहती है। निश्चय ही संभावनाओं के दरीचों पर एक जलसा अपनी अहमियत साबित करता नए समय को पुकारता रहा है।

मंदिर का किनारा, मुक्ताकाशी मंच, हवा की हौली-हौली हिलोरें, फलक पर खिलखिलाता चाँद...। सहसा दूर ठिठके अँधेरे को चीरकर मंच पर प्रकट होती है नर्तकी। मानों साँझ एक सुंदर परी बनकर धरती पर उतर आई हो।

प्रेम प्रतिमाओं की प्रसिद्ध नगरी खजुराहो की वादियों में हर साल वसंत ऐसा ही दिलकश रंग उँड़ेलता है। पत्थरों के खुरदुरे दामन पर लिखी जीवन की वासंती कविता पढ़ने आए हज़ारों सैलानियों को दावत देती शामें लय-ताल की अनूठी खुमारी में बदल जाती हैं। भारत की संस्कृति के गौरवशाली अतीत की रोमांचक स्मृतियों का झरना फूट पड़ता है।

खजुराहो के नृत्य परिसर में उमड़ने वाले अनेक देशी-विदेशी कला प्रेमी इस उत्सव के शिल्प और उसके कल्पनाशील संयोजन पर रीझते रहे हैं। मंदिरों की पृष्ठ भूमि उन्हें नृत्य प्रस्तुतियों के साथ रूहानी रिश्ता जोड़ने में मदद करती है। खजुराहो आना किसी भी सैलानी के लिए बुझा और बोझिल अहसास नहीं है। धरातल का सोच रखने वाले दर्शकों को 900 से 1400वीं सदी के काल में बनी इन मूर्तियों में देह-राग का संगीत सुनाई पड़ सकता है, पर अध्यात्म का सिरा पकड़कर चलें तो ये प्रतिमाएँ मोक्ष की ओर ले जाती हैं। मूर्धन्य नृत्य गुरु पंडित बिरजू महाराज कहते हैं- 'खजुराहो में मंदिर और मन की साधना के मंदिर का मिलन होता है।' इक्यानवें सोपान पर यह उत्सव एक बार फिर अपनी स्वर्णिम स्मृतियों को समेटता संस्कृति के भाल पर कला के अक्षत-चंदन का अभिषेक कर रहा है।

राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने भेल क्षेत्र में 3 करोड़ रुपए लागत की सड़कों के डामरीकरण का किया भूमि पूजन

भोपाल (नप्र)। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने मंगलवार को गोविंदपुरा क्षेत्र में 3 करोड़ रुपए की लागत से होने वाले सड़क डामरीकरण के कार्य का भूमि-पूजन किया। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि गोविंदपुरा के नागरिकों की सुविधा और क्षेत्र के विकास के लिए हम सतत कार्य कर रहे हैं। निरंतरता के साथ क्षेत्र की प्रगति के कार्य जारी हैं। राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने अधिकारियों से कहा कि सड़क मरम्मत के कार्य को प्राथमिकता से करें। राज्य मंत्री श्रीमती गौर ने महात्मा गांधी चौराहा से पिपलानी पेट्रोल पंप तक 2 किलोमीटर सड़क के डामरीकरण कार्य जिसकी लागत 1 करोड़ 61 लाख रुपए है और चेतकब्रिज चौराहा से अवधपुरी रोड तक 4 किलोमीटर में 1 करोड़ 25 लाख रुपए की लागत से होने वाले डामरीकरण कार्य का भूमिपूजन किया। उन्होंने कहा कि सेवंतिका पेट्रोल पंप से गोविंदपुरा थाने तक डामरीकरण तथा अन्नानगर से डीआरएम तक एक करोड़ 16 लाख की लागत से पेचवर्क का कार्य किया जाएगा। पार्षद श्रीमती मधु शवनानी, श्री वी शक्ति राव, श्री प्रताप बेस, श्री गणेश राम नागर, श्री शिवलाल मकोरिया, श्री नारायण परमार, श्री संजय शवनानी सहित जनप्रतिनिधि एवं रहवासी मौजूद रहे।

सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग की अध्यक्षता में राज्य सहकारी बीज उत्पादक एवं वितरण संघ की बैठक हुई।

ट्रक ने 5 युवकों को कुचला, चार की मौत

रीवा में शव कई टुकड़ों में बंटे, 5 घंटे सड़क पर पड़े रहे, पोटली में ले जाना पड़ा

रीवा (नप्र)। रीवा में तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार 5 युवकों को कुचल दिया। इसमें चार युवकों की मौत हो गई। एक युवक की हालत गंभीर है। ट्रक की चपेट में आने से चारों के शव के टुकड़े-टुकड़े हो गए। पांच घंटे तक शव वहीं पड़े रहे। पुलिस को पोटली में शव को ले जाना पड़ा।

हादसा मंगलवार सुबह करीब 8 बजे बंकुइया में हुआ। युवकों की मौत से भड़के परिजन और ग्रामीणों ने जेरुका में चक्काजाम कर दिया। इससे 5 किलोमीटर तक वाहनों की कतारें लग गई।

मृतकों की पहचान आशीष साकेत, शिवबहादुर साकेत, सागर साकेत और नवीन साकेत के रूप में हुई। सभी एक ही बाइक पर सवार होकर जा रहे थे। परिजन ने आरोप लगाया कि ट्रक ड्राइवर की लापरवाही के कारण हादसा हुआ। पुलिस ने कहा कि जांच के बाद वैधानिक कार्रवाई करेंगे।

एक ही बाइक पर सवार थे युवक– घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए संजय गांधी अस्पताल भेजा। पुलिस ने बताया कि एक ही बाइक पर 5 लोग सवार थे। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

वनमाली कथा समय एवं राष्ट्रीय विष्णु खरे कविता सम्मान समारोह 19 फरवरी से

नंदकिशोर आचार्य, ए. अरविंदाक्षन, लीलाधर मंडलोई तथा पार्वती तिर्की होंगे सम्मानित

लीलाधर मंडलोई | नंदकिशोर आचार्य | डॉ.पार्वती तिर्की | ए.अरविंदाक्षन

19, 20, 21 फरवरी 2025 को रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय एवं स्कोप ग्लोबल स्किल्स विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित होगा सम्मान समारोह

भोपाल। कहानी और कविता पर केंद्रित भव्य समागम 19 फरवरी से शुरू होने जा रहा है। कला, साहित्य एवं संस्कृति के लिये समर्पित वनमाली सृजनपीठ द्वारा वनमाली जी के शिष्य एवं प्रखर कवि, आलोचक, अनुवादक, पत्रकार विष्णु खरे की स्मृति में राष्ट्रीय कविता सम्मानों की घोषणा की गई है। तीन दिवसीय वनमाली कथा समय एवं राष्ट्रीय विष्णु खरे कविता सम्मान समारोह रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय एवं स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी में होगा। चार अलग-अलग श्रेणियों में रचनाकारों को सम्मानित किया जायेगा। विष्णु खरे आलोचना सम्मान से वरिष्ठ आलोचक, कवि, अनुवादक नंदकिशोर आचार्य (बीकानेर), विष्णु खरे अनुवाद सम्मान से वरिष्ठ अनुवादक ए. अरविंदाक्षन (केरल), विष्णु खरे कविता सम्मान से सुप्रसिद्ध साहित्यकार, कवि, अनुवादक एवं आलोचक लीलाधर मंडलोई (नई दिल्ली) तथा विष्णु खरे युवा कविता सम्मान से युवा कवियत्री सुश्री पार्वती तिर्की (झारखंड) को सम्मानित किया जायेगा।

वनमाली कथा समय एवं विष्णु खरे कविता सम्मान समारोह दिनांक 19 से 21 फरवरी-2025 को भोपाल में आयोजित किया जायेगा। दिनांक 19 एवं 20 फरवरी, रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय में 'कथा समय' का एवं 21 फरवरी को विष्णु खरे कविता सम्मान का आयोजन स्कोप ग्लोबल स्किल्स विश्वविद्यालय भोपाल के वनमाली सभागार में आयोजित किया जायेगा। इसमें पहले दिन समकालीन साहित्यिक पत्रकारिता का परिदृश्य और वनमाली कथा, परिचर्चा : मलयालम में हिंदी के रचनाकार विषयों पर सत्रों का आयोजन होगा। इसके अलावा संतोष चौबे की कहानी लेखक बनाने वाले की नाट्य प्रस्तुति टैगोर राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के छात्रों द्वारा दी जाएगी। इस दौरान वनमाली कथा प्रतियोगिता विशेषांक लोकार्पण, वनमाली कथा प्रतियोगिता के विजेता रचनाकारों का सम्मान, लता अग्रवाल की पुस्तक 'वनमाली जी की कहानियों से गुजरते हुए' का लोकार्पण, ''वनमाली : एक कृति व्यक्तित्व' तथा हिंदी के अपराजेय कवि विष्णु खरे पुस्तक का लोकार्पण होगा।

समारोह के दूसरे दिन के कार्यक्रमों में कहानी पाठ एवं संगोष्ठी का आयोजन होगा। संगोष्ठी का विषय 'कृत्रिम बुद्धिमत्ता के परिपार्श्व में कहानी का भविष्य' है। वहीं तीसरे दिन 'राष्ट्रीय विष्णु खरे सम्मान समारोह का आयोजन होगा' जिसमें चयनित रचनाकारों का सम्मान होगा। इस समारोह का संचालन टैगोर विश्व कला और संस्कृति केन्द्र के निदेशक विनय उपाध्याय करेंगे। इस अवसर पर 'विश्व रंग अंतरराष्ट्रीय हिंदी ओलम्पियाड-2025' का पोस्टर रिलीज किया जाएगा। शाम के सत्र में '...और नाज मैं किस पर करूं' की नाट्य प्रस्तुति होगी जो कि विष्णु खरे की कविताओं पर आधारित है। सम्मान समारोह में पुरस्कृत रचनाकारों के साथ देश के ख्यात साहित्यकार ममता कालिया (नई दिल्ली), अरुण कमल (पटना), अखिलेश (लखनऊ), जितेन्द्र श्रीवास्तव (दिल्ली), ओमा शर्मा (मुंबई), मनीषा कुलश्रेष्ठ (जयपुर), महेश दर्पण, प्रकाश मनु, देवी प्रसाद मिश्र (नई दिल्ली), नीलेश रघुवंशी, मुकेश वर्मा, संतोष चौबे (भोपाल), महेश वर्मा, रामकुमार तिवारी (छत्तीसगढ़) तथा 100 से अधिक वनमाली सृजन केन्द्रों के संयोजक भाग लेंगे। भोपाल तथा मध्यप्रदेश के भी अनेक साहित्यकार विभिन्न सत्रों में उपस्थित रहेंगे।

पुरस्कृत रचनाकारों का परिचय

लीलाधर मंडलोई

लीलाधर मंडलोई मूलतः कवि है उनकी कविताओं में छत्तीसगढ़ की बोली की मिठास ओर वहाँ के जनजीवन का सजीव चित्रण है। कविता के अलावा लोककथा, लोकगीत, यात्रा वृत्तांत, डायरी, मीडिया, पत्रकारिता तथा आलोचना लेखक की ओर प्रवृत्त है। घर-घर घूमा, रात-बिरात, मगर एक आवाज देखा- अदेखा ये बदमाशी तो होगी, देखा पहली दफा अदेखा, उपस्थित है, समुद्र (कविता संग्रह) एवं अंडमान-निकोबार भी लोककथाएँ, चाँद का धब?बा, पेड़ भी चलते है आदि अनेक पुस्तकें प्रकाशित। साहित्यक अवदान के लिये प्रतिष्ठत पुशकिन सम्मान नागार्जुन सम्मान, रज़ा सम्मान वागीश्वरी सम्मान एवं रामविलास शर्मा सम्मान से सम्मानित किया जा चुका है।

नंदकिशोर आचार्य

प्रख्यात आलोचक नंदकिशोर आचार्य मूलतः आलोचक है। आलोचना के अलावा कविता, नाट्य, शिक्षा-सभ्यता संस्कृति विषयक विमर्श और संपादन के क्षेत्र में अपना रचनात्मक योगदान दिया है। नंदकिशोर आचार्य के 12 - कविता संग्रह, 8 - नाटक, 7 - आलोचना कृति और 12 सामाजिक-दर्शन संबंधी पुस्तकें प्रकाशित है। ब्राडस्की, लोर्का और आधुनिक अरबी कविताओं सहित अनेकों दूसरी भाषाओं की श्रेष्ठ कविताओं के अनुवाद किये है। आपको 'मीरा-पुरस्कार', 'बिहारी पुरस्कार', 'भुवनेश्वर पुरस्कार', 'संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार' सुब्रह्मण्यम भारती पुरस्कार, साहित्य अकादेमी, पुरस्कार आदि से सम्मानित किया गया है।

ए. अरविंदाक्षन

वरिष्ठ साहित्यकार एवं अनुवादक प्रो. ए. अरविंदाक्षन महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय वर्धा में पूर्व कुलपति भी रहे है वे हमारे समय के महत्वपूर्ण आलोचक साहित्यकार और अनुवादक है। राग लीलावती, असंख्य ध्वनियों के बीच, भरापूरा घर, पतझड़ का इतिहास, राम की यात्रा, प्रार्थना एक नदी है आदि प्रतिनिधि कविताएँ है। साथ ही हिन्दी में बीस आलोचना की पुस्तकों के साथ, मलयालम में पाँच आलोचना की पुस्तकें, एक उपन्यास, पन्द्रह अनुदित पुस्तकों, तेइस सम्पादित पुस्तकें अग्रेंजी में दो पुस्तकें आदि है। ए. अरविंदाक्षन को बीस राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार, साहित्य वाचस्पति उपाधि सहित अनेक पुरस्कार प्राप्त हो चुके हैं।

डॉ. पार्वती तिर्की

डॉ. पार्वती तिर्की युवा कवियत्री है। उनका पहला काव्य संग्रह आदिवासी जीवन संस्कृति लोककथाओं और लोक जीवन से जुड़ा है। कविता और लोकगीतों में उनकी विशेष अभिरुचि है। 'फिर उगना' कविता संग्रह है। कविताओं के साथ-साथ कहानियाँ भी लिखती है। 'गिदनी' वागार्थ में प्रकाशित हुई। अन्य पत्रिकाएँ जैसे इन्द्रधनुष, सदानीरा, समकालीन, जनमत, हिन्दवी, प्रगतिशील हाँक और पत्रिकाओं में कविताएँ प्रकाशित हुई।

वनमाली सृजनपीठ

सुप्रतिष्ठित कथाकार, शिक्षाविद तथा विचारक स्व.जगन्नाथ प्रसाद चौबे 'वनमाली' के रचनात्मक योगदान और स्मृति को वनमाली सृजनपीठ एक साहित्यिक, सास्कृतिक तथा रचनाधर्मी प्रतिष्ठान है, जो परम्परा तथा आधुनिक आग्रहों के बीच संवाद एवं विमर्श हेतु सतत् सक्रिय है। साहित्य तथा कलाओं की विभिन्न विधाओं में हो रही सर्जना को प्रस्तुत करने के साथ ही उसके प्रति लोकरुचि का सम्मानजनक परिवेश निर्मित करना भी पीठ के दायित्वों में शामिल है। इस आकांक्षा के चलते रचनाधर्मियों में चर्चा और विचार-विमर्श के अलावा यह सृजनपीठ शोध, अन्वेषण, अध्ययन तथा लेखन के लिए नवोन्मेषी प्रयासों तथा सृजनशील प्रतिभाओं को चिह्नित करने और उन्हें अभिव्यक्ति के यथासम्भव अवसर उपलब्ध कराने का काम भी करती है। बहुकला का आदर और समावेशी रचनात्मक आचरण हमारी गतिशीलता के अभीष्ट है।

राष्ट्रीय वनमाली सृजनपीठ द्वारा 'वनमाली कथा सम्मान' जनतांत्रिक एवं मानवीय मूल्यों का संधान कर साहित्य में उसकी पुनः प्रतिष्ठा करने एवं उसे समुचित महत्त्व प्रदान करने वाले रचनाकारों को प्रदान किया जाता है। इस सम्मान से अब तक सर्वश्री ममता कालिया, चित्रा मुद्गल, स्वयं प्रकाश, असगर वज़ाहत, उदय प्रकाश, प्रभु जोशी, शशांक, मुकेश वर्मा, अखिलेश, प्रियंवद, गीतांजलिश्री, मनोज रूपड़ा, मोहम्मद आरिफ, अल्पना मिश्र, आनंद हर्षुल, मनीषा कुलश्रेष्ठ, मनोज पांडेय, चंदन पांडेय आदि रचनाकारों को अलंकृत किया गया है। वर्ष 2025 में सृजन पीठ द्वारा वनमाली जी के शिष्य रहे प्रखर कवि, आलोचक विष्णु खरे की स्मृति में राष्ट्रीय कविता पुरस्कारों की स्थापना भी की गई है।